- कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण - 12

- रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा - 12

- संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती - 13

- पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में - 14

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

8.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.08

सूर्यास्त 05.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष चतुर्थी 02:28 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 22 जनवरी 2026, वर्ष 6, अंक 296, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

सोने में 6,500 रुपये का उछाल, 1.60 लाख पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- चांदी 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम हुई

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना और चांदी नए शिखर पर पहुंच गए। सोने की कीमत 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 3.34 लाख प्रति किलोग्राम पर रही।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 6,500 रुपये यानी 4.24 प्रतिशत बढ़कर 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गया। मंगलवार को, सोने ने पहली बार देश की राजधानी में 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। स्थानीय सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में भी लगातार नौवें दिन तेजी जारी रही। चांदी की कीमत 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 रुपये बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

न्याय, समता और बंधुता लोकतंत्र की आत्मा : मुख्यमंत्री

- योगी का आह्वान-विधायिका बने संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच
- तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का समापन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि न्याय, समता और बंधुता संविधान के ये तीन शब्द भारत के लोकतंत्र की आत्मा हैं। इन्हें साकार करने का सबसे प्रभावी मंच विधायिका है।

उन्होंने आह्वान कि विधायिका संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच बने। विधानसभा में बुधवार को तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि विधायिका न केवल कानून निर्माण की धुरी है, बल्कि समग्र विकास की कार्ययोजना गढ़ने का मंच भी है। जहां सहमति-असहमति के बीच संवाद से समाधान निकलता है। सीएम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं अत्यंत मजबूत हैं और दुनिया के लिए प्रेरणा हैं। संसद और विधानसभाएं उस अंतिम व्यक्ति की आवाज को ताकत देती हैं, जो व्यवस्था की सबसे निचली सीढ़ी पर खड़ा है। योगी ने बताया कि नियमावली में बदलाव से अब सवा घंटे में 20 तारांकित प्रश्न व उनके साथ अनुपूरक प्रश्न पूछे जा रहे हैं, जिससे अधिक जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित हुई है।

विकसित भारत-विकसित उप्र पर ऐतिहासिक विमर्श

मुख्यमंत्री योगी ने सम्मेलन में पारित छह प्रस्तावों का अभिनंदन करते हुए कहा कि 'विजन-2047' को साकार करने के लिए 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' पर सत्ता-विपक्ष के 300 से अधिक सदस्यों ने 24 घंटे तक निरंतर चर्चा की। उन्होंने बताया कि देर रात तक सदन में विचार-मंथन चलता रहा और व्यावहारिक सुझाव सामने आए।

तकनीक, प्रशिक्षण और नियमित बैठकें

योगी ने वर्ष में कम से कम 30 बैठकों के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसे संसद से लेकर नगर निकायों और पंचायतों तक के लिए प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि तकनीक के युग में पीछे नहीं रहा जा सकता। इसीलिए यूपी में ई-विधान, पेपरलेस कैबिनेट और पेपरलेस बजट लागू किए गए हैं। जनप्रतिनिधियों का तकनीकी प्रशिक्षण भी उतना ही जरूरी है।

जन-संवाद से बना यूपी का विजन डॉक्यूमेंट

योगी ने बताया 'विकसित भारत-विकसित उप्र' के लिए 98 लाख सुझाव पोर्टल पर प्राप्त हुए हैं। आईआईटी कानपुर के सहयोग से एआई टूल्स के जरिए इन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि हर सेक्टर के सुझाव विजन डॉक्यूमेंट का हिस्सा बनें। सरकार के प्रोएक्टिव अप्रोच पर जोर दे कहा कि पीठ पक्ष-विपक्ष में संतुलन बनाती है और ऐसे सम्मेलन सीखो-सिखाओ के मंच होते हैं।

ब्रीफ न्यूज

5.85 करोड़ मूल्य का कोबरा का विष जब्त सात गिरफ्तार

सूरत। गुजरात पुलिस ने 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का कोबरे का जहर जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने कहा कि कोबरे का जहर रेव पार्टियों में उपयोग किए जाने वाले नशीले पदार्थ और जीवन रक्षक दवाएं बनाने के लिए किया जाता है। सूरत पुलिस के एसओजी के उपायुक्त ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने घनश्याम सोनी नामक व्यक्ति से कमीशन पर बेचने के लिए 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का 6.5 मिलीलीटर कोबरा विष लिया था। पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में कोबरा विष बरामद हुआ है।

रोहित शर्मा को मानद डॉक्टरेट की उपाधि की जाएगी प्रदान

पुणे। भारत के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा को क्रिकेट में उनके अतुलनीय योगदान और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए शनिवार को यहां अर्जीक्या डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में डीलिट की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने घोषणा की कि उसके ऐतिहासिक 10वें दीक्षांत समारोह में रोहित प्रमुख आकर्षण होंगे। विश्वविद्यालय ने कहा, प्रशंसक उन्हें क्रिकेट के हिटमैन के रूप में जानते हैं, लेकिन दीक्षांत समारोह रोहित शर्मा के लिए एक अलग तरह का मील का पत्थर है।

शबरिमला मामले में पद्मकुमार, दो अन्य की जमानत याचिका खारिज

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने शबरिमला में सोना चोरी होने के मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार और दो अन्य की जमानत याचिकाएं बुधवार को खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति ए. बदरुद्दीन ने पद्मकुमार, टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी. मुरारी बाबू और कर्नाटक के बल्लारी के जौहरी रोड्डम पांडुरंगैया नागा गोवर्धन को राहत देने से इनकार कर दिया।

पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है अरावली का मुद्दा, अवैध खनन बर्दाश्त नहीं करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने खनन संबंधी मुद्दों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाने की बात दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि अवैध खनन से अपूरणीय क्षति हो सकती है, इसलिए वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगा। साथ ही कहा कि यह मुद्दा देश के पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है और अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र के. परमेश्वर को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। पीठ ने कहा कि समिति इस न्यायालय के निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। कोर्ट ने अपने उस आदेश को भी विस्तारित किया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करने वाले 20 नवंबर के निर्देशों को स्थगित रखा गया था। सुनवाई के दौरान न्यायालय को सूचित किया गया कि छिटपुट स्थानों पर अवैध खनन हो रहा है, और पीठ ने राजस्थान सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज के इस आश्वासन को रिकॉर्ड में लिया कि इस तरह का कोई भी अनधिकृत खनन नहीं होगा। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच, उच्चतम न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा तथा उससे जुड़े मुद्दे शीर्षक से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था।

अरावली की नई परिभाषा को लेकर जारी बवाल के बीच, न्यायालय ने पिछले साल 29 दिसंबर को अपने 20 नवंबर के उन निर्देशों को स्थगित कर दिया था, जिनमें इन पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था।

इन निर्देशों में अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा स्वीकार की गई थी। न्यायालय ने कहा था कि कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है, जिनमें यह आशंका भी शामिल है कि 100 मीटर ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच 500 मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता है। न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार कर लिया था और विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले इसके क्षेत्रों के भीतर नए खनन पट्टे देने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वायु प्रदूषण मामले में केंद्र व दिल्ली सरकार से कार्ययोजना मांगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार समेत अन्य हितधारकों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार के लिए केंद्रीय प्रदूषण निगरानी संस्था द्वारा अनुशंसित दीर्घकालिक उपायों पर अपनी-अपनी कार्य योजना चार सप्ताह के भीतर पेश करें।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा प्रस्तुत वस्तु स्थिति रिपोर्ट का संज्ञान लिया। पीठ ने कहा कि सीएक्यूएम ने 15 दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश की है और उन संबंधित एजेंसियों की भी पहचान की है, जो इन दीर्घकालिक उपायों को लागू करने में सक्षम हैं। पीठ ने कहा, सीएक्यूएम द्वारा सुझाए गए उपायों के अलावा भी कुछ अतिरिक्त दीर्घकालिक उपायों को अपनाने की आवश्यकता हो सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीएक्यूएम द्वारा अनुशंसित इन दीर्घकालिक उपायों को बिना किसी देरी के लागू किया जाना आवश्यक है। इसलिए हम हितधारकों से इन उपायों को लागू करने के लिए अपनी-अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने का आग्रह करते हैं। पीठ ने कहा कि यह न्यायालय इन उपायों के संबंध में किसी भी आपत्ति पर विचार करने के पक्ष में नहीं है।

पाकबड़ा में ऑनर किलिंग प्रेमी युगल के शव मिले

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- उमरी गांव की घटना, पुलिस छावनी में तब्दील हुआ गांव
- प्रेमी युगल अलग समुदाय के होने के चलते प्रशासन सतर्क

मृतक अरमान

मृतक काजल

अमृत विचार: पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव उमरी सब्जीपुर में अलग-अलग समुदाय के प्रेमी युगल के शव मिले। दोनों 3 दिन पहले लापता हुए थे। ऑनर किलिंग कर शवों को गंगा नदी के किनारे नीम करोली बाबा आश्रम के पास दफनाने की आशंका जताई जा रही है। गांव में पुलिस व पीएसी की तैनाती कर दी गई। पुलिस ने लड़की के भाई को गिरफ्तार कर लिया।

उमरी सब्जीपुर निवासी अरमान पुत्र हनीफ का गांव की ही एक युवती के साथ पांच साल से से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अलग-अलग समुदाय के होने के कारण स्थिति बिगड़ने लगी तो हनीफ ने अरमान को काम करने के लिए सऊदी भेज दिया था। एक साल काम करने के बाद वह वापस आ गया। इसके बाद फिर से प्रेम प्रसंग परवान चढ़ने लगा। रविवार की रात करीब 2:00 बजे वह युवती से मिलने गया तो परिजनों ने आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। इसके बाद दोनों लापता हो गए। हनीफ ने बुधवार को पुलिस को तहरीर दी कि उनका बेटा अरमान 3 दिन से लापता है। इसके बाद युवती के भाई एवं पिता ने भी पुलिस को बेटी के तीन दिन से गायब होने की तहरीर दी। पुलिस सतर्क हो गई और गांव जाकर जानकारी ली। ग्रामीणों ने जो बताया उससे ऑनर किलिंग कर प्रेमी युगल के शव नीम करोली मंदिर के पीछे जंगल में दफनाने की आशंका जाहिर हुई। पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। गांव में पुलिस एवं पीएसी तैनात कर दी गई है। पुलिस ने लड़की के भाई को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

मामला ऑनर किलिंग का है। अरमान के पिता हनीफ ने लड़की पक्ष के दो लोगों को नामजद कर बेटे की हत्या की तहरीर दी है। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गांव में तनाव की स्थिति पैदा न हो इसलिए पुलिस व पीएसी तैनात की गई है।
-कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी

वायु सेना का हल्का विमान क्रैश

- दोनों पायलट सुरक्षित माघ मेला से ठीक तीन किमी दूर हुआ हादसा

नई दिल्ली/प्रयागराज। वायु सेना का एक हल्का, विमान इंजन में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण बुधवार को प्रयागराज में हादसे का शिकार हो गया। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। यह हादसा माघ मेले से 3 किमी दूरी पर हुआ। भारतीय वायु सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए उसने जांच का आदेश दिया है। इस तरह के अत्यंत हल्के विमान का उपयोग आमतौर पर प्रशिक्षण, पक्षी सर्वेक्षण और भू सर्वेक्षण कार्यों में किया जाता है। हादसा उस वक्त हुआ, जब विमान एक नियमित उड़ान पर था। हादसे के दौरान विमान की रिकवरी (पैराशूट) प्रणाली सक्रिय की गई और दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

वायु सेना ने कहा, एक माइक्रोलाइट विमान में, 21 जनवरी को दोपहर सवा बारह बजे प्रयागराज के निकट बमरौली वायु सेना स्टेशन से नियमित उड़ान के दौरान तकनीकी गड़बड़ी आ गई और उसे एक निर्जन इलाके में सुरक्षित रूप से उतारा गया तथा जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

महंत नृत्य गोपाल दास की हालत गंभीर, आईसीयू में भर्ती

लखनऊ। अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बुधवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें पेट संबंधी गंभीर समस्या हो गई। गंभीर हालत में उन्हें लखनऊ स्थित मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

शाम चार बजे महंत नृत्य गोपाल दास को आंशिक बेहोशी की हालत में मेदांता की इमरजेंसी में लाया गया। डॉक्टरों ने महंत को देखा, जरूरी जांचें कराईं। निदेशक डॉ. राकेश कपूर ने बताया कि खून की जांच में इलेक्ट्रोलाइट गड़बड़ पाया गया। डॉक्टरों की टीम गठित कर दी गई है। जो महंत की सेहत की निगरानी कर रहे हैं। उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया है।

चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में अब्बास अंसारी के खिलाफ आरोप तय

मऊ। जिले की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में मऊ सदर से विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ बुधवार को आरोप तय किए।

सुभासपा के विधायक अंसारी, दक्षिण टोला थाने में दर्ज मामले के सिलसिले में अदालत में पेश हुए। यह मामला फरवरी 2022 में दर्ज किया गया था। वकील दरोगा सिंह ने बताया कि चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 2022 में अंसारी के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 133 (चुनावों में अवैध रूप से वाहन किराए पर लेने या खरीदने पर दंड) के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोप मुक्त करने का आवेदन दायर किया गया, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. केपी सिंह की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने बुधवार को विधायक के खिलाफ आरोप तय किए।

- जिले की एक विशेष सांसद/विधायक अदालत ने आरोप तय किए

ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होगा इजराइल, नेतन्याहू हुए सहमत

यरुशलम, एजेंसी

- गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा 'बोर्ड ऑफ पीस'

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए सहमति दे दी है। इस घोषणा से पहले नेतन्याहू के कार्यालय ने गाजा पर निगरानी के लिए बोर्ड की कार्यकारी समिति की संरचना की आलोचना की थी।

ट्रंप के नेतृत्व वाले 'बोर्ड ऑफ पीस' की परिकल्पना मूलरूप से विश्व के कुछ चुनिंदा नेताओं के एक छोटे समूह के रूप में की गई है, जो गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा। ट्रंप प्रशासन की महत्वाकांक्षाएं अब एक व्यापक अवधारणा में तब्दील हो गई हैं, जिसमें ट्रंप ने दर्जनों देशों को निमंत्रण भेजा है और संकेत दिया है कि यह जल्द ही वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। नेतन्याहू की यह घोषणा उनके पहले के रुख के विपरीत है।

ग्रीनलैंड पर नियंत्रण को नहीं करेंगे बल प्रयोग : ट्रंप

दावोस। राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच की बैठक में कहा कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका तेजी से तरक्की कर रहा है, लेकिन यूरोप सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है। ट्रंप ने नाटो में सहयोगी डेनमार्क से ग्रीनलैंड का नियंत्रण हासिल करने की इच्छा जताई है। उनकी यह महत्वाकांक्षा अमेरिका के कई करीबी सहयोगियों से संबंधों को खराब करने का खतरा पैदा कर रही है। वैश्विक मंच पर ट्रंप की उपस्थिति अन्य देशों के साथ उनकी शिकायतों पर अधिक केंद्रित रही।

बदलाव | केंद्र सरकार के निर्देश पर बदला गया नाम, नोटिफिकेशन जारी, उप्र में 'लोक भवन' पहले से था, इसलिए नाम रखा 'जन भवन'

यूपी में 'राजभवन' का नाम बदला, अब 'जनभवन'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में राज्यपाल के आधिकारिक आवास और कार्यालय के नाम में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। लखनऊ स्थित राजभवन को अब आधिकारिक रूप से 'जन भवन' के नाम से जाना जाएगा।

इस संबंध में राज्य सरकार ने औपचारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दिया है। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यहां पहले से ही मुख्यमंत्री का प्रशासनिक कार्यालय 'लोक भवन' के नाम से है। एक ही शहर में दो महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थानों के लिए समान नाम होने से प्रशासनिक भ्रम की आशंका थी। इसी कारण 'लोक भवन' के स्थान पर 'जन भवन' नाम को अंतिम रूप दिया गया। यह निर्णय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में लिया गया है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्यपालों एवं उप राज्यपालों के आधिकारिक आवासों के नाम अधिक जनोन्मुखी और लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप रखने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने भी 'राजभवन' का नाम बदलने का फैसला किया। अब तक 'राजभवन' के नाम से पहचाने जाने वाले राज्यपाल के आधिकारिक आवास को आगे से सभी शासकीय, प्रशासनिक और वैधानिक कार्यों में 'जन भवन' के नाम से ही संबोधित किया जाएगा। शासन स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और आने वाले समय में सरकारी पत्राचार, निमंत्रण पत्र, दस्तावेज, साइन बोर्ड और अन्य आधिकारिक संकेतकों में भी 'जन भवन' नाम का ही प्रयोग किया जाएगा। यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी।

औपनिवेशिक सोच से दूरी का प्रयास

केंद्र सरकार के इस कदम को औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों से दूरी बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गृह मंत्रालय ने राज्यपालों के एक सम्मेलन में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा था कि 'राज' शब्द ब्रिटिश शासनकाल की मानसिकता को दर्शाता है, जबकि स्वतंत्र भारत में शासन व्यवस्था जनता-केंद्रित होनी चाहिए। इसी सोच के तहत देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने यहां राजभवन के नाम बदले हैं। यूपी ने हालांकि 'लोक भवन' के बजाय 'जन भवन' नाम अपनाकर एक अलग पहचान बनाई है।

इन राज्यों में पहले ही बदला गया नाम

यूपी से पहले ही पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात और त्रिपुरा के राज भवनों के नाम बदले गए हैं। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत आठ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने औपनिवेशिक काल की पहचान मिटाने के लिए अपने राज भवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया है। लद्दाख के उप राज्यपाल के निवास-कार्यालय को अब लोक निवास कहा जाएगा। इसे पहले राज निवास कहा जाता था।

अमृत विचार

मुरादाबाद , गुरुवार, 22 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

टेक्नोलॉजी का उपयोग देश हित के लिए हो

कांठ, अमृत विचार : स्वदेशी संकल्प आत्मनिर्भरता के अवसर पर हॉवर्ड कान्वेंट स्कूल गढ़ी कांठ द्वारा विभिन्न प्रकार की स्वदेशी शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग ,क्विज कंपटीशन पत्र लेखन जैसी अनेक प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक दीपेश सिंह एवं विद्यालय प्रधानाचार्या रेनू बिश्नोई ने कहा कि स्वदेशी पोस्टर मेकिंग की भावनाओं से प्रेरित होकर हमें अपने देश का कर्तव्य निष्ठ, ईमानदार एवं कर्तव्य परायण नागरिक बनना चाहिए। इसके साथ ही हमें देश के हित में बनाई जाने वाली टेक्नोलॉजी का सदुपयोग देश हित के लिए करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

अस्पतालों में सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

मुरादाबाद, अमृत विचार : सरकारी अस्पतालों में सफाई व्यवस्था की बदहाली मरीजों और तीमारदारों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। वार्डों, गलियारों और शौचालयों में गंदगी के कारण दुर्गंध फैली रहती है। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है, खासकर बीमार और कमजोर मरीजों के लिए। लोगों का कहना है कि नियमित सफाई और निगरानी के अभाव में स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है। मरीजों के तीमारदारों ने चिकित्साधिकारियों से सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और स्वच्छता मानकों का सख्ती से पालन कराने की मांग की है।

बाजारों में जेबकतरों से सतर्क रहें

मुरादाबाद, अमृत विचार : शहर के प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जेबकतरी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। खरीदारी के दौरान लोगों का ध्यान भटकाकर शातिर चोर मोबाइल, पर्स और नकदी पर हाथ साफ कर रहे हैं। पीड़ितों का कहना है कि अधिक भीड़ के समय ऐसी घटनाएं ज्यादा सामने आती हैं। कई मामलों में शिकायत के बाद भी आरोपियों का पता नहीं चल पा रहा है। व्यापारियों और ग्राहकों ने पुलिस से बाजारों में गश्त बढ़ाने और संदिग्धों पर नजर रखने की मांग की है। लोगों को भी अपने सामान के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

संभल, अमरोहा व मुरादाबाद में गन्ना केंद्रों पर घटतौली, 29 पर कार्रवाई

जांच दलों ने चीनी मिलों से कुल 3.77 लाख रुपये जुर्माना वसूला

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : उपायुक्त चीनी के निर्देश पर मंडल स्तर के 9 अधिकारियों एवं दो अन्य जांच दलों द्वारा मुरादाबाद, संभल और अमरोहा जनपदों की चीनी मिलों के 457 केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इसमें 29 गन्ना सेंटरों पर अनियमितताएं पाई गईं, जिनमें से एक केंद्र पर गंभीर खामी मिली। जिस पर प्रधान प्रबंधक (अध्यासी) एवं तौल लिपिक पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। अन्य केंद्रों पर मिली खामियों के अनुसार भी दंडात्मक कार्रवाई की गई।

बुधवार को उपायुक्त चीनी सालोक पटेल ने बताया कि निरीक्षण दल में उप चीनी आयुक्त के साथ उप गन्ना आयुक्त, सहायक चीनी आयुक्त, जिला गन्ना अधिकारी, खांडसारी अधिकारी, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, खांडसारी निरीक्षक, सचिव तथा अन्य जांच दल शामिल रहे।

बैलवाड़ा मिल के मनकरा केंद्र का निरीक्षण करते उप चीनी आयुक्त सालोक पटेल।

अमरोहा में कार्रवाई के क्रम में देव एंड प्राइवेट लिमिटेड (ग्लेशियर), धनौरा में जमानत जब्ती के तहत प्रधान प्रबंधक (अध्यासी) पर 11 हजार तथा तौल लिपिक पर 2 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं राणा शुगर भीलवाड़ा में दो अनियमितताएं पाए जाने पर जमानत

- उपायुक्त चीनी के निर्देश पर मंडल स्तर के 9 अधिकारियों एवं दो अन्य जांच दलों ने किया निरीक्षण

जब्त कर 52 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया, जिसमें 45 हजार प्रधान प्रबंधक (अध्यासी) एवं 7 हजार तौल लिपिक से लिए गए। अमरोहा में कुल मिलाकर प्रधान प्रबंधक (अध्यासी) से 56 हजार और तौल लिपिक से 9 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

मुरादाबाद के अगवानपुर की दीवान शुगर मिल में अनियमितताएं मिलने पर जमानत जब्ती की कार्रवाई में 94 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया, जिसमें 75 हजार प्रधान प्रबंधक (अध्यासी) और 19 हजार तौल लिपिक से वसूले गए। राणा शुगर बेलवाड़ा में 9 अनियमितताएं मिलने पर जमानत जब्ती की कार्रवाई में प्रधान प्रबंधक (अध्यासी) से 1 लाख 13 हजार रुपये तथा तौल लिपिक से 2 हजार रुपये का जुर्माना लिया गया। मैसर्स त्रिवेणी इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के एक गन्ना सेंटर पर अनियमितता मिलने पर प्रधान प्रबंधक (अध्यासी) से 10 हजार और तौल लिपिक से 2 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं राणा शुगर मिल करीमगंज में मानक पूरे किए बिना संचालन पाए जाने पर जमानत जब्ती के तहत प्रधान प्रबंधक (अध्यासी) से 30 हजार तथा तौल लिपिक से 6 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

संभल में डीएसएम शुगर मिल,रजपुरा के दो गन्ना सेंटरों पर खामियां मिलने पर कुल 67 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, जिसमें 65 हजार रुपये प्रधान प्रबंधक (अध्यासी) तथा 2 हजार रुपये तौल लिपिक से वसूले गए।

ऋण चुकता होने पर भी कब्जे का आरोप एसएसपी से शिकायत

मुरादाबाद, अमृत विचार : थाना मझोला क्षेत्र में बैंक कर्मचारियों पर जबरन कब्जा और तोड़फोड़ का आरोप लगा है। पीड़ित शिवकुमार सिंह ने एसएसपी सतपाल अंतिल को शिकायती पत्र देकर बताया कि उन्होंने इलाहाबाद बैंक (अब इंडियन बैंक) से लिए गए हाउसिंग लोन की पूरी धनराशि जमा कर दी है, फिर भी उनके घर पर अवैध कब्जा किया जा रहा है।

पीड़ित के अनुसार वर्ष 2014-15 में उन्होंने कुल 11 लाख रुपये का ऋण लिया था। भुगतान न हो पाने पर बैंक ने कार्रवाई की थी, जिसके विरुद्ध मामला डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल देहरादून में विचाराधीन है। ट्रिब्यूनल के आदेश के अनुपालन में उन्होंने पूरा ऋण चुका दिया है और खातों में मात्र एक-एक रुपये का बकाया दर्शाया जा रहा है। आरोप है कि 16 जनवरी 2026 को बैंक कर्मचारी, कुछ अन्य लोग और पुलिस बल उनके घर में जबरन घुसे, तोड़फोड़ की और कब्जा कर लिया। पीड़ित का कहना है कि थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई, जिसके बाद उन्होंने एसएसपी से कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

फर्जी वीजा से इंग्लैंड पहुंचे युवक को किया गया डिपोर्ट

संवाददाता, बिलासपुर

- दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लेकर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया

अमृत विचार : एक युवक फर्जी कागजों से इंग्लैंड पहुंच गया, लेकिन वहां पकड़ा लिया गया। वहां से डिपोर्ट होकर अपने देश पहुंचा तो दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लेकर जीरो एफआईआर दर्ज कर ली। इसके बाद युवक को उसके सामान सहित स्थानीय कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। देर शाम दिल्ली पुलिस के चले जाने के बाद कोतवाली पुलिस ने युवक को हिदायत देकर छोड़ दिया।

मोहल्ला बाजार कलां में सोमवार बाजार निवासी युवक ने बीते दिनों रुद्रपुर उत्तराखंड स्थित विदेश भेजने वाली कंपनी से लाखों रुपये में वीजा वगैरह तैयार कराए थे। बीती 17 जनवरी की रात वह दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा और अगले दिन सुबह की फ्लाइट से शाम को इंग्लैंड पहुंच गया। वहां कागजातों की जांच में उसे पकड़ लिया गया। इसके बाद डिटेंशन सेंटर में रखा और 20 जनवरी को डिपोर्ट होने के बाद रात में वह दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा, जहां पुलिस ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया। बुधवार दोपहर दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल टिंकू सिंह उसे लेकर कोतवाली आए और युवक को उसके सामान सहित यहां की पुलिस को सौंप दिया। साथ ही स्थानीय पुलिस को तहरीर भी लिखकर दी। देर शाम कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए युवक व उसका सामान सौंपे जाने की बात कही। कोतवाल सिंह ने बताया कि युवक के विरुद्ध दिल्ली में जीरो एफआईआर भी दर्ज की गई है। दिल्ली पुलिस यहां भी तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई कराना चाहती थी, लेकिन कानूनी विमर्श के बाद वापस चली गई। अब जीरो एफआईआर प्राप्त होने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि युवक को सभी मूल दस्तावेज लाकर दिखाने तथा जांच में सहयोग करने की हिदायत देकर फिलहाल छोड़ दिया गया है।

टैंकर ने बाइक को रौंदा दो सगी बहनों की मौत

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- मुरादाबाद की रहने वाली थी दोनों

अमृत विचार : नौगांवा सादात थाना क्षेत्र में रिश्तेदारी से लौट रहे बाइक सवारों को तेज रफ्तार टैंकर ने टक्कर मार दी। हादसे में मुरादाबाद निवासी दो सगी बहनों की मौत हो गई। एक महिला का पति गंभीर घायल हो गया।

यह हादसा नौगांवा सादात थाना क्षेत्र के कुमखिया चौकी चौकी क्षेत्र में मुरादाबाद-नूरपुर मार्ग पर हुआ। मुरादाबाद के कांठ थाना क्षेत्र के साहूपुर गांव में नफीस अहमद का परिवार रहता है। मंगलवार को मुरादाबाद में मझौला थाना क्षेत्र के मोहल्ला करूला में रहने वाली नफीस अहमद की बेटी गुलिस्ता खातून (34) दामाद हैदर अली और दूसरी बेटी गुलफशा खातून (37) बिजनौर के नूरपुर में रिश्तेदारी में गए थे। रात को तीनों बाइक से घर लौट रहे थे। आलमपुरी गांव के पास तेज रफ्तार टैंकर के चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। हैदर अली, गुलिस्ता खातून और गुलफशा खातून गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने गुलफशा और गुलिस्ता को मृत घोषित कर दिया। जबकि हैदर अली को मुरादाबाद रेफर कर दिया है। नफीस अहमद ने थाने में तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि टैंकर के अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

रिकाउंटिंग के चलते दो पैनकार्ड मामले में नहीं हुई सुनवाई

रामपुर, अमृत विचार : सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आज़म को दो पैनकार्ड मामले में मिली सजा के खिलाफ दायर अपील पर बुधवार को बार चुनाव की रिकाउंटिंग के चलते सेशन कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। कोर्ट ने 22 जनवरी(आज) की तिथि लगाई है।

मामले में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के बीच बहस शुरू हो गई, कोर्ट ने 21 जनवरी तिथि दी थी। लेकिन चुनाव प्रक्रिया के चलते सुनवाई नहीं हो सकी। 17 नवंबर को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आज़म खां और अब्दुल्ला आजम को दो पैन कार्ड रखने के मामले में दोषी ठहराया था। तब से दोनों रामपुर जिला कारागार में बंद हैं।

जज के तबादले के विरोध में वकीलों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता,संभल/चंदौसी

चंदौसी में सीजेएम के तबादले के विरोध में प्रदर्शन करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

- एएसपी अनुज चौधरी व पुलिस कर्मियों पर मुकदमे का दिया था आदेश
- सीजेएम विभांशु सुधीर का तबादला रद्द करने की मांग नारेबाजी

अमृत विचार: संभल हिंसा मामले में अपर पुलिस अधीक्षक अनुज चौधरी समेत पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश देने वाले मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विभांशु सुधीर के तबादले के विरोध में बुधवार को चंदौसी में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। वकीलों ने नारेबाजी करते हुए तबादला निरस्त करने की मांग उठाई।

24 नवंबर 2024 को संभल में हुई हिंसा के मामले में आलम नामक युवक के पिता द्वारा दायर अर्जी पर सुनवाई करते हुए सीजेएम विभांशु सुधीर ने तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी, कोतवाल अनुज तोमर समेत 15-20 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे। इस आदेश के छठे दिन मंगलवार शाम को सीजेएम विभांशु सुधीर का तबादला सुल्तानपुर कर दिया गया। हालांकि इस आदेश में हाईकोर्ट के 13 अन्य न्यायिक अधिकारियों के तबादले भी शामिल थे। सीजेएम के तबादले से चंदौसी में अधिवक्ताओं में रोष फैल गया। बुधवार सुबह अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि विभांशु सुधीर बेहतरीन कार्य कर रहे थे और मुकदमों का तेजी से निस्तारण हो रहा था। हिंसा मामले में पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश देने के कारण ही उनका तबादला किया गया है। न्याय के हित में उनका तबादला रद्द कर उन्हें संभल में ही तैनात रखा जाना चाहिए। अधिवक्ता रोशन सिंह यादव ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से मामले का संज्ञान लेकर तबादला रद्द करने की मांग की। बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

200 किग्रा. तेल, 20 किलो नमकीन सीज

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

खाद्य पदार्थों का सैंपल लेती खाद्य विभाग की टीम। ● अमृत विचार

- मिलावट की आशंका में खाद्य विभाग की टीम ने टांडा के साप्ताहिक बाजार में चलाया अभियान

अमृत विचार : खाद्य विभाग की टीम ने टांडा के साप्ताहिक बाजार में छापामारी अभियान चलाया। इसमें मिलावट के अंदेशे में 200 किग्रा. सरसों का तेल व 20 किग्रा. नमकीन सीज की।

जिलाधिकारी के आदेशानुसार व नगर मजिस्ट्रेट रामपुर के निर्देशन में जनता को सुरक्षित खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी रोकथाम के लिए अभियान चलाया। बुधवार को सुनील कुमार शर्मा, सहायक आयुक्त खाद्य-11 व जिला अभिहीत अधिकारी के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया गया। छितारिया चौराहा, टांडा स्थित साप्ताहिक बाजार में पकौड़ी निर्माता, खाद्य तेल, मसाले, दाले विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर खाद्य सचल प्रयोगशाला द्वारा चटनी, मसाले, पकौड़ी, दालों की जांच करके आम जनता को जागरूक किया और खाद्य पदार्थो में कलर की मिलावट को रोकने का कार्य किया गया। ग्राम मिलक हाफिज वली शहपुरा टाण्डा, रामपुर स्थित खाद्य तेल एवं आटा मील के सजनीर खान पुत्र इनायत से आटा और सरसों का तेल का 1-1 नमूना लिया। गुणवत्ता के संदेह पर 200 किग्रा. सरसों का तेल सीज किया गया। दड़ियाल स्थित नमकीन निर्माता मुस्कान फूड प्रोडक्ट के मोहम्मद सादिक पुत्र गुलाम साबिर से नमकीन का 1 नमूना लेकर लगभग 20 किग्रा. नमकीन सीज की गई। सचल दल में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र सिंह कुशवाहा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार, अशोक कुमार, शहाबुद्दीन, अजरा बी मोहम्मद मौजूद रहे।

हस्तशिल्प निर्यात को ब्याज सबवेंशन योजना बहाल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- एमएसएमई निर्यातकों को मिलेगा बड़ा लाभ

अमृत विचार: हस्तशिल्प क्षेत्र की वृद्धि और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए लंबे समय से उठाई जा रही मांगों को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने एमएसएमई निर्यातकों के लिए ब्याज सबवेंशन योजना को पुनः लागू कर दिया है। आरबीआई द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार अब प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट रुपये में निर्यात ऋण पर 2.75% प्रति वर्ष की दर से ब्याज समानिकरण उपलब्ध होगा। यह लाभ केवल उन निर्यात ऋणों पर लागू होगा जो 02 जनवरी 2026 या उसके बाद स्वीकृत किए गए हैं। इस तिथि से पूर्व स्वीकृत ऋण इस योजना के दायरे में नहीं आएंगे।

मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नवेद-उर-रहमान ने इस निर्णय का स्वागत किया। कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए एमएसएमई इकाइयों को डीजीएफटी पोर्टल पर निर्यात ऋण लेने से पूर्व ऑनलाइन घोषणा दाखिल करनी होगी, जिसके बाद एक यूआईएन जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह कदम हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए अत्यंत राहतकारी है। ब्याज सबवेंशन की बहाली से एमएसएमई निर्यातकों की वित्तीय लागत में महत्वपूर्ण कमी आएगी और उन्हें वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी। मुरादाबाद का हस्तशिल्प उद्योग लाखों कारीगरों की आजीविका से जुड़ा है। ऐसे में यह निर्णय निर्यात बढ़ाने में सहायक होगा।

वसंत पंचमी: अबूझ मुहूर्त पर कम होंगी शादियां

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

दिल्ली रोड पर तैयार मां सरस्वती की प्रतिमाएं।

- शुक्र तारा अस्त होने से इस बार जनवरी में नहीं हैं शुभ मुहूर्त, 31 को होगा उदय

अमृत विचार : वसंत पंचमी को आमतौर पर विवाह के लिए अबूझ मुहूर्त माना जाता है और इस दिन शादी समारोहों को लेकर बैंक्वेट हॉल, टेंट और कैटरर्स की बुकिंग को लेकर मारामारी रहती है। लेकिन इस बार वसंत पंचमी पर शादियों की संख्या बेहद कम रहने वाली है। इसका कारण ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति को बताया जा रहा है।

ज्योतिषाचार्य पंडित पुरुषोत्तम के अनुसार, 14 दिसंबर 2025 की सुबह 7:10 बजे शुक्र तारा अस्त हो गया था। खरमास समाप्त होने के बावजूद शुक्र का उदय 31 जनवरी 2026 को होगा। ऐसे में पूरी जनवरी माह में विवाह के लिए कोई भी शुभ मुहूर्त नहीं है। उन्होंने बताया कि विवाह के लिए बृहस्पति और शुक्र को कारक ग्रह माना जाता है। शुक्र के अस्त रहने की स्थिति में विशेष रूप से विवाह जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। इसी कारण वसंत पंचमी का दिन अबूझ मुहूर्त होने के बावजूद इस बार शादियों के लिए शुभ नहीं माना जा रहा है। शुक्र उदय होने के बाद 5 फरवरी से विवाह, गृह प्रवेश, गृह निर्माण समेत अन्य शुभ कार्य दोबारा शुरू हो जाएंगे। शादियों की कमी का असर कारोबार पर भी साफ दिखाई दे रहा है। कटघर क्षेत्र के टेंट व्यापारी गौरव गुप्ता ने बताया कि इस बार जनवरी में शादी की एक भी बुकिंग नहीं आई है। फरवरी माह से शादियों की बुकिंग शुरू हुई है, जबकि बीते वर्षों में नवंबर-दिसंबर से ही जनवरी की शादियों के लिए अग्रिम बुकिंग हो जाती थी।

प्रतिमाओं की बढ़ी बिक्री

वसंत पंचमी की तैयारी तेज है। स्कूल-कॉलेजों के साथ ही संस्थान और निजी कार्यक्रमों में मां सरस्वती की पूजा की जाएगी। दिल्ली रोड, देहरी गांव, बलदेवपुरी में मां सरस्वती की प्रतिमाओं को भी अंतिम रूप दे दिया गया है। प्रतिमाओं की कीमत 200 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक है। कई लोगों ने इसकी अग्रिम बुकिंग कराई है। मूर्ति विक्रेता मनोज ने बताया कि वसंत पंचमी के लिए 20 से अधिक लोगों ने एडवांस बुकिंग कराई है।

कार्यक्रम 26 जनवरी तक उदीषा चौपाला साहित्योत्सव में पांच दिन देश भर से जुटेंगीं कला, साहित्य, संस्कृति, रंगमंच की प्रतिभाएं

सुखविंदर सिंह के गीत ' चल छैंया छैंया ' पर आज झूमेगा मुरादाबाद

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

गांधी पार्क में कार्यक्रम की तैयारी पूरी व बनाई गई जानवरों की कलाकृति।

गांधी पार्क में कार्यक्रम की तैयारी पूरी व बनाई गई जानवरों की कलाकृति।

- अभिनेता आशुतोष राणा रंगमंच और फिल्मों की संस्कृति पर देंगे जानकारी

अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल के इतिहास में पहली बार साहित्य, संस्कृति एवं बौद्धिक चेतना को समर्पित एक विशाल आयोजन उदीषाः चौपाला साहित्योत्सव आज से 26 जनवरी तक महानगर के बुद्ध विहार स्थित गांधी मैदान में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनसामान्य को विभिन्न भाषाओं के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय साहित्य से परिचित कराना, विशेषकर मंडल की समृद्ध सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं लोक परंपराओं, खान-पान तथा बौद्धिक विरासत को व्यापक मंच प्रदान करना है। साथ ही युवा पीढ़ी एवं विद्यार्थियों में साहित्य, संस्कृति एवं बौद्धिक मूल्यों के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना है। आयोजन में मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका है।

आज पहले दिन उद्घाटन के साथ ही शहर की सांस्कृतिक विरासत और कलात्मक परंपराओं पर चर्चा होगी। साथ ही शास्त्रीय और लोकप्रिय सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। स्टार नाइट में गायक सुखविंदर सिंह के गीत चल छैंया छैंया की प्रस्तुति आयोजन स्थल गांधी मैदान के दुष्यंत मंच पर होगी। रामगंगा लॉन्स में मुरादाबाद के संगीत घराने पर मॉडरेटर अंजुम शर्मा के साथ परिचर्चा होगी। मॉडरेटर व्योमेश शुक्ल के साथ रंगमंच और फिल्मों की भाषा संस्कृति पर फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा के साथ यादगार बातें होंगी। विभिन्न राज्यों की कला व संस्कृति की झलक के साथ विभिन्न लेखकों की पुस्तकें भी पुस्तक मेले में स्टॉल पर उपलब्ध होंगी।

दूसरे दिन थिएटर में यथाक्रम समूह-स्वाति गोयल और आशीष पांडेय, पूजा रावत के विचार रखेंगे। मुरादाबाद की अनूठी शैली की रामलीला का मंचन, स्टोरी टेलिंग सत्र का आयोजन होगा। दोपहर में हमारे जौन एलिया सत्र में मुंतजिर फिरोजाबादी विचार साझा करेंगे। सांस्कृतिक प्रदूषणः समस्या एवं समाधान विषय पर डॉ. सूर्यमणि रघुवंशी, सुधीर गुप्ता, राजीव चौहान और मीनाक्षी ठाकुर चर्चा करेंगे। फिर मुरादाबाद की गीत यात्राः विरासत से वर्तमान सत्र में डॉ. प्रेमवती उपाध्याय, योगेंद्र वर्मा व्योम और मयंक शर्मा शहर की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

जहां रहेगा वहीं रोशनी लुटाएगा में शेरों और गजलों का दौर

इसके बाद वसीम बरेलवी जहां रहेगा वहीं रोशनी लुटाएगा सत्र में अपने शेरों और गज़लों के माध्यम से जीवन और भावनाओं की गहराई समझाएंगे। आलोकनामा सत्र में आलोक श्रीवास्तव उपस्थित रहेंगे। हिंद का सितारा : भोजपुरी समाज और संस्कृति सत्र में मनोज तिवारी इस परंपरा की महत्ता को और प्रबल करेंगे। शास्त्रीय गायन सत्र में पं. साजन मिश्र श्रोताओं को संगीत की अनुभवगाथा से रूबरू कराएंगे। वहीं स्टार नाइट में मनोज तिवारी संगीत प्रेमियों को झूमने पर मजबूर करेंगे।

एआई व रचनात्मकता पर डाला जाएगा प्रकाश

25 जनवरी को एआई और रचनात्मकता, प्रशासन और साहित्य, मुरादाबाद की धरोहर और समकालीन सामाजिक प्रश्नों पर चर्चा होगी। इसके अलावा टेम्पल इकोनॉमिक्स पर संदीप सिंह और आचार्य प्रमोद कृष्णम अपने विचार रखेंगे। हिडेन हिंदू सत्र में अक्षत गुप्ता लोगों की समझ को नई दिशा देंगे। शाम को कव्वाली में नियाजी ब्रदर्स समां बांधेंगे। कवि सम्मेलन और मुशायरा आयोजित होगा। अंतिम दिन गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष सत्रों के साथ होगा। मुरादाबाद की धरा में सुरों का ओजस सत्र में ओजेश प्रताप सिंह प्रस्तुति देंगे। इसके बाद रंगकर्म का भविष्य : ओटीटी और माइक्रो फिल्म के दौर में अमिताभ श्रीवास्तव, अशोक पाठक और प्रमोद सिंह सहभाग करेंगे। ऑपरेशन सिंदूर : मीडिया, मिथक और जनभावनाएं पर मेजर जनरल बिपिन बख्शी, अजय सिंह (कर्नल) और अभिषेक अग्रवाल संवाद करेंगे। शाम को पुस्तकें : कितनी पास, कितनी दूर" सत्र में अलिंद माहेश्वरी और अदिति माहेश्वरी उपस्थित रहेंगे। इसके पश्चात क़लम, फूल, बंदूक : लोकप्रिय का लोक सत्र में शैलेश भारतवासी और गौतम राजऋषि चर्चा करेंगे। शाम को अपने-अपने राम में कुमार विश्वास की उपस्थिति महोत्सव को समापन की ओर ले जाएगी।

साहित्योत्सव का आयोजन शासन की मंशा के अनुसार मुरादाबाद में पहली बार साहित्य उत्सव कराया जा रहा है। आयोजन नगर निगम और जिला प्रशासन के साथ ही उदीषा की गठित समिति के सौजन्य व पूर्वांचलवासी संस्था के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों का ज्ञानार्जन है। बताया कि यह आयोजन केवल एक उत्सव न होकर युवा चेतना को दिशा देने, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का एक सामूहिक प्रयास है, जिसमें देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त साहित्यकारों, प्रकाशकों एवं विचारकों की सहभागिता होगी। मुरादाबाद सहित देश के अन्य हिस्सों के हस्तशिल्पियों की कलाकृति देखने को मिलेगी।

– आन्जनेय कुमार सिंह, मंडलायुक्त

तीसरे दिन सृजनात्मक लेखन सत्र होगा

24 जनवरी को सृजनात्मक लेखन सत्र में डॉ. मधु पंत और रश्मि मार्गदर्शन करेंगी। इसके बाद रस, रिवायत और रसोई सत्र में सदफ़ हुसैन और ईशान शर्मा श्रोताओं को सांस्कृतिक और साहित्यिक यात्रा पर ले जाएंगे। मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा के दौरान विशेषज्ञ दर्शकों को विचारों और सुझावों से लाभान्वित करेंगे। आकाशवाणी और एफएम की बदलती दुनिया, मुरादाबाद में उर्दू ग़ज़ल : कल, आज और कल, और डिजिटल युग में बाल साहित्य विषयक सत्र भी आयोजित होंगे। माटी, बोली और मानुष सत्र में कई जानी-मानी हस्तियां हिस्सा लेंगी। सोशल मीडिया और पत्रकारिता में सौरभ द्विवेदी अपने अनुभव साझा करेंगे, जबकि चेतन भगत जेन जी की कहानियों के माध्यम से युवाओं के मन की हलचल को समझाएंगे। स्टार नाइट में सोना महापात्रा अपने संगीत से दिलों की तारों को छेड़ेंगी।

बाइक की टक्कर के बाद मां-बेटे पर तीन युवकों का हमला

कुंदरकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के मोहनपुर मार्ग पर मंगलवार दोपहर बाइक सवारों के बीच टक्कर के बाद मारपीट की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। पीड़ित ने बताया कि तीन युवकों ने उसकी मां को गंभीर चोटें पहुंचाईं और धमकी दी। पुलिस ने तहरीर पर तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीड़ित अशरफ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को वह मां अनवरी को बाइक पर लेकर आवश्यक काम से जा रहे थे। दोपहर करीब 3 बजे प्याऊ के पास पीछे से तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। इससे मां को गंभीर चोटें आईं। आरोपी युवकों ने पीड़ित को पीटा और हथियार से धमकाया। घायल मां को मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

थाना कुंदरकी पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर ग्राम कुतुबपुर अज्जू के तीन युवकों यश पुत्र भूर सिंह, मोनू पुत्र लटूरी सिंह व चकित पुत्र राजपाल सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच चल रही है और जल्द गिरफ्तारी होगी।

शहर में आज

- स्वदेशी संकल्प दौड़ रामलीला मैदान लाइनपार से 11:00 बजे
- पारकर इंटर कॉलेज में पारकर जूनियर कप क्रिकेट टूर्नामेंट 11:00 बजे
- संभल के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के स्थानांतरण के विरोध में दि बार एसोसिएशन के सभागार में सभा 2:00 बजे

न्यूज ब्रीफ

नेताजी की जयंती पर कल होगा कार्यक्रम

मुरादाबाद, अमृत विचार : महान क्रांतिकारी कायस्थ रत्न नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर शुक्रवार को लाइनपार स्थित सुभाष पार्क में उनकी प्रतिमा पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा पंजीकृत की ओर से 11:30 बजे माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरित की जाएगी। महासभा के जिलाध्यक्ष डॉ. गौरव श्रीवास्तव एडवोकेट ने बताया कि आयोजन में कायस्थ महासभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

लापरवाही: कुत्तों के काटने से जा रहीं जान

सिस्टम की अनदेखी, लोगों के नुकसान व इलाज के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को बताया है जिम्मेदार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- दो दिन पहले डिलारी के काजीपुरा गांव में एक बच्ची को कुत्तों ने नोंच डाला था

अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी सड़कों पर आवारा कुत्तों का खौफ बना हुआ है। इसे लेकर सिस्टम गंभीरता नहीं दिखा रहा है। दो दिन पहले डिलारी के काजीपुरा गांव में नौशाद की बेटी को कुत्तों ने नोंच डाला था। वहीं मंगलवार को कचहरी परिसर में भी कई अधिवक्ताओं को शिकार बनाया था।

आवारा कुत्तों के हमले में लोगों को हो रहे नुकसान और इलाज के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को जिम्मेदार बताया था। इसे लेकर गंभीरता दिखाने की बात बेमानी साबित हो रही है। जिले में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में इनका आतंक कम नहीं हो रहा है। दो दिन पूर्व डिलारी के काजीपुरा में कुत्तों के हमले का शिकार एक बिटिया हुई थी।

वहीं महानगर के बीचोबीच स्थित कचहरी परिसर में भी अधिवक्ताओं को कुत्तों ने निशाना बनाया। इसके बाद भी इनकी धर पकड़ के लिए गंभीर उपाय नहीं किए जा रहे हैं। नगर निगम की ओर से यदाकदा अभियान चलाकर कुत्तों को पकड़ कर उनकी नसबंदी कराई जाती है और फिर उन्हें स्वस्थ होने पर पुराने क्षेत्र में छोड़ दिया जा रहा है। जिसके चलते कुत्तों के बंध्याकरण के बाद उनकी जनसंख्या नियंत्रित तो हो सकती है लेकिन उनके हमलों पर अंकुश का कोई उपाय तंत्र की ओर से नहीं किया जा रहा है। जिससे आए दिन लोगों को स्ट्रीट डॉग्स अपना टारगेट बना रहे हैं। हालांकि नगर आयुक्त ने निगम के कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि इन पर नियंत्रण के लिए प्रभावी रूप से अभियान चलाया जाए। बावजूद इसके बुधवार को कटघर, आशियाना फेज एक व दो के साथ ही अन्य मोहल्लों में आवारा कुत्ते झुंड में विचरण करते दिखे।

एक ही दिन में छह बच्चों को काटा

अगवानपुर, अमृत विचार : नगर में कुत्तों के आतंक से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। एक ही दिन में छह बच्चों को कुत्तों ने काट कर घायल कर दिया। घायलों को नगर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां से डॉ. शाहबुद्दीन ने जिला अस्पताल भेजा। जहां अभिभावकों ने एंटी रेबीज टीके लगवाए। पूर्व में भी चार व्यक्तियों को कुत्ते जख्मी कर चुके हैं लेकिन नगर प्रशासन चुप्पी साधे हुए हैं। लोगों ने बताया कि इनकी संख्या अनियंत्रित हो चुकी है। नगर पंचायत प्रशासन से मांग है कि इस ओर जल्द से जल्द ध्यान दें।

तीसरे दिन भी ग्रामीण दहशत में

डिलारी, अमृत विचार : गांव काजीपुरा में खूंखार कुत्तों के सक्रिय झुंड से तीसरे दिन भी दहशत बनी हुई है। सोमवार की शाम गांव निवासी नौशाद की 4 वर्षीय पुत्री बच्चों के साथ रास्ते में खेल रही थी तभी खूंखार कुत्तों के झुंड ने उसपर हमला कर घसीटते हुए तालाब के किनारे ले जाकर नोच नोच कर मार डाला था। शाम के सन्नाटे में बच्ची के चीखने चिल्लाने की आवाज दबकर रह गई। कुत्ते शव का नोच नोच कर चौथाई हिस्सा खा गए। देर शाम तक घर वापस न आने पर परिजनों ने ढूंढना शुरू किया तो तालाब के पास कुत्तों का झुंड शव खा रहे थे ग्रामीणों ने लाठी डंडे दिखाकर कुत्तों को भगाया था। आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए टीम ना आने पर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्राम प्रधान फारुख ने बताया कि खूंखार कुत्तों को पकड़ने के लिए एसडीएम ठाकुरद्वारा से मांग की है।

माता-पिता की सेवा से ही मिलती है भगवद् कृपा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- स्फटिकेश्वर महादेव मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन दिया भक्ति व संस्कार का संदेश

दीपक कृष्ण उपाध्याय।

अमृत विचार : गोविंद नगर स्थित स्फटिकेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास दीपक कृष्ण उपाध्याय ने कहा कि भगवान को कहीं दूर किसी तीर्थ स्थल पर खोजने की जरूरत नहीं है। माता-पिता ही साक्षात भगवान स्वरूप हैं और उनकी निःस्वार्थ सेवा से ही भगवत प्राप्ति संभव है।

कथाव्यास ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मनुष्य बाहरी आडंबरों में उलझकर भक्ति के मूल तत्व को भूलता जा रहा है। जबकि शास्त्रों में कहा गया है कि जिस घर में माता-पिता का सम्मान और सेवा होती है, वहां स्वयं भगवान का वास होता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता के चरणों में ही सभी तीर्थ, व्रत और तप समाहित हैं। तीसरे दिन की कथा में भक्त प्रह्लाद का प्रसंग सुनाते हुए दीपक कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि सच्ची भक्ति किसी भय या लोभ से नहीं, बल्कि निष्काम भाव से की जाती है।

प्रह्लाद ने पिता हिरण्यकश्यप के अत्याचारों के बावजूद भगवान नारायण का स्मरण नहीं छोड़ा और अंततः भगवान ने स्वयं प्रकट होकर अपने भक्त की रक्षा की। कहा कि भागवत कथा केवल कथा श्रवण का माध्यम नहीं, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने का मार्गदर्शन भी करती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आधुनिकता के साथ-साथ अपने संस्कारों को भी जीवन में अपनाएं और परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया।

आपत्तियां दाखिल कर सकते हैं मतदाता

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

एसआईआर को लेकर बैठक करते भाजपा के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- एसआईआर को लेकर भाजपा देहात विधानसभा के केसरी कुंज सेक्टर की बैठक

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से एसआईआर के संबंध में रामगंगा विहार मंडल के केसरी कुंज सेक्टर की एक बैठक बुधवार को हुई। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता राजीव गुप्ता देहात विधानसभा प्रवासी रहे।

राजीव गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में गायब और नये मतदाताओं के लिए चुनाव आयोग ने एक विशेष अभियान चलाया है। 31 जनवरी और 1 फरवरी को सभी बीएलओ बूथ पर मौजूद रहेंगे। इसमें वह मतदाता भी अपना दावे आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं जो घर पर अनुपस्थित मिलने पर मतदाता मसौदा सूची से बाहर कर दिए गए। दावे आपत्ति दर्ज करने एवं नये वोट बनवाने का सुनहरा अवसर है।

नए वोट बनवाने के लिए हमें वोटर फॉर्म वितरित कर साथ के साथ फॉर्म भरवाकर बूथ पर बीएलओ के पास जमा करना है और फार्म जमा की रसीद लेनी है। जिससे हमारे पास प्रूफ रहे कि बीएलओ को वोटर फार्म जमा कर दिया गया है। पूर्व महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी फार्म 6 भरकर अपना वोट बनवा लें। जिससे मार्च में आने वाली वोटर लिस्ट में उनका नाम शामिल हो जाए। इस दौरान मंडल अध्यक्ष विपिन प्रजापति, सेक्टर संयोजक विजेंद्र सिंह, मंडल महामंत्री मयंक कश्यप, मंडल उपाध्यक्ष विजय वर्मा, ओपी चौधरी, विशाल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ शिवसेना का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- कार्यकर्ताओं ने भ्रष्टाचार हटाओ भ्रष्ट अधिकारी भगाओ के नारे लगाकर जताया विरोध

अमृत विचार : शिवसेना जिला प्रमुख के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने भ्रष्टाचार और आर्थिक उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने भ्रष्टाचार हटाओ, भ्रष्ट अधिकारी भगाओ के नारे लगाए। जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रशासनिक अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।

जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ संगठन धरना-प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कदम नहीं उठाए गए तो शिवसेना जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के आवास के बाहर प्रदर्शन करेगी। इस दौरान कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, शिबू पांडे, राजीव राठौर, आकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते शिवसैनिक। ● अमृत विचार

कर्मचारी सशक्तिकरण से मजबूत होगी स्वास्थ्य सेवाओं की नींव

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

बेहतर प्रशिक्षण व संसाधनों से बेहतर कार्य करेंगे स्वास्थ्य कर्मी

डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव ने बताया कि जब तक स्वास्थ्य कर्मी प्रशिक्षित, प्रेरित और सशक्त नहीं होंगे तब तक किसी भी योजना का वास्तविक लाभ जनता तक नहीं पहुंच सकता। कर्मचारी सशक्तिकरण से सेवाओं की गुणवत्ता और भरोसा दोनों बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस रणनीति से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर को कम करने में भी मदद मिलेगी। बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मी जटिल परिस्थितियों में भी प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे।

- स्वास्थ्य विभाग की नई रणनीति में मानव संसाधन को दक्ष बनाने पर दिया जाएगा जोर

अमृत विचार : स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने अपनी रणनीति में कर्मचारी सशक्तिकरण (वर्कफोर्स एम्पावरमेंट) को आधार बनाया है। इसमें विभाग का फोकस स्वास्थ्य कर्मियों को केवल संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि दक्षता, प्रशिक्षण और कार्य संतुष्टि के माध्यम से सशक्त बनाने पर रहेगा, जिससे वह बदलती स्वास्थ्य जरूरतों के अनुरूप बेहतर सेवाएं दे सकें।

चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मियों, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं के लिए निरंतर क्षमता विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इनमें क्लिनिकल स्किल्स के साथ-साथ डिजिटल हेल्थ, डेटा उपयोग, आपातकालीन प्रबंधन और मरीज संवाद जैसे विषय शामिल होंगे। इससे जमीनी स्तर पर काम कर रहे स्वास्थ्य कर्मियों की कार्यकुशलता बढ़ेगी और सेवा वितरण में सुधार आएगा। चिकित्साधिकारियों के अनुसार, वर्कफोर्स एम्पावरमेंट के तहत कार्यस्थल पर अनुकूल वातावरण, समय से पदस्थापना, तर्कसंगत कार्य विभाजन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जाएगा। इससे कर्मचारियों पर कार्यभार का संतुलन बनेगा और मानसिक दबाव में कमी आएगी। इसमें तकनीक आधारित समाधान भी महत्वपूर्ण है। डिजिटल टूल्स और टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ सेवाओं को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने की योजना है। इससे स्वास्थ्य कर्मियों को विशेषज्ञों से परामर्श लेने में सुविधा होगी व मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा।

1534 निरक्षर हुए साक्षर

शिक्षा प्लस प्रोग्राम में विचार रखतीं सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- शिक्षा प्लस कार्यक्रम में सीडीओ ने दिए प्रमाण पत्र

अमृत विचार : परिवर्तन दी चेंज संस्था द्वारा शिव नाडर फाउंडेशन के शिक्षा प्रकल्प के अंतर्गत संचालित शिक्षा प्लस कार्यक्रम के तहत बुधवार को प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम जिला के मुरादाबाद ब्लॉक और छजलैट ब्लॉक में चार माह पूर्व शुरू किया गया था, जिसके अंतर्गत 1534 लर्नर्स को निरक्षर से साक्षर बनाया गया।

संस्था के अध्यक्ष कपिल कुमार ने बताया कि वर्तमान में संस्था 15 वर्ष से अधिक आयु के 2550 निरक्षर को साक्षर बनाने के लिए जिले के विभिन्न गांवों में कार्य कर रही है। इस वर्ष संस्था को 5000 लर्नर्स को साक्षर बनाने का लक्ष्य मिला है। मुख्य अतिथि सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी और विशिष्ट अतिथि शिव नाडर फाउंडेशन के शिक्षा प्रोजेक्ट निदेशक रोबिन सरकार, अडल्ट लिटरेसी हेड विजय आनंद, डॉ हरवंश दीक्षित, डॉ. विशेष गुप्ता व सरदार गुरविंदर सिंह रहे। अतिथियों ने सभी लर्नर्स को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर पंचायत सचिव आमोद चौहान, प्रधान सुनह पाल, मंजीत, सुखीराम, सेवाराम, अजय कुमार आदि शामिल रहे।

थकान व बाल झड़ना सिर्फ उम्र का असर नहीं, थायरॉइड भी हो सकता है संकेत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

पुरुष प्रजनन तंत्र को भी करता है प्रभावित

थायरॉइड हार्मोन का असर केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पुरुष प्रजनन तंत्र को भी प्रभावित करता है। हार्मोन का स्तर कम या ज्यादा होने पर शुक्राणु बनने की प्रक्रिया और यौन स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अधिक थायरॉइड हार्मोन की स्थिति में वीर्य की मात्रा कम हो सकती है, शुक्राणुओं की गुणवत्ता गिर सकती है और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने से शुक्राणु के डीएनए को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। उन्होंने सलाह दी कि जो पुरुष परिवार बढ़ाने की योजना बना रहे हैं और जिनमें बिना वजह वजन बदलना, थकान, बाल झड़ना, गर्मी या ठंड सहन न होना और तेज मूड बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दें, उन्हें थायरॉइड की जांच में देर नहीं करनी चाहिए।

- अस्पताल में चल रहा थायरॉइड जागरूकता माह, हर 10 में से एक वयस्क प्रभावित

अमृत विचार : जनवरी माह को थायरॉइड जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को इस आम लेकिन अक्सर नजरअंदाज की जाने वाली बीमारी के प्रति सचेत करना है। डॉक्टरों का कहना है कि थकान, बालों का झड़ना, वजन में अचानक बदलाव और मूड खराब रहना जैसे लक्षणों को सिर्फ तनाव, उम्र या जीवनशैली से जोड़कर नहीं टालना चाहिए, क्योंकि ये थायरॉइड की गड़बड़ी के शुरुआती संकेत भी हो सकते हैं। जिला अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार हर 10 में से लगभग एक वयस्क किसी न किसी रूप में थायरॉइड से प्रभावित है।

जिला अस्पताल में मेडिसिन विभाग की ओपीडी में डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि थायरॉइड की समस्या की शुरुआत अक्सर बहुत हल्के और सामान्य लगने वाले लक्षणों से होती है, जिस कारण मरीज समय पर जांच नहीं कराते। हाइपोथायरॉयडिज्म यानी थायरॉइड हार्मोन की कमी की स्थिति में लगातार थकान, बिना कारण वजन बढ़ना, त्वचा का रूखापन, कब्ज, बालों का झड़ना, महिलाओं में माहवारी की गड़बड़ी और उदासी या अवसाद जैसी समस्या हो सकती है।

वहीं, हाइपरथायरॉयडिज्म यानी थायरॉइड हार्मोन की अधिकता होने पर वजन तेजी से कम होना, घबराहट, हाथों का कांपना, दिल की धड़कन तेज होना, गर्मी बर्दाश्त न होना और नींद न आने जैसी शिकायतें सामने आती हैं। उन्होंने बताया कि युवा वर्ग और महिलाएं अक्सर इन लक्षणों को हार्मोनल बदलाव या व्यस्त जीवनशैली का परिणाम मानकर नजरअंदाज कर देती हैं, जिससे बीमारी बढ़ती चली जाती है।

महिला स्वच्छता सुविधाओं की कमी बनी गंभीर समस्या

मुरादाबाद, अमृत विचार : महानगर में महिलाओं के लिए स्वच्छता सुविधाओं की कमी गंभीर समस्या बनती जा रही है। सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, बस स्टैंड और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में महिलाओं के लिए पर्याप्त शौचालय और सैनिटेशन सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

जहां सुविधाएं हैं भी, वहां साफ-सफाई और सुरक्षा की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई जाती। इससे महिलाओं, छात्राओं और बुजुर्ग महिलाओं को खास परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि स्वच्छता सुविधाओं की कमी से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। शौचालय की जरूरत कभी भी महसूस हो सकती है। महिलाओं ने प्रशासन से सुरक्षित, स्वच्छ और सुलभ सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के निर्देश

हिंदी कार्यशाला में मौजूद अधिकारी व रेलवे कर्मचारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- वाणिज्य व कार्मिक शाखा के कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला आयोजित

अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल मुख्यालय पर बुधवार को अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन पारितोष गौतम के मार्गदर्शन में वाणिज्य और कार्मिक शाखा के कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला हुई। इसमें 17 कर्मचारी शामिल हुए।

कार्यशाला में सहायक कार्मिक अधिकारी सह राजभाषा अधिकारी ज्ञान प्रकाश सिंह चौहान और सहायक वाणिज्य प्रबंधक अंकित शर्मा ने कर्मचारियों को राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976 तथा रेलवे में लागू राजभाषा से संबंधित पुरस्कार योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी कर्मचारियों को समस्त कार्य हिंदी में करने का निर्देश दिया।

खेल | कव्यांश और देव की दमदार बल्लेबाजी से पारकर चैलेंजर्स को पांच विकेट से हराया

जूनियर कप में पारकर किंग्स की शानदार जीत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

टूर्नामेंट में देव को मैन ऑफ द मैच से सम्मानित करते आयोजक। ● अमृत विचार

- टूर्नामेंट में देव चुने गए मैन ऑफ द मैच

अमृत विचार : पारकर इंटर कॉलेज में आयोजित पारकर जूनियर कप के तहत बुधवार को पारकर चैलेंजर्स और पारकर किंग्स के बीच मैच खेला गया। टॉस जीतकर पारकर किंग्स ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया, जो टीम के लिए सही साबित हुआ। निर्धारित 30 ओवर के इस मुकाबले में पारकर चैलेंजर्स की टीम 27.3 ओवर में 134 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी पारकर चैलेंजर्स की शुरुआत सामान्य रही, लेकिन मध्यक्रम में नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। टीम की ओर से आर्यन तोमर ने सर्वाधिक 31 रनों की पारी खेली। उन्होंने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए टीम को संभालने का प्रयास किया। निकिता दास ने 30 रन बनाए, जबकि शुभ चौहान ने 18 रनों का योगदान दिया। अन्य बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके। पारकर किंग्स की ओर से गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ के साथ शानदार प्रदर्शन किया। आरव सिंह, अंश प्रताप और शिव ने दो-दो विकेट झटककर पारकर चैलेंजर्स की रन गति पर अंकुश लगाया। इन गेंदबाजों की कसी हुई गेंदबाजी के चलते विपक्षी टीम 150 रन के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकी।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी पारकर किंग्स की टीम ने आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया। टीम ने 17.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 135 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। सलामी और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने लक्ष्य को आसान बना दिया। कव्यांश सिसौदिया ने शानदार 41 रनों की पारी खेली और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। देव ने 40 रनों का अहम योगदान दिया, जबकि श्लोक विश्नोई ने 20 रन बनाकर जीत की राह आसान की। पारकर चैलेंजर्स की ओर से अजीत मसीह ने तीन और आरोग्य ने दो विकेट लेकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन वे टीम को हार से नहीं बचा सके। शानदार प्रदर्शन के लिए देव को मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस मौके पर हरदेव सिंह, राहुल कुमार यादव, कोच हिमांशु शर्मा, अभय कुमार, विनय, दीपक आदि मौजूद रहे।

सूरज ने दी राहत, धूप से बढ़ी चहल-पहल

बदला मौसम का मिजाज दोपहर में पार्क में खेलते बच्चे। ● अमृत विचार

जिगर कॉलोनी स्थित रामगंगा नदी के तट पर अठखेलियां करते प्रवासी पंछी।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- लोगों ने सुबह गुनगुनी धूप का लिया आनंद, शाम को फिर बढ़ गई ठिठुरन

अमृत विचार : बुधवार को सुबह से निकली धूप ने लोगों को ठंड व गलन से राहत दी। कोहरा न होने और धूप निकलने से शहर में जनजीवन सामान्य रहा। लोग सुबह धूप सेंकने के लिए घरों की छतों, पार्कों और खुले स्थानों पर पहुंच गए। बुजुर्गों के साथ ही बच्चों और महिलाओं ने धूप सेंक कर राहत पाई।

धूप निकलते ही बाजारों में भी रौनक बढ़ गई। ठंड के कारण पिछले दिनों जहां सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता था, लेकिन बुधवार को दुकानों पर चहल-पहल बढ़ी। सब्जी मंडी, कपड़ा बाजार और रोजमर्रा की जरूरतों की दुकानों पर ग्राहकों की संख्या अधिक रही। व्यापारियों का कहना है कि मौसम साफ रहने से खरीदारी बढ़ी है, जिससे राहत मिली है। हालांकि दिन चढ़ने के साथ तापमान बढ़ा। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर के समय हल्की गर्माहट महसूस हुई, जिससे लोग बिना ज्यादा ऊनी कपड़ों के भी बाहर निकलते नजर आए। हालांकि, शाम ढलते ही ठंड का असर फिर से बढ़ गया। रात के समय कई इलाकों में लोग अलाव जलाकर ठंड से बचाव करते दिखे। खासकर रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टैंड, जिला अस्पताल, प्रमुख चौराहों, बाजारों और अन्य क्षेत्रों में अलाव के सहारे लोग राहत पाने का प्रयास करते रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद , गुरुवार,22 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

मारपीट में तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कांठ, अमृत विचार : थाना कांठ के ग्राम मघपुरी इनायतपुरी निवासी मो. हसन 20 जनवरी को 10 :30 बजे सड़क पार करने के लिए खड़ा था। तभी मुरादाबाद की और से आ रही रोडवेज से गांव का ही तस्लीम उतरा और गाली गलौज करने लगा। लात घूंसो से मारपीट की। तस्लीम के पुत्र दानिश, और इब्ने हसन भी मारपीट करने लगे। गांव के लोगों ने मुश्किल से बचाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर लिया है।

अपहरण व पॉक्सो में एक और आरोपी गिरफ्तार

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : उत्तरखंड निवासी नाबालिग बालिका के अपहरण की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त अनिकेत शर्मा पुत्र राजीव शर्मा, निवासी ग्राम डिडोरी थाना मझोला मुरादाबाद को गिरफ्तार कर लिया। विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। आरोप है कि नाबालिग को अभियुक्तों द्वारा अगवा किया गया। इस प्रकरण में पूर्व में भी एक बाल अपचारी एवं एक महिला अभियुक्त की गिरफ्तारी की जा चुकी है। टीम में उपनिरीक्षक श्री किरन्त तथा कांस्टेबल राजू कुमार शामिल रहे।

स्वास्थ्य को खतरा, रात में जलाया जा रहा ई-कचरा

स्थानीय लोगों की शिकायत पर कचरा कारोबारी करते हैं झगड़ा

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

अमृत विचार : प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से ई-कचरे की भट्ठियों पर कार्रवाई की रस्म अदायगी के चलते बरवलान, लालबाग, वारसी नगर, छड़ियों का मैदान नबावपुरा, हाजी नेक की मस्जिद में ई-कचरे का बड़ा जखीरा बना हुआ है। अंधेरे में सिस्टम की अनदेखी कर जलाया जाता है।

बुधवार को कहारों का मंदिर से काली माता मंदिर को जाने वाले रास्ते पर एक दो बीघा खुले मैदान में ई- कचरा पहले दिन में सुखाया जाता है, और फिर रात को जलाया जाता है। इससे मकानों के ऊपर काला जहरीला धुआं मंडराता रहता है। इससे दमा, सांस की बीमारियां बढ़ने की आशंका से लोग चिंतित हैं। हाजी नेक की मस्जिद पर घनी आबादी के बीचों बीच

घटिया के मैदान में जलाने के लिए तैयार ई-कचरे का जखीरा। ● अमृत विचार

● दमा, सांस की बीमारियां बढ़ने की आशंका से लोग चिंतित

में गंगा किनारे बने मकानों में ई-कचरा और प्लास्टिक को बड़े पैमाने पर रात के अंधेरे में जलाया जाता है। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी कार्रवाई तो दूर यहां आकर लोगों से बात भी नहीं कर रहे हैं। मुगलपुरा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि उन्हें तो यह भी नहीं मालूम कि यहां ई-कचरा जलाया जाता है या फिर पीतल गर्म करने का काम होता है।

> प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्रवाई करता है। हाल ही कई भट्ठियों पर कार्रवाई भी की है। लेकिन लालबाग छड़ियों वाला मैदान और हाजी नेक की मस्जिद वारसी नगर में ई कचरा जलाने की खबर मिली है। जल्द ही सिटी मजिस्ट्रेट से अनुमति लेकर उनको ध्वस्त किया जाएगा। **-डीके गुप्ता,** क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

गर्भवती के पेट पर मारी लात, दो पर केस

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पानूवाला में पांच माह की गर्भवती के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने दो लोगों पर लात-घूंसों से पीटने और पेट पर लात मारने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी ।

कोतवाली क्षेत्र के गांव पानू वाला निवासी अर्शी परवीन पत्नी मोहसिन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पांच माह की गर्भवती है। 20 जनवरी को दोपहर करीब 12:30 बजे वह ननद गुलबहार के ब्यूटी पार्लर के बाहर खड़ी होकर छोटे पुत्र को चुप करा रही थी। उसी दौरान गांव के ही याकूब और खुर्शीद पहुंचे और उसके पति मोहसिन को धमकाने लगे। विरोध करने पर दोनों आरोपी आग-बबूला हो गए और उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। याकूब ने उसके पेट पर लात मारी, जिससे वह दर्द से चीख पड़ी। जिसे सुनकर ननद गुलबहार बीच-बचाव के लिए पहुंची तो आरोपियों ने उसे भी पीटा। पीड़िता द्वारा कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

सऊदी अरब में नौकरी का झांसा, 2.60 लाख ठगे

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

● युवक की तहरीर पर मामा-भांजे समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

अमृत विचार : सऊदी अरब में नौकरी दिलाने का लालच देकर एक युवक से 2.60 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर एसएसपी के आदेश के बाद कोतवाली पुलिस ने मामा-भांजे समेत तीन आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव रतूपुरा निवासी मोनिश अली ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव के ही मुजफ्फर अली और मुजाहिद ने उससे कहा कि उनका भांजा महताब अली निवासी संगम विहार दिल्ली बेरोजगार युवकों को सऊदी अरब में अच्छे वेतन पर नौकरी दिलाता है। आरोपियों ने उसे 64 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर सऊदी अरब भेजने का आश्वासन दिया।

बातों में आकर उसने 12 मई 2024 को महताब अली को गांव बुलाया। उसने सऊदी अरब भेजने में 2.60 लाख रुपये खर्च होने की बात कही। उसने जून 2024 से जुलाई 2024 के बीच अलग-अलग किस्तों में महताब के खाते में कुल 2.60 लाख रुपये जमा करा दिए।

आरोप है कि बाद में महताब अली ने उसे एक पासपोर्ट और वीजा सौंप दिया। लेकिन जब वह दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा तो वहां जांच के दौरान पासपोर्ट और वीजा को फर्जी बताया गया। ठगी का एहसास होने प आरोपियों से रुपये वापस मांगे, लेकिन उन्होंने रकम लौटाने से इंकार कर दिया।

मामले में एसएसपी के निर्देश पर कोतवाली ठाकुरद्वारा पुलिस ने मुजफ्फर अली, मुजाहिद और महताब अली के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाए।

बीसी प्वाइंट का ताला तोड़कर 1.20 लाख रुपये चोरी

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कोतवाली ठाकुरद्वारा क्षेत्र में अज्ञात चोरों द्वारा बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट (बीसी) प्वाइंट का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव करने वाला खालसा निवासी बृजेश कुमार पुत्र यशपाल सिंह ने बताया कि ग्रामीण बैंक की शाखा रामनगर खागूवाला के अंतर्गत बीसी प्वाइंट का संचालन करता है। वह मंगलवार शाम बीसी प्वाइंट बंद कर घर चला गया था। आरोप है कि अज्ञात चोरों ने रात में ताला तोड़ अंदर रखी करीब 1 लाख 20 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। सुबह जब वह अपने प्वाइंट पर पहुंचा तो ताला टूटा हुआ मिला और नकदी गायब थी। उसने कोतवाली पुलिस से अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर चोरी की घटना का खुलासा करने की मांग की है।

कोतवाली प्रभारी मनोज परमार का कहना है कि पीड़ित की तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जा रही है। कार्रवाई की जाएगी।

बिश्नोई धर्मशाला निर्माण को दिए तीन लाख रुपये

संवाददाता, कांठ

● उर्मिला देवी की पहली बरसी पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार : वैश्य विश्नोई सभा कांठ के अध्यक्ष अनिल कुमार विश्नोई ने धर्मपत्नी उर्मिला देवी की पहली बरसी पर नगर में निर्माणाधीन शिवचरण वैश्य बिश्नोई धर्मशाला को तीन लाख रुपये दान दिए।

उर्मिला देवी।

गत वर्ष 1 फरवरी को उर्मिला देवी का (62 वर्ष) का दिल्ली में उपचार के दौरान स्वर्गवास हो गया था। वह नगर के प्रतिष्ठित मिष्ठान विक्रेता एवं वैश्य विश्नोई सभा कांठ के अध्यक्ष अनिल कुमार विश्नोई की पत्नी थी। बुधवार को उनकी पहली बरसी पर लोगों ने उनके फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और प्रसाद ग्रहण किया। अनिल कुमार ने धर्मशाला के निर्माण हेतु तीन लाख रुपये नगद कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार बिश्नोई को दिए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अचल बिश्नोई, अभय कुमार बिश्नोई, महामंत्री अशोक बिश्नोई आदि उपस्थित रहे। इन लोगों ने मंदिर के निर्माण में सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। श्रद्धांजलि सभा में डॉ पंकज बिश्नोई (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन), अनुज कुमार विश्नोई, प्रियंका बिश्नोई, विनीता बिश्नोई, मुकेश माहेश्वरी, वैश्य सभा के अध्यक्ष मोहित माहेश्वरी, डॉ मो. यूसुफ, भाजपा के जिला महामंत्री राजन विश्नोई, गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष कुंवर सुरेंद्र सिंह, विकास परिषद के सुदेश बिश्नोई, व्यापार मंडल अध्यक्ष निरुपम बिश्नोई, बार एसोसिएशन महासचिव एडवोकेट दीपक बिश्नोई, सरदार रविंद्र सिंह गांधी, गुरुद्वारा अध्यक्ष सरदार कुलवंत सिंह, परिषद अध्यक्ष महेश चंद्र गुप्ता, आनंद कुमार बिश्नोई, विकास शर्मा आदि मौजूद रहे।

मेड़ के विवाद में परिवार पर हमला करने में रिपोर्ट दर्ज

कांठ, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम सदुपुरा में खेत की मेड़ को लेकर हुए विवाद में महिला और उसके परिजनों पर लाठी-डंडों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया। पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ग्राम सदुपुरा निवासी पीड़िता राजवाला ने बताया कि बीते 18 जनवरी को उनके खेत के बराबर में पास के गांव छज्जानंगला निवासी भाइयों के खेत हैं।पीड़िता राजबाला का आरोप है कि शनिवार को किसी वक्त इन्होंने उसके गेहूं के खेत की मेड़ काट दी। जब रविवार की सुबह वह अपने खेत पर पहुंचे तो मेड़ काटने का पता लगा। इस पर उसके बेटे बृजेश ने आरोपियों से मेड़ काटने की शिकायत की तो वह गालियां देते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। पीड़ित महिला का आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने अपने परिवार के कई लोगों को खेत पर बुला लिया सभी ने लाठी-डंडों से पीटा, जिससे वह तीनों घायल हो गए।पुलिस ने प्रदीप सिह, संदीप, आशीष और शिवाशं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

चोरी की घटना का खुलासा तीन बाल अपचारी गिरफ्तार

प्रभारी निरीक्षक व उप निरीक्षक का सम्मान करते व्यापारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

● व्यापारियों ने पुलिस टीम को किया सम्मानित

अमृत विचार: पुलिस ने चोरी की एक घटना का खुलासा करते हुए तीन बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 15 हजार 50 रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त एक बैग व सरिया का टुकड़ा बरामद किया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रामनगर खागूवाला निवासी अभिषेक पुत्र छुन्नू ने दुकान से चोरी होने के संबंध में कोतवाली पुलिस को तहरीर दी थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में गठित पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच करते हुए घटना का खुलासा किया। बुधवार को पुलिस ने तीन बाल अपचारियों को गिरफ्तार कर लिया।

खुलासे से खुश व्यापारियों ने कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार परमार एवं उपनिरीक्षक रजत चौधरी को माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान टीम में उपनिरीक्षक बलराम दीक्षित, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, साजिद अहमद, कांस्टेबल मोहित कुमार, निशान्त कुमार, प्रविन्द्र कुमार यश कुमार मौजूद रहे।

31 को आवास स्वीकृति पत्र, 35 दिव्यांगों को मिली ट्राईसाइकिल

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार: ब्लॉक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 31 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने 35 दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल व दो दिव्यांगों को व्हील चेयर प्रदान की। जिससे लाभार्थियों के चेहरे खुशी से दमक उठे।

विधायक ने कहा कि सरकार समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास की भावना के अनुरूप काम कर रही है। इसी सोच के तहत गरीब, महिला, दिव्यांग, वृद्ध और बीमार सहित समाज के हर वर्ग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विधायक ने 210 कार्यकर्ताओं

लाभार्थी को ट्राईसाइकिल देते विधायक रामवीर सिंह। ● अमृत विचार

● कुंदरकी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने किया वितरण

को ट्रैक सूट भी वितरित किए। इस दौरान अधिकारियों ने लाभार्थियों को योजना से जुड़ी जानकारी दी और समय पर आवास निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह, कार्यालय सहायक दिव्यांगजन बीनू यादव, मंडल अध्यक्ष कुंदरकी संजय कश्यप, मंडल अध्यक्ष रतनपुर कला बबलू जाटव, संजय दिवाकर, अरविंद ठाकुर, पंकज शर्मा, डॉ. इंद्र कुमार अग्रवाल, कुलदीप कुमार, अनमोल शर्मा, नसीम खान, इरशाद पठान, जूली सैनी, ग्राम प्रधान ढ़किया जुम्मा अब्दुल मलिक आदि मौजूद रहे।

धान बेचने के दो माह बाद भी भुगतान नहीं, किसान परेशान

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: मौढ़ी हजरतपुर स्थित सहकारी समिति पर खरीदे गए 931 क्विंटल 80 किलो धान का अब तक न तो बायोमेट्रिक सत्यापन कराया गया और न ही उनके बैंक खातों में धनराशि पहुंची, जिससे किसानों में रोष व्याप्त है।

सहकारी समिति के कर्मचारियों की लापरवाही के चलते किसानों के अंगूठे नहीं लग पाए। परिणामस्वरूप रीता देवी, लाल सिंह, दीपेंद्र सिंह, किरण देवी, अजीत, छत्रपाल, जितेश, केसर जहां, सचिन, शेर सिंह, शोप्रसाद, सुंदर सिंह, नसीम, विनोद, रमेश, सुरेश, उर्मिला, विक्रम सिंह, राम अवतार, मोहित कुमार, हरपाल सिंह, नीतू, जाहिद, जहांगीर, जाकिर हुसैन, तैयब हुसैन, इकरामुद्दीन, मोहम्मद यूनुस, रोहतास सिंह सहित कुल 34 किसानों को उनके धान का भुगतान नहीं मिल सका। किसानों ने लापरवाही और आर्थिक नुकसान की शिकायत एसडीएम कांठ संत दास पवार से की तो मामले को गंभीरता से लिया गया। इसके बाद मंडी कांठ में भी शिकायत दर्ज कराई गई। एसडीएम ने एडीएम प्रशासन को पत्र भेजकर मौढ़ी हजरतपुर सहकारी समिति पर धान खरीद दोबारा कराने की मांग की है, ताकि किसानों का बायोमेट्रिक सत्यापन कराया जा सके और लंबित भुगतान उनके बैंक खातों में भेजा जा सके।

विवाद के बाद अधिवक्ताओं का तहसीलदार के खिलाफ प्रदर्शन जारी

संवाददाता, कांठ

विरोध प्रदर्शन करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

● नारेबाजी करते हुए तहसीलदार के ट्रांसफर की मांग दोहराई

अमृत विचार : बुधवार को तहसील कांठ में तहसीलदार के खिलाफ अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, कार्य बहिष्कार और नारेबाजी जारी रहीं। अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में जुलूस निकालकर जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। साथ ही तहसीलदार के ट्रांसफर की मांग दोहराई।

पिछले दिनों अधिवक्ता मो. वकील अहमद और कांठ तहसील के निजी कर्मचारी दानिश में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। दोनों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए थे। साथी अधिवक्ता के साथ घटित मामले को लेकर जब सभी अधिवक्ता तहसीलदार के पास पहुंचे थे तो तहसीलदार से कहा सुनी के बाद गेट बंद करने से विवाद बढ़ गया। तभी से अधिवक्ताओं द्वारा तहसीलदार कोर्ट के कार्यों से बहिष्कार किया है। वह रोजाना नारेबाजी और प्रदर्शन कर रोष व्यक्त कर रहे हैं। बुधवार को भी अधिवक्ताओं ने तहसील में जुलूस निकालकर जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन करते हुए तहसीलदार के ट्रांसफर की मांग दोहराई।

इस अवसर पर तहसील बार एसोसिएशन कांठ के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा,महासचिव दीपक विश्नोई, पूर्व महासचिव चौधरी चरन सिंह ढाका, नाजिम सैफी, संजीव विश्नोई, कोमल सिंह, शहजाद रफी, कपिल विश्नोई,शीशराम सिंह, राजीव कुमार,शुभम विश्नोई, विजयवीर सिंह, सुनील कुमार, दीप विश्नोई, चरन सिंह, अजब सिंह, पुष्पेंद्र धामा, चंद्रपाल सिंह, वैभव विश्नोई, डॉ. विनीत नैन, प्रदीप कुमार, शुभम विश्नोई,जीनत परवीन, सलमान खान, अजय यादव, अतुल कुमार, बृजपाल सिंह, मौहम्मद अय्यूब, साजिद वारसी आदि भारी संख्या में अधिवक्ता रहे।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो.7906815587

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम SYYED SHABBIR MIAN से बदलकर SAYYAD SHABBIR MIYAN S/O SYED DILAWAR MIAN निवासी रामलीला ग्राउंड गौशाला के पास बेनजीरपुरा उर्फ घाटमपुर, रामपुर उ.प्र. रख लिया है। मुझे इसी नाम से जाना जाए। **सय्यद शब्बीर मियां पुत्र सय्यद दिलावर मियां निवासी मो. ग्राम रामलीला ग्राउंड नियर गौशाला बेनजीरपुरा उर्फ घाटमपुर तह. सदर जिला रामपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे हाई स्कूल वर्ष 2015 अनुक्रमांक 0702192 तथा इंटरमीडिएट वर्ष 2018 अनुक्रमांक 0630289 के प्रमाण पत्र-सह- अंकपत्र खो गए हैं। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिले। **विक्की पुत्र रोहताश केअर आफ विनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोस्ट हाथीपुर चंदू कुंदरकीमुरादाबाद**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

ऊर्जा की बचत पहली प्राथमिकता

संवाददाता, कांठ

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते एसडीओ विद्युत। ● अमृत विचार

● महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में बौद्धिक संगोष्ठी आयोजित

अमृत विचार: महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज पट्टी मौढ़ा कांठ की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन छात्र इकाई ने ग्राम मौढ़ी हजरतपुर व छात्रा इकाई ने ग्राम गुलड़िया में ऊर्जा संरक्षण के संदर्भ में जागरुकता रैली निकाली। स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर ऊर्जा संरक्षण के बारे में लोगों को जानकारी दी। स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी पदम सिंह व ऊषा सिंह के दिशा निर्देशन में कार्य किया।

इसके पश्चात दूसरे सत्र में आयोजित बौद्धिक संगोष्ठी का आरंभ मुख्य अतिथि सचिन रस्तोगी (एसडीओ विद्युत विभाग कांठ) ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण कर किया। छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में सचिन रस्तोगी ने कहा कि ऊर्जा की बचत आज हमारी पहली प्राथमिकता है क्योंकि इसी से हमारी आगामी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित है। अंत में प्रधानाचार्य मदन सिंह एवं स्वयंसेवकों ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान निशिकांत पाठक, अतवीर सिंह त्यागी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12 की छात्रा आयुषी बिश्नोई, मानवी बिश्नोई,चार्बी चौहान, भूमिका चौहान ने किया।

दुल्हन जेवर लेकर गई, मुकदमा दर्ज

कुंदरकी, अमृत विचार: कुंदरकी के मोहल्ला कायस्थान निवासी गणेश पुत्र वृजवासी सैनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी प्रियांशी थाना सैदनगली अमरोहा) से 16 नवंबर 2025 को हुई थी। आरोप है कि शादी के 5 दिन बाद प्रियांशी 30 हजार रुपये के सोने-चांदी के जेवर लेकर मायके चली गई।

पीड़ित ने बताया कि पत्नी की पहले एक शादी हो चुकी थी जो कि उससे छिपाई गई। अब लड़की पक्ष वाले पहुंचे और 3 लाख रुपये मांगने लगे। मना करने पर मारपीट की। झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। थाना कुंदरकी प्रभारी ने लड़की पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। जांच पूरी कर कार्रवाई होगी।

न्यूज डायरी

स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम की भूमिका पर डाला प्रकाश

मुरादाबाद, अमृत विचार : गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के द्वितीय चरण के अंतर्गत प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में किया गया। बुधवार को इसकी शुरुआत सामूहिक वंदे मातरम गान से हुई। केजीके महाविद्यालय की समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर ममता रानी ने वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका तथा राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को राष्ट्रगीत की पृष्ठभूमि एवं इसके रचयिता के विचारों से परिचित कराया। प्राचार्या प्रोफेसर चारु मेहरोत्रा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में देश प्रेम, एकता तथा राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर अपर्णा जोशी ने किया। प्रोफेसर अंचल गुप्ता ने सभी का आभार जताया। डॉ. अपर्णा तिवारी, डॉ. सीमा रानी एवं डॉ. मोनिका सिंह ने सहयोग किया।

प्राथमिक उपचारकर्ता का कर्तव्य समझाया

मुरादाबाद, अमृत विचार : मआईटी के सभागार में वार्डन एवं स्वयंसेवकों को क्षमता निर्माण प्रशिक्षण दिया गया। बुधवार को डिप्टी सीएमओ आरके शर्मा ने पहले सत्र में मानव शरीर की संरचना के बारे में बताया। दूसरे सत्र में सहायक उप नियंत्रक सतीश कुमार ने सामूहिक दुर्घटना के मामले में ट्राईएज पर चर्चा की। छठें दिन के अंतिम सत्र में सहायक उप नियंत्रक सतीश कुमार ने प्राथमिक उपचारकर्ता के कर्तव्य को समझाया। उपनियंत्रक नीरज चक ने सभी का आभार जताया। 23 जनवरी को होने वाले ब्लैक आउट मॉकड्रिल के क्रम में अभ्यास किया गया। हमले के बाद बचाव के तरीके बताए गए। इस दौरान डिप्टी चीफ वार्डन पंकज सक्सेना, चमन कुमार शर्मा, तुषार अग्रवाल मास्टर ट्रेनर अखिल अग्रवाल, विवेक कुमार यादव डिविजन वार्डन, मो. खालिद, अशोक कुमार गुप्ता, शरीफ अहमद, वसीम अंसारी, वसीम अख्तर, डॉ. शफीक अहमद, अनुज गुप्ता, सुभाष जैन, नरेश शर्मा आदि ने सहयोग किया।

शिविर में प्राप्त ज्ञान जीवन में अपनाएं

मुरादाबाद, अमृत विचार : अम्बिका प्रसाद इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर-2026 का सातवां एवं अंतिम बुधवार को प्राकृतिक आपदा दिवस के रुप में मना। मुख्य अतिथि डॉ. कौशल्या गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या मधुबाला त्यागी रहीं। प्रथम सत्र में स्वयंसेवकों ने प्राकृतिक आपदाओं पर जन-जागरुकता रैली निकाली। जिसे विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. मोनिका रस्तोगी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। द्वितीय सत्र में कार्यक्रम अधिकारी विजयपाल सिंह ने स्वयंसेवकों को रामगंगा नदी के तट पर ले जाकर बाढ़ के कारणों एवं प्रभावों की जानकारी दी। तृतीय सत्र में स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अंतिम सत्र में शिविर का समापन किया गया। प्रधानाचार्या डॉ.मोनिका रस्तोगी ने स्वयंसेवकों को शिविर के दौरान प्राप्त ज्ञान को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

अनुशासन से डायट प्रवक्ता प्रभावित

कांठ, अमृत विचार : डायट प्रवक्ता ने विकासखंड छजलैट के प्राथमिक विद्यालय माननगर में बच्चों का सहयोगात्मक सुपरविजन किया। इस दौरान वह छात्र- छात्राओं व विद्यालय की कार्यशैली से प्रभावित हुए। बुधवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान(डायट) के प्रवक्ता अनिल यादव ने छजलैट के प्राथमिक विद्यालय माननगर का निरीक्षण कर बच्चों का सहयोगात्मक सुपरविजन किया गया। उन्होंने स्कूल की अति सुंदर व आकर्षक परिवेश की अत्यधिक प्रशंसा की। बच्चों के अनुशासन व पूर्ण वेशभूषा में देखकर अत्यंत प्रभावित हुए। साथ ही इको क्लब के अंतर्गत विद्यालय में बनी आरोग्य वाटिका की सुंदरता देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानाध्यापिका भुवनेश कुमारी ने वाटिका से गुलाब के कुछ पौधे डायट प्रवक्ता को उपहार स्वरूप भेंट किये।

न्यूज ब्रीफ

रजा लाइब्रेरी में संगोष्ठी आज

रामपुर, अमृत विचार : रजा लाइब्रेरी के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र ने बताया कि रजा लाइब्रेरी एवं राष्ट्रीय कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस पर 22 जनवरी को संगोष्ठी होगी। संगोष्ठी का विषय विकसित भारत 2047 में युवाओं की भूमिका है। निदेशक ने बताया कि यह संगोष्ठी स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित युवाओं को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

पत्नी को घर से निकाला, तहरीर दी

संवाददाता, बिलासपुर : गांव रामनगर निवासी महिला अपने पांच बच्चों के साथ कोतवाली पहुंच गई। यहां उसने पुलिस को तहरीर सौंपकर पति के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। पत्नी ने आरोप लगाया कि उसके पति ने तीन तलाक देकर पांच बच्चों के साथ उसे घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता के अनुसार, उसका निकाह लगभग 10 वर्ष पूर्व हुआ था और उसके पांच बच्चे हैं। पति अक्सर उसके साथ मारपीट और प्रताड़ना करता है और दूसरी शादी करने की योजना बना रहा है। विवाद बढ़ने पर पति ने उसे तीन तलाक दे दिया और बच्चों समेत घर से निकाल दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि अभी मामले की जांच की जा रही है।

शादी विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत पंजीकरण करें दिव्यांग

रामपुर, अमृत विचार : जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ लेने के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। ऐसे दिव्यांगजन जिनका विवाह वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में हुआ हो, वे दिव्यांग व्यक्ति आवेदन कर सकते है। ऐसे दम्पति जिनमें पति दिव्यांग हो, को धनराशि 15,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा ऐसे दम्पति जिनमें पत्नी दिव्यांग हो उनको 20,000 रुपये की सहायता का प्रावधान है। दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ लेना चाहते है, वे दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की वेबसाइट https://divyangjan.upsdc.gov.in पर आवेदन के बाद 7 दिन के अंदर कार्यालय पहुंचें।

सहकारी ग्राम विकास बैंक चुनाव में भाजपा का दबदबा

सभी छह शाखा प्रतिनिधियों के पद पर एक-एक नामांकन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

सुरेंद्र कुक्कू।

रामौतार लोधी।

रोहताश चौहान।

अभय गुप्ता।

ओमप्रकाश सैनी।

महेश चंद्रवंशी।

अमृत विचार : जिले में उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के सभी छह शाखा प्रतिनिधियों का निर्विरोध निर्वाचन तय है। सभी छह पदों के लिए सिर्फ एक-एक नामांकन दाखिल हुआ है। नामांकन पत्रों की जांच के बाद सभी नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं। अब 27 जनवरी को औपचारिक घोषणा की जाएगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार के नेतृत्व में हुए इस पहले चुनाव में ही भाजपा का दबदबा नजर आने लगा है। वहीं निर्वाचित प्रतिनिधियों को शहर विधायक आकाश सक्सेना ने शुभकामनाएं दी हैं। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड लखनऊ के शाखा प्रतिनिधियों एवं प्रबंध कमेटियों का निर्वाचन चल रहा है। इसके लिए 20 जनवरी को नामांकन दाखिल होने थे, जिसमें रामपुर, मिलक, बिलासपुर, स्वार, शाहबाद और खौद शाखा शामिल हैं। इसमें रामपुर से रामौतार लोधी, मिलक से भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अभय गुप्ता, शाहबाद से महेश चंद्रवंशी, स्वार से रोहताश चौहान, खौद से ओमप्रकाश सैनी और बिलासपुर से सुरेन्द्र कुक्कू ने नामांकन किया था। सभी पदों पर सिर्फ एक-एक नामांकन हुआ था। बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच हुई, जिसमें नामांकन सही मिले। इस तरह सभी छह शाखा प्रतिनिधियों का निर्विरोध निर्वाचन तय है।

हरीश गंगवार के भाजपा जिलाध्यक्ष बनने के बाद यह पहला चुनाव हुआ है, जिसमें भाजपा की विराट जीत तय हुई है। जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने बताया कि सभी छह शाखा प्रतिनिधियों के पदों पर भाजपा समर्थित प्रत्याशियों का निर्विरोध चुना जाना, जिले की सहकारी संस्थाओं में पार्टी की संगठनात्मक मजबूती को दर्शाता है।

रात्रि अभियान में 1428 वाहनों की जांच की

रामपुर, अमृत विचार : अवैध उप-खनिज खनन, ओवरलोडिंग एवं अनधिकृत परिवहन जैसी गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सख्त एवं निरंतर प्रवर्तन कार्रवाई जारी है। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार सभी तहसीलों के प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर कुल 10 चेक प्वाइंट स्थापित कर रात 8 बजे से प्रातः 7 बजे तक रात्रिकालीन सघन जांच अभियान चलाया गया। विशेष अभियान के अंतर्गत प्रशासन, पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा कुल 1428 वाहनों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान वाहनों के वैध अभिलेखों, भार क्षमता, परिवहन अनुमति पत्रों तथा नियमों की बारीकी से पड़ताल की गई। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया कि अवैध खनन, ओवरलोडिंग एवं अनधिकृत परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कठोर कार्रवाई की जा रही है। जन सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं राजस्व हितों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सिंथेटिक मैदान पर खिलाड़ी दिखाएंगे दम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- 22 लाख से बन रहे बास्केटबॉल, लान टेनिस और पिकल बॉल मैदान

अमृत विचार : बमनपुरी स्थित शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम में 22 लाख रुपये की लागत से सिंथेटिक बास्केटबॉल, लान टेनिस और पिकल कोर्ट तैयार कराया जा रहा है। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि यह ग्राउंड एक माह में तैयार हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले में सिंथेटिक पिकल कोर्ट कहीं नहीं बना है। इससे खेलों को बढ़ावा मिलेगा।

स्टेडियम में इससे पहले बास्केटबाल और लान टेनिस के सीमेंटेड कोर्ट बने हुए थे। जिसमें अक्सर पांव स्लिप होने पर खिलाड़ियों को चोट लग जाती थी। लेकिन, अब सिंथेटिक कोर्ट बनने से खिलाड़ी चोटिल नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि लान टेनिस, बास्केटबॉल और पकल बॉल कोर्ट का पुनर्स्थापना का कार्य कार्यदायी संस्था अधिशासी अभियंता निर्माण खंड-3 यूपीएसआईसी द्वारा कराया जा रहा है। सिंथेटिक बास्केटबाल का कोर्ट, सिन्थेटिक लान टेनिस का कोर्ट और सिन्थेटिक लॉन टेनिस का कोर्ट एक माह में बनकर तैयार हो जाएगा और खिलाड़ी सिंथेटिक कोर्ट में खेल सकेंगे।

प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि शीघ्र ही बमनपुरी स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक भी बनवाया जाएगा।

24 को होगी ओपन कबड्डी प्रतियोगिता

प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि यूपी दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को बमनपुरी स्थित शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम पर कबड्डी प्रतियोगिता होगी। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि कबड्डी प्रतियोगिता जिला प्रशासन और खेल निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में कराई जाएगी।

प्रधान के पुत्र को घायल करने में रिपोर्ट

बिलासपुर : थाना खजुरिया क्षेत्र के गांव अहरो गांव के प्रधान पुत्र परवेज खां के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर उन्हें गंभीर घायल कर दिया था। थाने में हमलावर पिता-पुत्र के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

घटना मंगलवार दोपहर एक बजे की है। अहरो गांव निवासी परवेज खां ग्राम प्रधान नन्ही बेगम के पुत्र व उनके प्रतिनिधि भी हैं। वह गांव में लगने वाली साप्ताहिक पैठ में घर के लिए सब्जी खरीदने गए थे। वहां किसी बात पर गांव के राशिद व इमरान में मारपीट हो रही थी। प्रधान पुत्र ने जब बीच-बचाव कराने की कोशिश की, तो इमरान व उसके पिता जमील ने परवेज पर ही हमला कर दिया। इमरान ने हथियार से सिर पर चोट मारी। इसके बाद आरोपी पिता-पुत्र जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए। घायल प्रधान पुत्र को उपचार के लिए चिकित्सक के पास ले जाया गया। थानाध्यक्ष पंकज पंत ने बताया कि परवेज की तहरीर पर अहरो गांव निवासी इमरान व उसके पिता जमील के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। घायल का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। विवेचना के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांग को डीएम व सीडीओ ने दी व्हीलचेयर

रामपुर, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में जनता दर्शन में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र ने मोहल्ला घेर आजम खां निवासी 7 वर्षीय दिव्यांग बालिका आलिया को व्हीलचेयर दी।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाना है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता दर्शन कार्यक्रम आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम है, जिसके माध्यम से जरूरतमंदों को सीधे सहायता दी जा रही है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी जंगबहादुर यादव, नगर मजिस्ट्रेट सालिग राम, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रतिभा पाल सहित अन्य विभागों अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मतदाता जागरुकता प्रतियोगिता में अनहुम खान रही प्रथम

जीआईसी टांडा में मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता ● अमृत विचार

टांडा, अमृत विचार : राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज टांडा में तहसील स्तरीय मेहंदी और भाषण प्रतियोगिता हुई। सुभाष स्मारक इंटर कॉलेज खाड़ीखेड़ा की 10वीं की छात्रा अनहुम खान ने प्रथम स्थान पर रहीं।

राजकीय इंटर कॉलेज टांडा, राजकीय इंटर कॉलेज बादली, राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज टांडा और सुभाष स्मारक इंटर कॉलेज खाड़ीखेड़ा के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य युवाओं को मतदान के महत्व से अवगत कराना और उन्हें लोकतंत्र में भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। आयोजन के दौरान मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने वोट की अपील की, जिसमें सुभाष स्मारक इंटर कॉलेज खाड़ीखेड़ा की 10वीं की छात्रा अनहुम खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में अपनी ओजस्वी वाणी से मतदाताओं को जागरूक करने वाले राजकीय इंटर कॉलेज टांडा के कक्षा 11 के छात्र अभिनव राव प्रथम स्थान पर रहे।

रजा इंटर कॉलेज में आज लगेगी प्रदर्शनी

अमृत विचार, रामपुर : राजकीय रजा इंटर कालेज में 22 जनवरी को जनपद स्तरीय नवप्रवर्तन विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी लगेगी। समन्वयक डॉ. सोमपाल सिंह ने बताया कि हथकरघा, इंजीनियर, विभिन्न उद्योग, हुनरमंद, शिक्षित और अशिक्षित व्यक्ति, शिल्पकार, किसान, मजदूर, मैकेनिक, और विद्यार्थी अपना मॉडल बनाकर लाएंगे। ग्रामीण कृषि के औजार, कृषि की दवाई या मनुष्य एवं जानवरों की दवाई, बीज की किस्म, कोई भी व्यापार की नवीन तकनीक, विद्युत एवं मोटर द्वारा कोई नवीन कार्य, यातायात में सुधार की तकनीक और हरित गृह आदि विभिन्न मॉडल इस प्रदर्शनी में प्रतिभाग करेंगे। मॉडल प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 8000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार पाने वाले को 5000 रुपये तृतीय स्थान पाने वाले को 3000 रुपये के अलावा पांच पुरस्कार दो-दो हजार रुपये पुरस्कार दिया जाएगा।

दिनभर रही धूप, बारिश का अनुमान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: पिछले तीन दिन से धूप खिलने से मौसम में परिवर्तन आ रहा है। सुबह से धूप खिलने पर मौसम खुशगवार हो गया। सड़कों पर वाहनों ने फर्राटा भरा और गंतव्य तक समय से पहुंचे। बच्चों ने धूप निकलने पर पार्कों और घरों में खूब मस्ती की। पूरे दिन लोगों ने जाड़ों की गुनगुनी धूप का लुत्फ लिया।

सुबह को अधिकतम तापमान 19 डिग्री और शाम को पारा लुढ़क कर 14 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। मौसम वैज्ञानिक की माने तो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान है। दिन से धूप खिलने से लोगों को सर्दी से काफी राहत मिली। हालांकि शाम ढले सर्दी बढ़ गई। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 22 और 23 जनवरी को गरज चमक के साथ मध्यम वर्षा की संभावना है। जनवरी माह में तीसरे सप्ताह में मौसम ने करवट ली है। लेकिन, मौसम वैज्ञानिक वर्षा के बाद तापमान में हल्की गिरावट के साथ मौसम शुष्क रहने का अनुमान जता रहे हैं।

बुधवार को सुबह से ही मौसम खिला रहा और लोगों ने पूरे दिन जाड़ों की गुनगुनी धूप का लुत्फ लिया। बच्चों और बड़ों ने घर की छतों, पार्कों आदि में बैठकर खूब धूप सेंकी। धूप निकलने पर बच्चों ने भी खूब मस्ती की। पिछले तीन दिन से हो रही कड़ाके की सर्दी के कारण बच्चों को घरों से निकलने नहीं दिया जा रहा था।

स्कूल में छुट्टी के बाद बच्चों ने क्रिकेट, हॉकी और फुटबॉल खूब खेला। हालांकि, शाम ढले पारा लुढ़क गया और शीतलहर चलने लगी। शीतलहर चलने के कारण लोग घरों में दुबक गए और रेलवे स्टेशन, रोडवेज, हाईवे पर लोगों ने अलाव के आसपास बैठकर सर्दी को दूर किया।

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण 22 व 23 जनवरी को गरज चमक व मध्यम हवा के साथ हल्के से मध्यम वर्षा की संभावना है। जिसकी तीव्रता 23 जानवरी को अधिक रहेगी। लगातार 2 माह से अधिक समय से मौसम शुष्क रहने के बाद वर्षा की संभावना बन रही है जो सभी प्रकार के खड़ी फसल के लिए लाभकारी होगी। उसके बाद तापमान में हल्की गिरावट के साथ मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

– डॉ. उदय प्रताप शाही, मौसम वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय मेरठ।

हाल-ए-मौसम

अधिकतम तापमान	14 डिग्री से.
न्यूनतम तापमान	8 डिग्री से.
आद्रता	60 प्रतिशत
वायु वेग	11 किमी. प्रति घंटा

जिला अस्पताल के शिविर में 18 लोगों ने किया रक्तदान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

शिविर में रक्तदान करते रक्तदाता।

अमृत विचार : संस्था समर्पण एक प्रयास द्वारा जिला अस्पताल में पूर्वाह्न 11 बजे रक्तदान शिविर का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बृजेश चंद्र सक्सेना ने फीता काटकर उद्घाटन किया। शिविर में 18 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। संस्था के अध्यक्ष सुमित अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान जान बचाता है।

शिविर में सुरभि रस्तोगी ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के लिए जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकती है। रक्तदान करने से किसी की भी जिंदगी बचाई जा सकती है, इसलिए हर सक्षम व्यक्ति को आगे आना चाहिए। शिविर ने न केवल रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए राहत का काम किया बल्कि, समाज को यह संदेश भी दिया कि इच्छाशक्ति से बड़ी सेवा की जा सकती है। संस्था ने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया। संजय अग्रवाल, नवदीप रस्तोगी, रोहित अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, चंदन रस्तोगी, विपुल ठाकुर, गौरव जैन आदि मौजूद रहे।

मंगल बाजार में चौराहे पर टूटे स्लैब से परेशानी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

टूटे स्लैब में फंसा कार का पहिया।

अमृत विचार : शहर के मोहल्ला पुराना गंज स्थित मंगल की बाजार के मुख्य चौराहे पर एक माह से टूटी पड़ी पुलिया पर आएदिन हादसे हो रहे हैं। सफाई कर्मचारियों ने पुलिया की सफाई के लिए स्लैब तोड़ दिए थे जोकि, अब तक दुरुस्त नहीं कराए गए हैं। टूटी पुलिया में वाहनों के पहिए फंस जाते हैं और रात में अक्सर बाइक सवारों की बाइक इसमें गिर जाती है।

मोहल्ला पुराना गंज मंगल की बाजार में मुख्य चौराहे पर नाला सफाई के लिए नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा पुलिया को तोड़कर सफाई की गई थी। एक माह पहले हुई सफाई के बाद पुलिया को खुला छोड़ दिया गया। पुलिया के दोनों साइड ठेले लगे होने से लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है। लगातार घना कोहरा भी रहता है, गुरुवार को जगह न मिलने के कारण कार का पहिया गड्ढे में फंस गया। गनीमत रही कि कोई चोटिल नहीं हुआ हालांकि, कार क्षतिग्रस्त हो गई। लोगों की मदद से कार का पहिया गड्ढे से बाहर निकाला गया। लोगों का कहना है कि मुख्य चौराहे पर पुलिया सफाई होने के बाद स्लैब नहीं रखे जाने से आए दिन हादसे हो रहे हैं।

नगर पालिका कर्मचारियों ने पुलिया की सफाई के लिए स्लैब हटवाया था। पुलिया की सफाई हुए करीब एक माह बीत चुका है लेकिन, खुली पुलिया पर पत्थर नहीं रखा गया है। जिसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं।

– राहुल

पुराना गंज में पत्थर टूटा होने के कारण घने कोहरे में हादसे हो रहे हैं। नगर पालिका अधिकारियों को इसकी परवाह नहीं है। पुलिया की सफाई होने के बाद पत्थर नहीं ढका गया जिसके कारण राहगीरों को परेशानी हो रही है।

– सोमपाल

नगर पालिका के अधिकारी बदहाल सड़कों और टूटे स्लैब की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मुख्य चौराहे पर पत्थर टूटा हुआ है लेकिन, अधिकारियों ने सुध नहीं ली है। पत्थर रखा नहीं होने के कारण वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

– रविंद्र गुप्ता

शहर के मोहल्ला पुराना गंज में मंगल की बाजार के मुख्य चौराहे पर स्लैब टूटा हुआ है। नगर पालिका कर्मचारियों ने पुलिया की सफाई की थी। पुलिया की सफाई किए करीब एक माह गुजर चुका है लेकिन, स्लैब नहीं रखा गया है।

– अजय गुप्ता

सख्ती के बाद भी नो एंटी में दौड़ रहे भारी वाहन

संवाददाता, स्वार

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र में जिला प्रशासन की सख्ती के बावजूद भारी वाहनों का आवागमन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। नो एंट्री के बाद भी खनन के व अन्य भारी वाहन बेखौफ होकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इससे बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

गौरतलब है कि करीब डेढ़ सप्ताह पहले तहसील क्षेत्र के गांव बिजारखाता में खनन सामग्री से भरे भारी वाहन की चपेट में आने से बालक की मौत हो गई थी। इसके बाद जिलाधिकारी ने क्षेत्र में भारी वाहनों के आवागमन पर पूर्ण रूप से नो एंट्री लागू करने के निर्देश दिए थे ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। इसके बावजूद जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। खनन सामग्री से लदे डंपर व अन्य भारी वाहन दिन रात मुख्य मार्गों और बेतरतीब तरीके से दौड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन जिलाधिकारी के आदेशों को गंभीरता से लागू नहीं कर रहा है। कई स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी के बावजूद भारी वाहन बिना रोक टोक गुजरते देखे जा रहे हैं। ग्रामीणों में इसको लेकर भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो किसी और मासूम की जान जा सकती है। वहीं, सवाल यह भी उठ रहा है कि जब जिलाधिकारी के स्पष्ट आदेश हैं, तो फिर पुलिस प्रशासन किस दबाव में कार्रवाई से बच रहा है।

परेशानी जाम में फंस जाती हैं एंबुलेंस, मरीज की जान पर बन आती है, व्यापारी भी बैठक में उठा चुके हैं जाम का मुद्दा

शहर में हर ओर जाम ही जाम, लोगों का निकलना दुश्वार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

शहर के बाजार नसरुल्लाह खां में ई रिक्शाओं के कारण लगा जाम।

अमृत विचार: शहर के मुख्य बाजारों में जाम से पार पाना लोगों के लिए सिरदर्द बना हुआ है। बाजार नसरुल्लाह खां, पुराना गंज, मिस्टन गंज, बर्तन बाजार और सफदरगंज बाजार में रुक-रुक कर जाम लगना रोजमर्रा की बात है जबकि, चौराहों पर तैनात पुलिसकर्मी मोबाइल में उलझे रहते हैं। जाम में फंसकर एंबुलेंस में लेटे मरीज की जान पर बन आती है।

सर्वाधिक जाम मिस्टन गंज, सफदरगंज और पुराना गंज में लगता है। सुबह से शाम तक यह क्षेत्र जाम की गिरफ्त में रहते हैं। जिसके कारण लोगों का निकलना दुश्वार हो जाता है। दोपहर में स्थित और भी ज्यादा विकराल रूप ले लेती है। दूर-दूर तक बेतरतीब ई रिक्शा चालक, साइकिल, बाइक, श्री व्हीलर, पैडल रिक्शाएं आमने-सामने आ जाती हैं। काफी देर तक लोग जाम में फंसे रह जाते हैं। इसके अलावा स्कूल की छुट्टी होने पर छोटे-छोटे बच्चे जाम में फंसकर हलकान हो जाते हैं। इस मुद्दे को मंगलवार को पुलिस लाइन में हुई व्यापारी नेताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच हुई बैठक में भी जाम का मुद्दा गूंजा था।

जाम का कारण ई-रिक्शा चालकों की मनमानी

जाम का बड़ा कारण ई रिक्शा चालकों में ट्रैफिक सेंस नहीं होना है। सड़क के किनारे सवारी को देखकर वह तुरंत ही ब्रेक लगा देते हैं जिसके कारण पीछे चलने वाले वाहन ई रिक्शा में घुस जाते हैं। इसके बाद सवारी को खड़ा देखकर दूसरी ओर से दूसरे ई रिक्शा चालक दौड़ पड़ते हैं और रास्ते पर जाम लग जाता है। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस के नहीं होने से भी जाम की स्थिति बनी रहती है। किसी भी चौराहे पर ट्रैफिक सिपाही ट्रैफिक को कंट्रोल नहीं करते। इस कारण भी जाम की स्थिति बनी रहती है।

शहर के बाजार मिस्टन गंज, हामिद गेट, चाकू बाजार, बर्तन बाजार और सफदरगंज में लोग पूरे दिन जाम जूझते रहते हैं। ई-रिक्शा वालों के कारण बाजारों में जाम लगा रहता है।

– शमशेर

राहे रजा पर स्कूलों में छुट्टी होने के बाद जाम लग जाता है। जिसके कारण बच्चों के वाहन जाम में फंस जाते हैं। टू लेन होने के बावजूद राहे रजा पर जाम लगना आम बात हो गया है।

– तौकीर अहमद

जाम से हर खासो-आम परेशान रहता है। एंबुलेंस और अधिकारियों के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। हूटर बजाने के बावजूद ई रिक्शा चालक मरीज को ले जा रहे एंबुलेंस को रास्ता नहीं देते हैं।

– नाजिम अंसारी

शहर की संकरी सड़कें हैं और उन सड़कों पर स्कूल की बसें चलती हैं। जिसके कारण दोपहर को पूरा शहर जाम की चपेट में आ जाता है। स्कूल बसों की जगह छोटे वाहन चलाए जाएं।

– दीपक सागर

भाकियू अराजनैतिक ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

नगर पालिका परिसर में प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारी व कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह गंगवार के नेतृत्व में जिला कार्यालय पर एकत्रित हुए। उसके बाद नारेबाजी करते हुए नगर पालिका का घेराव कर प्रदर्शन किया प्रदर्शन के दौरान टचिंग ग्राउंड के आसपास के निवासियों ने जिलाध्यक्ष को अवगत कराया।

नगर पालिका द्वारा बमनपुरी में टचिंग ग्राउंड में कचरा डाला जाता है, जिसमें आएदिन आग लग जाती है और सांस लेने में बहुत दिक्कत होती है। उसमें बहुत जहरीला धुआं निकलता है, जिसे लोगों को बीमारी भी हो सकती है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि हम समस्या का समाधान प्रशासन द्वारा कराएंगे। जिलाध्यक्ष नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के पास पहुंचे और टचिंग ग्राउंड के आसपास की जनता को गंदगी व धुएं से निजात दिलाने को कहा है। उन्होंने कहा कि कचरा घर शहर से बाहर चले जाएंगे। जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह गंगवाल ने कहा कि अगर हमारी समस्या का समाधान 6 महीने के अंदर समाधान नहीं हुआ तो हम धरना प्रदर्शन कर नगर पालिका की ताला बंदी करेंगे। अनिश्चितकालीन धरना देंगे। इस मौके पर फूल सिंह गंगवार, फरीद खां, रामपाल पटेल, बाबर खां, शहीद खां, मोहम्मद शादाब, इरफान अली, अब्दुल रज्जाक खान, मुताहिर खान, अवतार सिंह, सुनील मौर्य, सुशील शर्मा, सन्नी सिंह, मुशीब अली खान व अन्य लोग मौजूद रहे।

- बमनपुरी में कूड़े डालने और आग लगने के मामले में दिया ज्ञापन

इस धुएं से हमारे जिला संगठन मंत्री फरीद खान की भी हालत बिगड़ गई। इसके बाद नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने आश्वासन दिया कि हम इस समस्या का समाधान करवाएंगे। ईओ ने कि हमारा कचरे डालने के लिए प्रोजेक्ट शहजाद नगर में बन रहा है। काम भी चालू होने वाला है जगह भी चिह्नित कर ली गई है। 6 महीने के अंदर अंदर ट्रंचिंग ग्राउंड व तोप खाना दोनों

अमृत विचार

मुरादाबाद, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

आज बंद रहेगी रामपुर रोड बरेली रोड का करें प्रयोग

हल्द्वानी/रुद्रपुर, अमृत विचार: टांडा रेलवे फाटक की मरम्मत के चलते आज रामपुर रोड पर रुद्रपुर और हल्द्वानी के बीच वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। ऐसे में हल्द्वानी से रुद्रपुर और रुद्रपुर से हल्द्वानी आने-जाने वाले लोगों को रामपुर रोड के बजाय बरेली रोड का प्रयोग करना होगा। हालांकि इसका रेल यातायात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

हल्द्वानी पुलिस के मुताबिक, 22 जनवरी को सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक छतरपुर-हल्दी रोड रेलवे स्टेशनों के मध्य रुद्रपुर-हल्द्वानी मार्ग पर स्थित रेलवे फाटक के मरम्मत का कार्य होगा। रामपुर रोड पर सुबह 7:30 बजे से रात्रित 8:30 बजे तक डायवर्जन प्लान लागू रहेगा। हल्द्वानी से रामपुर रोड होते हुए रुद्रपुर की ओर जाने वाले सभी प्रकार के दोपहिया, चौपहिया, रोडवेज और निजी बसें सिंधी चौराहा से डायवर्ट होकर बरेली रोड होते हुए लालकुआं से किच्छा नगला बाईपास होते हुए जाएंगे। एसटीएच की ओर से रामपुर रोड होते हुए रुद्रपुर की ओर जाने वाले वाहन टीपीनगर से शीतल होटल, गन्ना सेंटर से डायवर्ट होकर लालकुआं से किच्छा नगला बाईपास होते हुए जाएंगे।

मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को भेजा ज्ञापन, संघर्ष का किया ऐलान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कांग्रेसियों ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण तथा अहिल्याबाई होल्कर की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के अपमान के विरोध में प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी रामपुर के संयुक्त तत्वावधान में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया।

कलेक्ट्रेट में बुधवार को कांग्रेसी एकत्रित हुए और परिसर में नारेबाजी कर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद पूर्व विधायक संजय कपूर ने कहा कि मणिकर्णिका घाट केवल ईंट-पत्थरों की संरचना नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, सनातन संस्कृति और मोक्ष परंपरा का जीवंत प्रतीक है। भाजपा सरकार द्वारा बिना

● कांग्रेसियों ने राज्य सरकार को बताया असंवेदनशील

जन-संवाद, बिना इतिहासकारों और धर्माचार्यों से परामर्श किए किया गया ध्वस्तीकरण, सीधा-सीधा हमारी आस्था और सांस्कृतिक विरासत पर हमला है। अहिल्याबाई होल्कर जैसी महान शासिका की स्मृतियों और उनके द्वारा संरक्षित धरोहर का अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। कांग्रेस इस अन्याय के विरुद्ध सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। जिलाध्यक्ष निक्कू पंडित ने कहा कि मणिकर्णिका घाट सनातन धर्म, मोक्ष परंपरा और भारत की प्राचीन सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। बिना विशेषज्ञों की राय और धार्मिक संस्थाओं से विचार-विमर्श किए किया गया यह कृत्य असंवेदनशील, लोकतांत्रिक और निंदनीय है। शहराध्यक्ष बाकर अली खां ने कहा कि भाजपा सरकार के विरासत संरक्षण के दावे केवल दिखावा हैं।

अगर विकास के नाम पर इतिहास और आस्था को कुचला जाएगा, तो कांग्रेस इसका हर स्तर पर विरोध करेगी। धरना प्रदर्शन करने वालों में जिला उपाध्यक्ष साहिर रजा खां, एसके अग्रवाल, नोमान मुमताज खान, दुर्गेश मौर्य, चितरंजन प्रसाद, शारिब अली खां, जमील मियां, आरिफ अल्वी, मोहम्मद जकी, राजेश कुमार लोधी, भूरा खां, जिवेन्द्र गंगवार, कपिल चौधरी, कौशल सक्सेना, राजीव आर्य, बद्री प्रसाद मौर्य, सरदार गुरबाज सिंह, मोहम्मद रफी, मोहसिन अंसारी, मोहम्मद इरफान, मोइन पठान आदि शामिल रहे।

युवती से दुष्कर्म का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, मिलक : कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी युवती ने कोतवाली में तहरीर देते हुए युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। युवती ने बताया कि सोशल मीडिया पर गांव निवासी युवक ने उससे बातचीत करना शुरू किया था।

17 जुलाई 2025 को आरोपी द्वारा उसे शादी का झांसा देकर इंस्टाग्राम पर मैसेज किया और घर आने को कहा। मना करने पर वह घर आ गया और मरने की बात करने लगा। जिसके भय से वह उसके घर चली गई। जहां उसने दुष्कर्म किया। अगले दिन सुबह पीड़िता ने घटना मां को बताई। जिस पर शिकायत लेकर वह और उसकी मां आरोपी के घर गई तो ग्रामीणों ने समझौता करा दिया। आरोप है कि बाद में उसकी मां 17 जनवरी को आरोपी के घर फिर गई तो उसके पिता ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया, अपनी पत्नी के साथ मिलकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। साथ ही उससे निकाह के लिए मना कर दिया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली।

एसपी ने कोतवाली टांडा का किया वार्षिक निरीक्षण

संवाददाता, टांडा

अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र द्वारा कोतवाली टांडा का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान गोष्ठी का आयोजन कर यक्ष एप की भी चर्चा की गई। एसपी ने माल निस्तारण और अपराध नियंत्रण की दिशा में टांडा पुलिस के प्रयासों की सराहना की।

बुधवार को एसपी विद्या सागर मिश्र ने कोतवाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना कार्यालय पर बने अपराध, त्योहार, मालखाना, विवेचना रजिस्टर, फ्लाई शीट आदि एवं उनके रख-रखाव, साफ-सफाई, उनमें अंकित की जाने वाली प्रविष्टियों को चेक किया गया। थाना परिसर में बने कार्यालय, मालखाना, हवालात, कम्प्यूटर कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर सेल आदि की साफ-सफाई को लेकर संबंधित निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद एसपी ने थाना परिसर में पुलिसकर्मियों के साथ गोष्ठी भी की। बैठक में उन्होंने कर्मचारियों की व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याओं को सुना और उनके निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान एसपी ने यक्ष ऐप के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पुलिसकर्मियों को इस ऐप की गतिविधियों और कार्यप्रणाली की जानकारी दी, जो पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगा। एसपी विद्या सागर मिश्र ने कहा कि टांडा पुलिस का माल निस्तारण और अपराध नियंत्रण में प्रदर्शन सराहनीय रहा है। उनके साथ कीर्तिनिधि आनंद क्षेत्राधिकारी टांडा, संदीप मिश्रा इंस्पेक्टर टांडा, अपराध निरीक्षक आदि रहे।

मदरसा परीक्षार्थियों को आज मिलेंगे प्रवेश पत्र

रामपुर, अमृत विचार : जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत ने बताया कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित 2026 की मुंशी, मौलवी, आलिम की बोर्ड परीक्षाओं के लिए परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र, उपस्थिति पत्रक एवं डेस्क स्लिप 22 जनवरी तक जारी किए जाएंगे। बताया कि परीक्षा केंद्रों पहुंचकर अभ्यर्थी अपना-अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर लें।

अवैध रूप से की जा रही प्लाटिंग पर चली जेसीबी

संवाददाता, मिलक

● पुलिस की मौजूदगी से किसी ने नहीं किया विरोध

अमृत विचार : बिना मानकों के की जा रही अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन द्वारा बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। वहीं खरीदे गए प्लाट स्वामियों का कहना है कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से पहले उनको किसी प्रकार का नोटिस जारी नहीं किया गया।

बुधवार को तहसील प्रशासन पुलिस बल के साथ क्षेत्र के भैसोड़ी गांव पहुंचे, जहां रोड किनारे की गई लगभग 150 हेक्टेयर अवैध प्लाटिंग को देखा और जमीन कारोबारियों से उसका नक्शा व अन्य अभिलेख उपलब्ध कराने के लिए कहा। लेकिन कोई भी उनको संबंधित अभिलेख नहीं दे सका। इसके बाद अधिकारियों ने प्लॉटिंग को बुलडोजर से तोड़ने का काम चालू करा दिया। पुलिस को देखकर कोई भी कारोबारी विरोध की हिम्मत नहीं जुटा सका। साथ ही जमीन कारोबारी को चेतावनी दी कि बिना मानकों के प्लॉटिंग की तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, खरीदे गए प्लाट स्वामियों का कहना है कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से पहले उनको किसी भी प्रकार का नोटिस जारी नहीं किया गया। नायब तहसीलदार अंकित अवस्थी ने बताया कि ग्राम भैसोड़ी में 150 हेक्टेयर भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग की सूचना मिली थी, जिसका स्वत संज्ञान लेकर पुलिस प्रशासन के साथ राजस्व टीम ने मिलकर जेसीबी से अवैध निर्माण को स्वस्थ कराया गया है। साथ ही बिना मानकों के प्लाटिंग करने वालों को कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

संतों के चरण जहां पड़ते हैं, वह बन जाता है तीर्थ

ढकिया, अमृत विचार : गहनी में स्वामी व्यासानंद जी महाराज ने दो दिवसीय संतमत ज्ञान यज्ञ के प्रथम दिन सत्संग में श्रद्धालुओं को प्रवचन सुनाए। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर संतों का सत्संग होता है और जहां संतों के चरण पड़ते हैं, वह भूमि स्वतः ही तीर्थ बन जाती है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति सत्संग सुनता है, उसका भवसागर पार हो जाता है और उसका कल्याण निश्चित होता है। संतों के तीर्थों का भ्रमण स्वयं भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और भगवान महादेव ने भी किया है, जिससे सत्संग की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। इससे पूर्व सत्संग स्थल पर स्वामी व्यासानंद जी महाराज का पूर्व आंवला विधायक आरके शर्मा ने स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। सत्संग में मधुकर, ढकिया, ऊंचा गांव, खांडेली, भगवतीपुर सहित दो दर्जन से अधिक गांवों के श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

रिकाउंटिंग में 3 वोट से महासचिव पद पर जीते मोहम्मद उस्मान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

महासचिव मोहम्मद उस्मान के साथ खुशी जताते साथी अधिवक्ता।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद लोधी को मालाएं पहनाकर स्वागत करते अधिवक्ता।

अमृत विचार : बार एसोसिएशन के चुनाव में मंगलवार रात मतगणना के बाद एल्डर कमेटी के चेयरमैन सतीश चंद्र गुप्ता ने विजयी प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी थी। महासचिव पद पर मोहम्मद उस्मान अपने निकटतम प्रतिद्वंदी शिव कुमार तोमर से 1 वोट से जीत गए थे। महासचिव के परिणाम पर शिव कुमार तोमर ने रिकाउंटिंग की मांग कर दी। एल्डर कमेटी ने मांग को मानते हुए बुधवार की अपराह्न 3 बजे से काउंटिंग कराई जिमसें उस्मान अली 3 वोट से चुनाव जीत गए।

बार एसोसिएशन के चुनाव में महासचिव पद के लिए बुधवार को अपराह्न 3 बजे से 15 राउंड में काउंटिंग हुई। बुधवार को हुई काउंटिंग में उस्मान अली को 172 वोट मिले थे जबकि, शिव कुमार तोमर को 171 वोट मिले थे। एक वोट से चुनाव हारने के बाद शिव कुमार तोमर ने एल्डर कमेटी के चेयरमैन सतीश चंद्र के समक्ष आपत्ति दर्ज की थी। एल्डर कमेटी के चेयरमैन ने मंगलवार रात प्रत्याशी की आपत्ति को स्वीकार कर लिया था और बुधवार को अपराह्न 3 बजे से रिकाउंटिंग करने की घोषणा कर दी थी। बुधवार को अपराह्न 3 बजे से काउंटिंग शुरू हुई और शाम 5 बजे महासचिव पद पर उस्मान अली 3 वोट से चुनाव जीत गए। चुनाव जीतने के बाद उस्मान अली के समर्थक खुशी से झूम उठे। महासचिव पद के लिए अरुण प्रकाश सक्सेना, दौलत राम, देवेंद्र कुमार, मोहम्मद उस्मान, मौसाफ अली, राहुल कुमार सिंह, शिव नरेश तोमर चुनाव मैदान में ताल ठोंक रहे थे। इनमें अरुण प्रकाश सक्सेना को 114, दौलत राम को 114, देवेंद्र कुमार को 8, मोहम्मद उस्मान को 172, मौसाफ अली को 42, राहुल कुमार सिंह को 87 और शिव नरेश तोमर को 171 वोट मिले थे। मोहम्मद उस्मान की जीत का परिणाम घोषित होने के बाद एल्डर कमेटी के चेयरमैन सतीश चंद्र गुप्ता की आंखें छलछला आईं। बार एसोसिएशन का अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चुने गए हैं उनके नाम की घोषणा मंगलवार की रात कर एल्डर कमेटी ने कर दी थी।

> नव निर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण के लिए एल्डर कमेटी की बैठक होगी। बैठक में तय होगा कि किस तारीख को नवनिर्वाचित कमेटी की शपथ कराई जाए। **-सतीश चंद्र गुप्ता, चेयरमैन एल्डर कमेटी**

नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत

नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद लोधी का बुधवार को अधिवक्ता फूल मालाएं पहनाकर स्वागत करते रहे। बुधवार दोपहर को प्रमोद जैन बार एसोसिएशन कार्यालय में बैठे नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद लोधी को कचहरी में लेकर गए और उनका फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर प्रमोद जैन, राजीव त्यागी, अमर सिंह यादव, पंकज जैन, प्रतिभान सिंह, रमेश जैन आदि मौजूद रहे।

बहगुल की धारा रोक बनाया कच्चा बांध

संवाददाता, संवाददाता

बहगुल नदी पर बांध बनाने का कार्य करते किसान। ● अमृत विचार

बिलासपुर : पश्चिमी बहगुल नदी पर पूर्व विधायक जयदीप सिंह बरार के नेतृत्व में चल रही किसानों की कारसेवा आठवें दिन रंग लाई। किसानों ने नदी के पानी की धार को रोककर कच्चा बांध बना लिया।

सीमांत गांव खमरिया में कच्चा बांध बनाने के लिए किसानों द्वारा की जा रही कारसेवा का बुधवार को आठवां दिन था। सुबह बड़ी संख्या में कई गांवों के किसान पूर्व विधायक व किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष जयदीप सिंह बरार के नेतृत्व में बांध स्थल पर एकत्र हुए। किसानों ने नदी में उतरकर पानी के अंदर जमीन में कल गाड़े गए खूंटों के आस-पास पेड़ों की लकड़ियां, कबाड़, रेत के बोरे आदि फंसाकर उसके ऊपर से मिट्टी डाली और नदी की धार को रोक दिया। इसके बाद मिट्टी की ऊंची परत बनाकर जलाशय तैयार कर दिया। पूर्व विधायक के अनुसार देर शाम तक मजबूत बांध बनकर तैयार हो जाएगा और उसके जलाशय में नदी का पानी एकत्र होना शुरू होगा। जलाशय भरते ही कुल्ली व बल्ली नहरों से होकर रामपुर व बरेली जिले के 165 गांवों में पानी पहुंचने लगेगा। पूर्व विधायक के अनुसार पश्चिमी बहगुल नदी पर वर्ष 1905 में अंग्रेजों द्वारा बनाया बांध 1925 में बह गया था। वर्ष 2016 में उनके नेतृत्व में किसान कल्याण समिति बनी और कई गांवों के किसानों ने आपसी चंदे व कारसेवा के माध्यम से हर साल कच्चा बांध बनाना शुरू कर दिया। इस साल लगातार 13वीं बार कच्चा बांध बनाया गया है। बांध स्थल पर चल रही कारसेवा में किसान कल्याण समिति के प्रबंधक वेद प्रकाश कश्यप, सोमपाल सिंह, चौधरी रघुवीर सिंह, ओमपाल सिंह, जैल सिंह, सरदूल सिंह, देवेंद्र सिंह, विनय सिंह, रामचरन प्रधान, मेवाराम मौर्य, ध्रुव सिंह, बब्बन खां, पच्चू पधान, जमुना प्रसाद अंगनलाल मौर्य, सुरेंद्र कुमार, शंकर सिंह, कृष्णपाल, छेदालाल, रमेश कुमार, रिजवान हुसैन, हेमराज मौर्य, रामपाल कई किसान रहे।

वन स्टॉप सेंटर ने महिला व बच्ची को सुरक्षित घर पहुंचाया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : पुलिस हेल्पलाइन पर बड़ागांव शाहबाद निवासी व्यक्ति ने सूचना दी कि उसके गांव के पास महिला अपनी छोटी बच्ची के साथ अकेली बैठी हुई है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 112 पुलिस हेल्पलाइन की टीम मौके पर पहुंची और महिला व उसकी बच्ची को रेस्क्यू कर थाना सैफनी ले आई।

सुरक्षा की दृष्टि से रात्रि लगभग 2 बजे महिला एवं उसकी बच्ची को वन स्टॉप सेंटर में अल्पावास के लिए आश्रय प्रदान कराया। अगले दिन महिला की काउंसिलिंग का प्रयास किया गया। काउंसिलिंग के दौरान महिला न तो अपनी बात स्पष्ट रूप से समझा पा रही थी और न ही बात समझ पा रही थी। संवाद में कठिनाई के कारण वह बार-बार क्रोधित व उत्तेजित हो रही थी तथा अपनी बच्ची को लेकर भागने का प्रयास कर रही थी। बातचीत के दौरान केवल असम ही स्पष्ट रूप से समझ में आ रहा था। स्थिति को समझते हुए वन स्टॉप सेंटर की टीम ने इंटरनेट के माध्यम से असम पुलिस से संपर्क स्थापित किया और महिला से बात कराने का अनुरोध किया। असम पुलिस द्वारा महिला से बातचीत के दौरान उसने अपना नाम उदामणि बोरी पुत्री विराज बोरी निवासी थालिग्राम खासपुर थाना उधारगौन असम बताया। असम पुलिस द्वारा सहयोग करते हुए थाना प्रभारी उधारगौन का संपर्क उपलब्ध कराया गया। वन स्टॉप सेंटर की टीम ने थाना प्रभारी उधारगौन से संपर्क कर मामले का विवरण साझा किया तथा महिला व बच्ची के फोटो उपलब्ध कराते हुए सत्यापन कराया। वन स्टॉप सेंटर, रामपुर पुलिस एवं उधारगौन पुलिस के समन्वय से महिला तथा उसकी बच्ची को उसके घर पहुंचाया गया।

मार्ग चौड़ीकरण के लिए मस्जिद का हिस्सा तोड़ा

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर-बाजपुर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य के तहत बुधवार को नरपतनगर स्थित नूर मस्जिद के एक हिस्से को लोक निर्माण विभाग ने ध्वस्त कर दिया। विभाग ने बताया कि मस्जिद का यह हिस्सा सड़क चौड़ीकरण और नाला निर्माण कार्य में बाधक बन रहा था।

मौके पर एसडीएम अमन देओल, सीओ अतुल कुमार पांडेय, कोतवाल प्रदीप मलिक के साथ लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अभिषेक यादव और अवर अभियंता रविंद्रपाल रहे। छह माह पहले नगर पंचायत नरपत नगर में बाजपुर रोड के दोनों ओर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया था। उस समय भी नूर मस्जिद का एक बड़ा हिस्सा गिराया गया था। वर्तमान में सड़क के दोनों ओर नाला निर्माण का कार्य प्रगति पर है। लोक निर्माण विभाग से अभिषेक यादव ने कहा मस्जिद उतना ही हिस्सा हटाया है, जो नाले और सड़क निर्माण की जद में आता है।

घायलों के प्राथमिक उपचार का पुलिसकर्मियों को दिया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रामपुर पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने के लिए एक अच्छी पहल की है। पुलिस लाइन में क्रिटिकल कॉरिडोर टीम के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार का विशेष प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण जिला अस्पताल के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा प्रदान किया गया। जिसका उद्देश्य गोल्डन आवर में प्रभावी प्राथमिक चिकित्सा सुनिश्चित करना है।

यह प्रशिक्षण जिला अस्पताल, रामपुर के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा प्रदान किया गया। इसमें सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों तरह की जानकारी शामिल थी, जिसका उद्देश्य गोल्डन आवर में प्रभावी प्राथमिक चिकित्सा सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं के बाद घायल व्यक्तियों को 'गोल्डन आवर' के दौरान त्वरित और सही प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराकर जीवन रक्षा की संभावनाओं को बढ़ाना है। चिकित्सकों ने बताया कि दुर्घटना के बाद का पहला घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है, जिसमें सही उपचार से जान बचाई जा सकती है। इस सत्र में पुलिसकर्मियों को रक्तस्राव रोकने, फ्रैक्चर की स्थिति में प्राथमिक देखभाल, बेहोश घायल को सुरक्षित तरीके से संभालने और सीपीआर जैसी जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने कहा कि दुर्घटनाओं में 'गोल्डन आवर' के दौरान दी गई प्राथमिक और प्रभावी चिकित्सा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने जोर दिया कि यह जानकारी केवल डॉक्टरों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि आम नागरिकों और पुलिसकर्मियों को भी इसका प्रशिक्षण मिलना चाहिए।

अपर सैंजनी नहर का कार्य अधर में, किसान परेशान

संवाददाता, बिलासपुर : अपर सैंजनी नहर का खोदाई अधर में होने से किसान सिंचाई के लिए परेशान हैं। किसान नेता ने वरिष्ठ अधिकारियों से जांच और उचित कार्रवाई की मांग की और आंदोलन की चेतावनी भी दी।

यह नहर पुरानी शिवबाग मंडी रोड से होते हुए साप्ताहिक पैठ, भट्टी टोला, कस्बा राजपुर और बहापुर-गंगापुर जैसे कई गांवों को जोड़ती है। सिंचाई विभाग ने पहले इस नहर को अतिक्रमण मुक्त कराया था। भाकियू महात्मा टिकैत के जिला महासचिव हरिशंकर यादव ने बताया कि विभाग ने नहर खोदाई के काम में सिर्फ खानापूर्ति की है। कहा कि इस मामले में पहले भी संबंधित अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं। सिंचाई विभाग के अवर अभियंता सुनील कुमार ने बताया कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

नाम काटने के विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता, बिलासपुर

मतदाता सूची में नाम कटने के विरोध में प्रदर्शन करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान के दौरान मतदाता सूची से नाम काटे जाने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। प्रभावित मतदाता तहसील पहुंचे और अव्यवस्थाओं का आरोप लगाते हुए नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर प्रकिया के चलते 22 जनवरी तक दावा-आपत्ति प्राप्त की जानी है। बड़ी संख्या में नाम कटने से लोगों में असंतोष है। अब उन मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं, जिनके नाम सत्यापन के दौरान सूची से हटा दिए गए या शिफ्टेड श्रेणी में डाल दिए गए। इन्हीं नोटिसों का जवाब देने और अपना पक्ष रखने के लिए मतदाता तहसील पहुंचे। उन्होंने अव्यवस्थाओं को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि निर्वाचन संबंधी अधिकारी और कर्मचारी फील्ड पर जाकर वास्तविक सत्यापन करने के बजाय कार्यालयों में बैठकर केवल कागजी खानापूर्ति कर रहे हैं। कहा कि पूर्व में तहसील से जारी प्रमाण पत्रों में प्रशासनिक स्तर पर चूक की गई। जिसको अधिकारी मानने के लिए तैयार नहीं हैं। किसी प्रमाण पत्र में नाम गलत है तो किसी के पते में गलती है। अब त्रुटि को अधिकारी मानने या दूर करने के लिए तैयार नहीं हैं। जिससे आम जनता को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच हंगामा कर रहे लोगों से अधिकारियों ने वार्ता की और उन्हें समझा बुझाकर शांत किया। प्रदर्शन करने वालों में नृपजीत सिंह, अलका, साजिद अली, राकेश कुमार, शांति देवी, मंजू देवी, वीणा देवी, राजश्री, रघुवर दयाल समेत आदि रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में गर्भवती की मौत

बिलासपुर, अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों के चलते गर्भवती की मौत होने पर कोहराम मच गया। मृतका के पति ने झोलाछाप पर आरोप लगाए हैं।

मुल्लाखेड़ा निवासी प्रीतम सैनी मजदूरी करता है। र उसकी गर्भवती पत्नी का स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था। जिसके चलते वह मंगलवार शाम गांव के झोलाछाप के पास से दवाई ले आई। आरोप है कि दवा खाने के बाद गर्भवती की तबीयत बिगड़ गई। देर रात तक पत्नी को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उसकी तबियत खराब देख रेफर कर दिया। बताया कि गर्भवती ने रास्ते में दम तोड़ दिया। पत्नी की मौत पर बुधवार सुबह पति समेत उसके परिजन झोलाछाप की दुकान पर पहुंच गए। बाद में प्रधान और लोगों की मौजूदगी में देर शाम तक दोनों पक्षों में पंचायत हुई। इस पर प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है।

कार ने बाइक सवार को रौंदा, प्रधान के पिता की मौत

संवाददाता, स्वार

अमृत विचार : तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को बुरी तरह से रौंद दिया। जिसमें प्रधान के पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन घायल को मुरादाबाद ले गए। जहां उपचार के दौरान प्रधान के पिता की मौत हो गई।

शाहिद अंसारी।

तहसील क्षेत्र के गांव बिजारखाता के प्रधान नाहिद अंसारी के पिता शाहिद अंसारी बुधवार को बाइक से किसी काम से स्वार नगर में आये थे। घर वापस जाते समय बाइक जैसे ही नगर पंचायत नरपतनगर के निकट पहुंची, तभी उत्तराखंड के बाजपुर की ओर से आ रही कार ने बाइक को बुरी तरह से रौंद दिया। जिसमें प्रधान के पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि कार सवार दो युवक भी चोटिल हो गए। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतरते हुए खेत में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। घायल की चीख पुकार सुनकर राहगीरों ने परिजनों को सूचना दी।

कार सवार रामपुर के राजद्वारा निवासी अमित और हिमांशु भी हादसे में घायल हो गए। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंचे परिजन गंभीर रूप से घायल हुए शाहिद अंसारी को उपचार के लिए मुरादाबाद ले गए। जहां उपचार के दौरान प्रधान के पिता की मौत हो गई।

विद्युत कर्मियों पर पथराव के आरोपी का चालान

संवाददाता, बिलासपुर : पुलिस ने विद्युत विभाग की टीम पर पथराव के आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसका चालान कर दिया।

मंगलवार को उपखंड अधिकारी प्रदीप कुमार प्रसाद विभागीय टीम के साथ विद्युत बिल बकाया को लेकर अभियान चला रहे थे। इसी बीच टीम ने मोहल्ला भट्टी टोला में बकायेदार मुशर्रफ खां के घर का कनेक्शन काट दिया। जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया और नौबत मारपीट तक पहुंच गई थी। इसके बाद बकायेदार ने अपनी छत पर चढ़कर टीम पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए थे। बाद में उपखंड अधिकारी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी मुशर्रफ खां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। बुधवार सुबह पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। इस पर प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि आरोपी का शांतिभंग में चालान किया है।

न्यूज ब्रीफ

वन विभाग ने लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

हसनपुर, अमृत विचार : क्षेत्र में अवैध कटान और लकड़ी तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वन विभाग की टीम ने पीपल की लकड़ी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ने में सफलता हासिल की है। वन विभाग को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में प्रतिबंधित पेड़ों का कटान कर लकड़ी ले जाई जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वन रेंजर नरेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी की। इस दौरान इरफान अली पुत्र शफीक अहमद निवासी जयतौली को पीपल की ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका गया, जिसमें भारी मात्रा में पीपल की लकड़ी टिपलर लदी हुई थी। वन रेंजर नरेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए ट्रैक्टर-ट्रॉली को सिहाली जागीर वन विभाग कार्यालय परिसर में खड़ा किया गया है। विभाग द्वारा मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

होम स्टे इकाइयों को पंजीकरण के बाद ही मिलेगा लाभ

संभल, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति–2025 के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला पर्यटन अधिकारी प्रदीप टम्टा ने बताया कि पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को उच्च स्तरीय, सुरक्षित और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह नीति लागू की गई है। बताया कि प्रदेश में पहले से स्थापित अनुमन्य होम स्टे एवं बी एंड बी इकाइयों के संचालन को सरल बनाने के लिए इस नीति में नियमों का सरलीकरण किया गया है। सभी होमस्टे, बी एंड बी एवं रूरल होम स्टे इकाइयों के स्वामियों को इस नीति के अंतर्गत पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

पांच वन कर्मियों पर केस दर्ज

बिजनौर, अमृत विचार : पुलिस ने वन विभाग के एसडीओ सहित पांच कर्मियों के खिलाफ अपहरण, मारपीट, बलवा और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। जिलाधिकारी ने इसकी जांच एडीएम प्रशासन और एसपी सिटी को सौंपी है। यह मुकदमा एनएचएआई से जुड़े इंजीनियर अनूप कुमार के ट्रक चालक कावल सिंह की तहरीर पर दर्ज किया गया है।

अलग-अलग दुर्घटनाओं में युवक और महिला की मौत, दो घायल

स्कूटी पेड़ से टकराई, दूसरे हादसे में तेज रफ्तार ईको ने बाइक में मारी टक्कर

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा/हसनपुर

मृतका कल्पना।

मृतक फैज।

• दोनों मृतकों के परिजनों में मचा कोहराम

अमृत विचार : नौगांवा से लौट रहे स्कूटी सवार दो दोस्तों की स्कूटी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। दूसरी घटना में ईको की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई जबकि उसका पति घायल हो गया।

हादसा मंगलवार की देर रात नौगांवा सादात थाना क्षेत्र के कताई मिल के पास हुआ। दरअसल अमरोहा शहर के मोहल्ला शिवद्वारे के निवासी अरशद और उसका दोस्त फैज स्कूटी से मंगलवार को नौगांवा सादात गए थे। रात को उधर से लौटते समय अमरोहा रोड स्थित कताई मिल के पास स्कूटी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में फैज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अरशद गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जबकि घायल के परिजनों को सूचना देकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। रात में ही फैज के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंच गए। शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया।

क्षतिग्रस्त ईको। • अमृत विचार

दूसरी दुर्घटना हसनपुर में गजरौला मार्ग पर हुई। ईको की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौके पर मौत हो गई। जबकि उसका पति घायल हो गया। पुलिस ने वाहन एवं चालक को हिरासत में ले लिया। बुधवार को थाना धनौरा क्षेत्र के गांव खंसाल निवासी संजय 35 वर्षीय पत्नी कल्पना के साथ बाइक से रहरा थाना क्षेत्र के गांव उकावली स्थित अपनी ससुराल जा रहा था। जैसे ही नगर के गजरौला मार्ग स्थित दीपपुर गेट के निकट उसकी बाइक पहुंची तो हसनपुर दिशा की तरफ से आ रही एक अनियंत्रित ईको गाड़ी ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। कल्पना सड़क पर गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर भीड़ एकत्र हो गई और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ईको गाड़ी पकड़कर चालक को हिरासत में ले लिया। कल्पना ने अपने पीछे बेटा अभि त्यागी एवं बेटी अवनी त्यागी को रोते हुए छोड़ा है। अपराध निरीक्षक अमरपाल सिंह द्वारा बताया गया कि शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम को भेज दिया गया, अग्रिम कार्यवाही तहरीर के आधार पर की जाएगी।

न्यायिक अधिकारी का रिश्तेदार गेस्ट हाउस में मिला मृत

बिजनौर, अमृत विचार : धामपुर शुगर मिल में गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 7 में रुके एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय उत्कर्ष सिसोदिया पुत्र टिकेंद्र सिंह निवासी वैशाली नगर जयपुर राजस्थान के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार उत्कर्ष 12 जनवरी 26 को गेस्ट हाउस में एक सप्ताह रुकने के लिए आया था। वह जनपद के एक न्यायिक अधिकारी का रिश्तेदार भी बताया जा रहा है। गुरुवार सुबह लगभग 10:00 बजे कमरा नहीं खुलने पर गेस्ट हाउस कर्मचारियों ने वहां जाकर देखा तो युवक का शव बेड पर पड़ा था। एसडीएम स्मृति सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे तथा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया वहीं फॉरेंसिक टीम ने भी जांच-पड़ताल की। मृतक के लिए गेस्ट हाउस का कमरा लेखपाल प्रभात कुमार ने बुक कराया था, कमरे में उत्कर्ष अकेला रुका हुआ था। कोतवाली प्रभारी मृदुल कुमार सिंह ने बताया मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद स्पष्ट होगा।

आग से महिला की मौत, भाई ने लगाया हत्या का आरोप

मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं। • अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के गांव बाईखेड़ा में बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में आग से महिला की मौत हो गई। मायके पक्ष ने पति और ससुरालियों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है।

मृतका कल्लो।

ग्रामीणों के अनुसार पप्पू की दो शादियां हुई थीं और 25 वर्षीय पत्नी कल्लो उर्फ गीता उसकी दूसरी पत्नी थी। बुधवार को गीता का शव झुलसी अवस्था में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के भाई सत्यवान ने आरोप लगाया कि पिछले तीन महीनों से उसकी बहन को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। ससुराल वाले दहेज में ट्रैक्टर और रोटावेटर की मांग कर रहे थे। मांग को पूरा न कर सकने पर गीता को आग लगाकर मौत के घाट उतारा गया है। अपराध निरीक्षक अमरपाल सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

निजी अस्पताल में छात्र की मौत, परिजनों का हंगामा

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: निजी अस्पताल में उपचार के दौरान 15 वर्षीय छात्र की मौत से हड़कंप मच गया। आक्रोशित परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए एंबुलेंस में शव रखकर जमकर हंगामा किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया।

कोतवाली क्षेत्र के गांव लुहारी खादर निवासी जय नारायण ने अपने 15 वर्षीय पुत्र गौतम जो कक्षा 10 का छात्र था के शरीर में इन्फेक्शन और रक्तस्राव की शिकायत होने पर सोमवार की शाम अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक ने पूरी गारंटी के साथ इलाज का भरोसा दिया था, लेकिन बुधवार सुबह स्थिति बिगड़ गई। परिजनों का कहना है कि चिकित्सकों की लापरवाही के कारण ही गौतम ने दम तोड़ा, जबकि अस्पताल प्रबंधन ने उसे गंभीर बताकर अंतिम समय में रेफर करने की बात कही। गुस्साए माता-पिता और ग्रामीणों ने अस्पताल के बाहर एंबुलेंस खड़ी कर हंगामा कर दिया। हंगामे की सूचना पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. धुवेंद्र सिंह और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों के बयान दर्ज किए और गहन जांच का भरोसा दिया। चिकित्सा अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि यदि जांच में अस्पताल प्रबंधन या चिकित्सक दोषी पाए जाते हैं, तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बूढ़े बाबा के मेले में महिलाओं में मारपीट

गजरौला, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बिजौरा में बूढ़े बाबा का दो दिवसीय मेला लगता है। मंगलवार को मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। श्रद्धालु बूढ़े बाबा की जात लगा रहे थे। इसी बीच दो महिलाओं के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर महिलाओं के दोनों पक्ष जमा हो गए व नोकझोंक करने लगे। इसी बीच एक महिला ने चप्पल निकालकर दूसरी महिला को पीटना शुरू कर दिया। जिससे वहां हंगामा खड़ा हो गया व भगदड़ मच गई। महिलाओं ने एक-दूसरे को चप्पलों से पीटने लगीं और बाल पकड़कर भी घसीटा। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पर्चा रद होने पर भड़के सपा जिला महासचिव

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : भूमि विकास बैंक के प्रतिनिधि पद के चुनाव की प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन अधिकारी द्वारा सपा जिला महासचिव का पर्चा निरस्त करने की घोषणा करते ही सपा नेता एवं अधिकारियों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। सपा नेता ने न्यायालय जाने की बात कही है।

बुधवार को नगर के ब्लॉक कार्यालय के सभागार में चल रही नामांकन प्रक्रिया के दौरान जमा नामांकन पत्रों की जांच निर्वाचन अधिकारी एवं तहसीलदार परमानंद श्रीवास्तव के नेतृत्व में की जा रही थी। इस दौरान निर्वाचन अधिकारी ने जैसे ही सपा जिला महासचिव चंद्रपाल सिंह सैनी का पर्चा खारिज होने की

सपा जिला महासचिव एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी के बीच होती नोकझोंक। • अमृत विचार

घोषणा की, तो सपा नेता भड़क गए। चंद्रपाल सैनी ने प्रशासन पर भाजपा सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके अनुमोदक का वोटर लिस्ट में क्रमांक जानबूझकर बदल गया है। ताकि उनका नामांकन निरस्त किया जा सके। इस दौरान सपा नेता की तहसीलदार एवं पुलिस क्षेत्र अधिकारी से जमकर नोकझोंक हुई। हंगामा की आशंका को देखते हुए ब्लाक परिसर में

• अधिकारियों से हुई नोकझोंक कोर्ट जाने की बात कही

भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। उप जिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने समझाया लेकिन तनाव काफी देर तक बना रहा। वही निर्वाचन अधिकारी परमानंद श्रीवास्तव ने बताया कि चंद्रपाल सैनी के अनुमोदक के सीरियल नंबर में त्रुटि थी जिसके कारण उनका नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया है।

वही सपा के राष्ट्रीय सचिव एवं कांठ विधायक कमाल अख्तर ने प्रदेश सरकार पर लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाया है। कहा कि जब सरकार के दबाव में विपक्ष के नामांकन पत्र निरस्त करने थे तो फिर चुनाव का ढोंग करने की क्या जरूरत है।

व्यापारियों की मांग पर एसपी ने चौपला चौकी से बेरीकेडिंग हटवाई

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: व्यापारी संगठन की मांग पर एसपी ने नगर के चौपला चौकी के सामने यातायात नियंत्रण के लगाई गई बेरीकेडिंग हटवा दी। अब धनौरा दिशा से आने वाले वाहन सीधे गुजर सकेंगे जबकि हसनपुर दिशा से आने वाले वाहन पहले की तरह ही घूमकर गुजरेंगे ताकि चौकी के सामने एकदम से ही यातायात का दबाव न बढ़े। एसपी ने व्यापारियों से आह्वान किया कि वे जाम से नियत्रंण कराने में अपना सहयोग दें और समय समय पर राय मशविरा करते रहें।

नगर के चौपला पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए डीएम निधि गुप्ता वत्स व एसपी अमित कुमार आनंद ने कुछ समय पहले डिवाइडर लगवाकर एक

एसपी अमित कुमार आनंद से वार्ता करते व्यापारी। • अमृत विचार

व्यवस्था बनाई थी। जिसके बाद से ही व्यापारी इसके विरोध में थे, उनका तर्क था कि इस नई व्यवस्था से चौपला पर जाम के हालात ज्यादा बन रहे हैं, मगर पुलिस का कहना था कि नई व्यवस्था जाम से निजात दिलाने में उपयोगी साबित हो सकती है। बुधवार को एसपी अमित कुमार आनंद चौपला पर पहुंचे और व्यापारियों से बातचीत करके चौकी के सामने लगाए गए बेरीकेडिंग हटवा दिए । नगर अध्यक्ष व्यापार मंडल राजीव मित्तल, मुकेश गर्ग, विवेक अग्रवाल, जुगल जिंदल, अंकुर नागर, शैलेश अग्रवाल, रोहन बंसल, अनिल बंसल, शोभित गर्ग, प्रियंक अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, विवेक, नीरज, सुधांशु, विनोद गर्ग, मकसूद अहमदआदि व्यापारी मौजूद रहे।

सिंचाई के दौरान करंट से किसान की मौत

संवाददाता ढबारसी/आदमपुर

• नलकूप के स्टार्टर का तार ठीक करते समय लगा करंट

अमृत विचार : थाना आदमपुर क्षेत्र के गांव फत्तेहपुर अधेक में बुधवार दोपहर करीब दो बजे खेत में सिंचाई के दौरान हुए हादसे में एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक जगराम सिंह।

गांव निवासी जगराम (35) पुत्र खानचन्द खेत में मटर की फसल की सिंचाई कर रहा था। इसी दौरान नलकूप पर लगे स्टार्टर में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। बताया जा रहा है कि जगराम जैसे ही तार ठीक करने के लिए स्टार्टर के पास पहुंचा, उसी समय वह तेज करंट की चपेट में आ गया। करंट इतना तेज था कि जगराम को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी उस समय हुई जब जगराम का बेटा खेत पर खाना लेकर पहुंचा। पिता को अचेत अवस्था में देखकर बच्चे के होश उड़ गए। परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

मृतक जगराम अपने पीछे पत्नी सुमन और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। पत्नी सुमन का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं बच्चों के सिर से पिता का साया उठ जाने से ग्रामीण भी भावुक नजर आए। सूचना मिलने पर थाना आदमपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट बताया गया है।

न्यूज डायरी

नगदी, जेवरात सहित 5 लाख की चोरी

अमरोहा, अमृत विचार : चोरों ने ब्लॉक कर्मचारी के घर को निशाना बनाते हुए 50 हजार रुपये की नगदी, सोना चांदी के जेवरात सहित 5 लाख रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया। एसपी के निर्देश पर एसओजी, फोरेंसिक टीम ने मौका मुआयना किया। तहरीर पर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अमरोहा देहात क्षेत्र के गांव मोढी जट निवासी इब्बन अली अमरोहा ब्लाक में चतुर्थ श्रेणी कर्मी हैं। मंगलवार रात में इब्बन अली पत्नी महरूना के साथ कमरे में सो रहे थे। दूसरे कमरे में उनका बड़ा बेटा राशिद व उसकी पत्नी सानिया जबकि तीसरे कमरे में दो बेटे साजिद व नाजिम सो रहे थे। देर रात छत के सहारे चोर उनके घर में कूद गए। इसके बाद चोरों ने कमरों को खंगालते हुए 50 हजार रुपये समेत लगभग 5 लाख रुपये कीमत के जेवरात चुरा लिए। रात में करीब साढ़े तीन बजे जब अचानक इब्बन अली की आंख खुली तो कमरे का सारा सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने शोर मचाकर परिवार के सदस्यों को जगा लिया। आवाज सुनकर गांव में भी जाग हो गई। डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंच गई। बुधवार की सुबह सीओ अवधभान भदौरिया ने एसओजी, सर्विलांस व फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का मुआयना किया। प्रभारी निरीक्षक शौकेंद्र बालियान ने बताया कि तहरीर के आधार पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

प्रदूषण के खिलाफ चीनी मिल के जीएम को दिया ज्ञापन

हसनपुर, अमृत विचार : चीनी मिल काला खेड़ा द्वारा किए जा रहे प्रदूषण के खिलाफ भाकियू भारत भूमि ने चीनी मिल जीएम को ज्ञापन सौंपा और मुआवजे की मांग की। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी के नेतृत्व में ग्रामीण एकत्र हुए और चीनी मिल काला खेड़ा के खिलाफ प्रदर्शन कर जीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि चीनी मिल से निकलने वाली छाई से ग्रामीण क्षेत्र में भारी प्रदूषण फैल रहा है। मिल द्वारा बनाई जा रही दीवार से कई किसानों की फैसले नष्ट हो गई है। किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए। चेतावनी दी कि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन करने को मजबूर होगा। ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष शमशेर सिंह सैफी, मोहम्मद फरीद, डॉक्टर मिंटू सिंह, सलाउद्दीन, शहाबुद्दीन अली, मोहम्मद, नन्हे सिंह, नफीस सैफी, मोहम्मद मारूफ आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों की बैठक में विभागीय कार्यों में तेजी के निर्देश

हसनपुर, अमृत विचार : ब्लॉक संसाधन केंद्र चन्दनपुर खादर में खण्ड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार की अध्यक्षता में शिक्षकों की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी सूचनाओं को सटीक और समय से विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र की अपार आईडी जनरेट करने की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। छात्रों की प्रतिदिन की ऑनलाइन उपस्थिति प्रेरणा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने को कहा गया। साथ ही, नि :शुल्क पाठ्यपुस्तकों की फीडिंग और डीबीटीसे संबंधित लंबित कार्यों को तत्काल निपटाने के निर्देश दिए। ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, एआरपी महीपाल सिंह, वरिष्ठ संकुल शिक्षक जयवीर सिंह, बिजेंद्र सिंह, संदीप कुमार, देवेन्द्र शर्मा, महताबउद्दीन, योगराज सिंह, कपिल कुमार शर्मा, प्रकाश सिंह , जितेन्द्र सिंह, सुरेश सिंह आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कुत्तों से बचने के लिए तालाब में कूदी नीलगाय डूबी

डिडौली, अमृत विचार : जोया में आवारा कुत्तों से जान बचाने के प्रयास में नील गाय तालाब में कूद पड़ी। गहरे पानी और दलदल के कारण वह उसमें समा गई। वनकर्मी और पुलिस नील गाय की तलाश कर रही है। मामला मंगलवार देर शाम डिडौली कोतवाली क्षेत्र के जोया कस्बा का है। दरअसल जंगल से भागती हुई नीलगाय को आवारा कुत्तों ने दौड़ा लिया था। जान बचाने के लिए नीलगाय मोहल्ला मुंशीयान स्थित तालाब में कूद गई। तालाब में अधिक कचरा, कीचड़ और दलदल होने के कारण नीलगाय काफी देर तक जूझती रही। इसके बाद धीरे–धीरे गहरे पानी में डूब गई। लोगों ने नीलगाय को तालाब में तैरते देखा तो तत्काल डिडौली पुलिस को सूचना दी । जोया चौकी प्रभारी संजीव कुमार और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और वन विभाग की टीम ने तालाब के आसपास और पानी में उतरकर काफी देर तक नीलगाय की तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। आशंका जताई जा रही है की दलदल और गहरे पानी के कारण नहीं लगे पानी के अंदर समा गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तालाब में फैले कचरा और गंदगी को लेकर नाराजगी व्यक्त की है।

नगर पालिका ने गजरौला मार्ग पर हटवाया अतिक्रमण

अतिक्रमण हटाते नगर पालिका कर्मचारी। • अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : नगर पालिका प्रशासन ने उच्च अधिकारियों के निर्देश पर नगर के गजरौला मार्ग पर हो रहे अतिक्रमण को हटवाया।

नगर के ब्लॉक तिराहे पर कुछ दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर रखा है, जिसके कारण हादसा होने का डर बना रहता है वही जाम की स्थिति भी हो जाती है। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर नगर पालिका द्वारा बुधवार को जेसीबी मशीन के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत मार्ग पर किया गया अतिक्रमण हटवाया गया और दुकानदारों से अतिक्रमण न करने की बात कही गई। अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने बताया कि अभियान आगे भी चलाया जाएगा।

खोखे व ठेले वालों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, मंडी धनौरा

अमृत विचार : रामलीला मैदान के पास वर्षों से खोखे व ठेले लगाकर जीवनयापन कर रहे दुकानदारों ने बुधवार को तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शासन द्वारा रामलीला की भूमि पर कराई जा रही चहारदीवारी निर्माण के विरोध में उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपते हुए अपने रोजगार को बचाने की गुहार लगाई।

दुकानदारों ने कहा कि वे पिछले कई वर्षों से कमेलपुर रोड पर खोखे और ठेले लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। उनके पास आय का कोई अन्य साधन नहीं है। प्रशासन द्वारा रामलीला की भूमि की पैमाइश कर वहां चहारदीवारी का निर्माण कराया जा रहा है, जिसकी जद में इनके खोखे और ठेले आ रहे हैं। यदि उनके खोखे और ठेले हट ग तो उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने मांग की कि या

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते खोखे व ठेले वाले। • अमृत विचार

• गरीबों से रोजगार छीनने का लगाया आरोप, एसडीएम को दिया ज्ञापन

तो उनके खोखों को यथावत रहने दिया जाए या फिर प्रशासन द्वारा कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव ने प्रदर्शनकारियों की बात को सुना और ज्ञापन लेते हुए बताया कि शासन के नियमों के अंतर्गत रामलीला की भूमि पर चहारदीवारी का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि वे अपना पक्ष रामलीला कमेटी के समक्ष रखें, क्योंकि इस मामले का समाधान कमेटी द्वारा ही निकाला जाएगा। प्रदर्शन में शीशपाल सैनी, भगतराम सैनी, ओमकार, धर्मवीर, सोनू सैनी, बलबीर सिंह, महेंद्र सिंह, भोला, ओमप्रकाश, महिपाल सैनी, अतर सिंह, विकास बंसल, राधेश्याम, अमर सिंह सैनी, लाल बाबू, नरेश सैनी, अशोक सैनी, अशोक कुमार, रवि सैनी, ओमी वर्मा, ममता सहित अन्य खोखा व ठेले वाले मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

सपा समर्थित प्रत्याशी ने लगाया आरोप

बबराला, अमृत विचार: उप्र सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड की गुन्नौर शाखा के सभापति पद के चुनाव को लेकर विवाद सामने आया है। सपा समर्थित प्रत्याशी योगेंद्र सिंह ने प्रशासन पर सत्ता के दबाव में नामांकन पत्र खारिज करने का आरोप लगाया है।

योगेंद्र सिंह का कहना है कि उन्होंने और उनकी भाभी ममता देवी ने सभी दस्तावेज पूरे कर नामांकन दाखिल किया था। बिना किसी ठोस कारण के दोनों के नामांकन पत्र निरस्त कर दिए गए। आरोप लगाया कि प्रशासनिक अधिकारियों ने सत्ता पक्ष के इशारे पर यह कदम उठाया है। योगेंद्र सिंह ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ अन्याय बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस मामले का समाधान नहीं हुआ तो वह उच्च अधिकारियों और चुनाव आयोग तक अपनी बात पहुंचाएंगे।

लखपति दीदी: 26 जनवरी को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मौजूद रहेंगी अनुपमा सिंह

संभल की अनुपमा ने रची कामयाबी की मिसाल, खड़ा किया 25 लाख का कारोबार

कार्यालय संवाददाता, संभल/चंदौसी

अमृत विचार: सफलता कभी आसान रास्तों से नहीं मिलती, बल्कि संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास से गढ़ी जाती है। संभल जिले के बनियाखेड़ा की 48 वर्षीय अनुपमा सिंह ने भी कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। एक समय परिवार की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए शिक्षिका रहीं अनुपमा आज एक सफल उद्यमी हैं, जिनका सालाना टर्नओवर करीब 25 लाख तक पहुंच चुका है। कामयाबी के इस मुकाम पर पहुंचीं अनुपमा सिंह 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मौजूद रहेंगी। यह उपलब्धि न सिर्फ उनके लिए, बल्कि उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों और विपरीत हालातों के बावजूद आगे बढ़ने का सपना देखती हैं।

अनुपमा का यह सफर आसान नहीं था और न ही उन्हें पलक झपकते ही यह कामयाबी मिली, बल्कि इस कामयाबी के पीछे दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़ने की कहानी भी छिपी है। अनुपमा ने साधारण गृहिणी से उद्यमी बनने की ठानी तो कुछ लोगों ने उनका विरोध किया, मानसिक दबाव बनाया और काम में अड़चनें डालने की कोशिश की। लेकिन अनुपमा ने हार नहीं मानी और वह आगे बढ़ती रहीं। उनकी ईमानदारी और मेहनत को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने भी उनका साथ दिया। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने स्वयं आगे बढ़कर उनके उत्पादों को

- गोबर से उत्पाद बनाने में बड़ा मुकाम हासिल किया
- गांव की 15 महिलाओं को भी मिला स्थायी रोजगार

बनियाखेड़ा में अपने समूह की महिलाओं के साथ अनुपमा सिंह (मध्य में)।

प्रोत्साहित किया, जिससे धीरे-धीरे बाजार में मांग बढ़ने लगी।

2020 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर अनुपमा ने जानकी स्वयं सहायता समूह के माध्यम से 1 लाख का ऋण लिया और एक छोटा ब्यूटी पार्लर शुरू किया। मेहनत के बल पर मात्र 10 महीनों में पूरा कर्ज चुका दिया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया के मार्गदर्शन में नागपुर और फिरोजाबाद में प्रशिक्षण लेने के बाद अनुपमा ने गोबर से बने उत्पादों का काम शुरू किया। यह कारोबार ऐसा चला कि अनुपमा ने कामयाबी का बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। अनुपमा के बनाए गोबर के मोबाइल स्टैंड, मूर्तियां और थालियां दिल्ली और मुरादाबाद के बाजारों तक पहुंच चुकी हैं। त्योहारों के मौसम में वह 70 से अधिक महिलाओं को रोजगार देती हैं। इसके साथ ही वह मिलेट्स से लड्डू, बिस्कुट और रसगुल्ले बनाकर स्वास्थ्य और स्वरोजगार को भी बढ़ावा दे रही हैं। वर्ष 2026 शुरू होते ही प्रशासन ने अनुपमा को एक और बड़ी सौगात दी। चंदौसी कचहरी के पास उन्हें पांच रेस्टोरेंट खोलने की अनुमति दी गई है। इस पहल से गांव की 15 महिलाओं को स्थायी रोजगार मिलेगा।

18 राज्यों की महिलाओं को पीछे छोड़ा

संभल। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा देशभर से चयनित 14 'लखपति दीदियों' में अनुपमा सिंह का नाम भी शामिल है। उन्होंने 18 राज्यों की महिलाओं को पीछे छोड़कर यह उपलब्धि हासिल की। क्लस्टर अध्यक्ष और बैंक सखी के रूप में वह अब तक 59 स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण दिलाकर पशुपालन व अन्य रोजगार से जोड़ चुकी हैं। अनुपमा का सपना यहीं खत्म नहीं होता। वह गांव में सैनिटरी पैड यूनिट लगाने और अचार-पापड़ उद्योग शुरू कर अधिक से अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना चाहती हैं। अनुपमा का कहना है कि उनकी सफलता में प्रदेश सरकार की योजनाओं का अहम योगदान रहा। स्टार्टअप फंड को 15 हजार से बढ़ाकर 1.5 लाख किए जाने से उन्हें बड़ा लाभ मिला। नोएडा और मुरादाबाद के ट्रेड शो में अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिला, जिससे उनका सामान देशभर के बाजारों तक पहुंचा। अनुपमा सिंह का कहना है कि इंसान जब हालात से हारने लगता है, तभी अपने परिवार के लिए बड़ा जोखिम उठाने का साहस करता है। बस एक कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है, सरकार और प्रशासन मदद के लिए तैयार हैं।

शारिक साठा की संपत्ति कुर्क, भारी पुलिसबल तैनात

संभल हिंसा का मास्टरमाइंड शारिक साठा दुबई में छिपा है, कुर्की की कार्रवाई के दौरान एसपी भी पहुंचे

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: 24 नवंबर 2024 को संभल में हुई हिंसा के मास्टरमाइंड दुबई में छिपे बैठे अंतरराष्ट्रीय ऑटो लिफ्टर गैंग के सरगना शारिक साठा के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में दीपा सराय स्थित उसके पैतृक मकान व संपत्ति को कुर्क कर लिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने डुगडुगी बजवाकर मुनादी कराई और सामान कब्जे में लेकर कमरा सील कर दिया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि अब शारिक साठा की गिरफ्तारी के प्रयास तेज होंगे।

24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान अचानक हिंसा के दौरान भीड़ ने पथराव, आगजनी और फायरिंग की थी। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 29 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए थे। विशेष जांच टीम की जांच में शारिक साठा को हिंसा का मास्टरमाइंड माना गया। पुलिस ने शारिक साठा के तीन गुर्गों मुल्ला अफरोज, गुलाम और वारिस को गिरफ्तार किया था लेकिन दुबई में छिपा होने की वजह से साठा पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका। 27 नवंबर 2025 को अदालत ने शारिक साठा के नाम कुर्की का नोटिस जारी किया था। इसके बाद भी वह हाजिर नहीं हुआ तो अदालत ने मंगलवार को उसकी चल अचल संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया था। बुधवार को तहसीलदार धीरेंद्र कुमार की मौजूदगी में पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई। चूंकि इसी मकान में साठा के दो अन्य भाई भी रहते हैं, इसलिए पुलिस ने मकान के एक कमरे को शारिक साठा का मानते हुए उसी कमरे में कुर्की की कार्रवाई की। पुलिस ने कमरे में रखे सभी सामान की लिस्ट तैयार करने के बाद उसे अपने कब्जे में ले लिया। उसके बाद दोनों दरवाजों पर ताला लगाकर सरकारी सील लगा दी गई।

शारिक साठा के घर की कुर्की से पहले दीपा सराय में मार्च करता पुलिस बल।

शारिक साठा का सामान ट्रक में लादते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

कुर्की से पहले कराई गई मुनादी

कुर्की की कार्रवाई शुरु करने से पहले शारिक साठा के मकान के बाहर ढोल बजवाकर मुनादी कराई गई।सीओ कुलदीप कुमार व अन्य पुलिस कर्मियों ने लाउड हेलर से एलान किया कि किस मुकदमें में शारिक साठा की संपत्ति कुर्क की जा रही है। मुनादी के बाद शारिक साठा के कमरे में रखे सामान की सूची बनाई। सामान को बाहर खड़े मिनी ट्रक में लदवा दिया गया। इसके बाद दोनों दरवाजों पर सील लगा दी गई।

पुलिस तैनाती के बीच हुई कार्रवाई, सहमे लोग

भारी संख्या में पुलिस, पीएसी व आरआरएफ के जवान सुबह दस बजे हिंदूपुरा खेड़ा पुलिस चौकी पर इकट्ठा हुए और वहां से अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह, सीओ असमोली कुलदीप कुमार व नखासा थाना प्रभारी संजीव बालियान के नेतृत्व में पैदल मार्च करते हुए दीपा सराय में शारिक साठा के मकान की तरफ बढे। पुलिस का लंबा काफिला सड़क पर निकला तो लोग सहम गये। इस दौरान आसपास के मकानों की छतों पर पुलिस जवानों को तैनात किया गया जबकि ड्रोन से भी निगरानी की गई।

कार्रवाई के दौरान मौजूद एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई। ● अमृत विचार

तिरंगा यात्रा लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे भाकियू कार्यकर्ता

जिलाधिकारी को ज्ञापन देते भाकियू महाशक्ति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, संभल/बहजोई

- पुरानी पेंशन बहाली की मांग डीएम को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के कार्यकर्ता बुधवार को तिरंगा यात्रा निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया को सौंपा। ज्ञापन में अर्द्धसैनिक बल, पुलिसकर्मियों की पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। होमगार्ड को 10,000 प्रतिमाह पेंशन देने के साथ ही पूर्व सांसदों और विधायकों की पेंशन समाप्त करने के अलावा पुलिस की ड्यूटी अवधि 12 घंटे निर्धारित करने की मांग रखी गई।

संगठन के अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जिन जवानों और पुलिसकर्मियों की बदौलत देश सुरक्षित है, उनकी पेंशन बंद कर दी गई, जबकि पूर्व सांसदों और विधायकों को आजीवन पेंशन दी जा रही है, यह अन्याय है। होमगार्डों को भी सम्मानजनक पेंशन मिलनी चाहिए। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष मिथिलेश शास्त्री, राष्ट्रीय सचिव वेद प्रकाश शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष प्रेमपाल यादव, बंटी सिंह लोधी, ठाकुर सुनील सिंह, सुमित जादौन, चौधरी रूप सिंह फौजी, पुष्पेंद्र यादव, फिरासत अली, अमित शर्मा, लेखराज यादव, भारत यादव, नवाब सिंह, श्रीराम भारती, रिंकू यादव सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

पर्चे खारिज होने पर भड़के सपाई, किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता, बबराला

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश ग्राम्य विकास बैंक लिमिटेड की गुन्नौर शाखा के डायरेक्टर पद के चुनाव को लेकर क्षेत्र में सियासी माहौल गरमा गया । चुनाव में धांधली, सपा समर्थकों पर हमला और विधायक पुत्र के साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बबराला में विधायक आवास पर धरना देकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। तनाव तब चढ़ा जबकि रिटर्निंग आफिसर ने सपा समर्थक व एक अन्य का पर्चा खारिज होने का एलान किया। अब गुन्नौर में भी भाजपा की जीत तय हो गई है।

शाम को रिटर्निंग ऑफिसर तहसीलदार रविन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि तीन नामांकन पत्रों में से योगेंद्र सिंह और ममता देवी के पर्चे खारिज कर दिए गए हैं। इसके साथ ही बैंक डायरेक्टर पद पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी चंद्रभान सिंह की निर्विरोध ताजपोशी तय हो गई है। हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए। इससे पहले बुधवार सुबह सपा विधायक रामखिलाड़ी सिंह यादव समर्थकों संग गुन्नौर में धरना देने के लिए रवाना होने वाले थे, लेकिन इसकी भनक लगते ही थाना पुलिस ने उनके आवास के बाहर घेरा डालकर उन्हें बाहर जाने से रोक दिया। इसके बाद विधायक ने अपने आवास पर ही धरना शुरू कर दिया। विधायक रामखिलाड़ी यादव ने कहा कि जब तक संबंधित नामांकन पत्र बहाल नहीं किया जाता, उनका धरना जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन पर लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा से जुड़े लोग गांव-गांव दहशत का माहौल बना रहे हैं। बहरहाल, सांझ ढलते ही धरना समाप्त कर दिया गया। धरने में सपा जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार, विधानसभा अध्यक्ष अमित यादव, सपा नेता भावेश यादव, पूर्व चेयरमैन मुजफ्फर अली कक्के, युवजन सभा जिलाध्यक्ष पप्पू यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बबराला में धरने पर बैठे सपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

गुन्नौर में तनाव को देखते हुए तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

- सपा समर्थकों पर हमला, विधायक पुत्र से मारपीट का आरोप
- तनाव के हालात देख तैनात किया गया भारी पुलिस बल

पुलिस प्रशासन सतर्क, रही कड़ी सुरक्षा

इधर, गुन्नौर में संभावित धरना-प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरे दिन चौकन्ना रहा। ब्लॉक की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरियर लगाकर लोगों की आवाजाही पर निगरानी की गई। पैठ बाजार के चलते आने-जाने वाले ग्रामीणों को एकत्र नहीं होने दिया गया। ब्लॉक परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात रहा। ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई, टीयर गैस स्क्वायड तैनात रहा और ब्लॉक जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर दी गई। वहीं बबराला में इंदिरा चौक स्थित विधायक आवास के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया।

न्यूज डायरी

प्रशिक्षण में गैस सिलेंडर की आग बुझाने का सिखाया हुनर

बबराला, अमृत विचार : एक बैंक्वेट हॉल में नागरिक सुरक्षा कोर नरोरा के सात दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण के तीसरे दिन बुधवार को अग्नि शमन पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में अग्नि शमन अधिकारी शदन पटेल ने आग से निपटने के उपायों की जानकारी दी। फायर स्टेशन प्रभारी ने गैस सिलेंडर से लगी आग को सुरक्षित तरीके से बुझाने का लाइव प्रैक्टिकल कर प्रशिक्षणार्थियों को व्यवहारिक जानकारी दी। इस दौरान प्रतिभागियों को आपात स्थिति में धैर्य, सतर्कता और सही तकनीक अपनाने के महत्व से अवगत कराया गया। चीफ वार्डेन योगेन्द्र सिंह यादव ने सभी प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। वहीं उपनियंत्रक अनुराधा सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को आपदा के समय समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक आपदा प्रबंधन में अहम भूमिका निभाते हैं और ऐसे प्रशिक्षण उन्हें और अधिक सक्षम बनाते हैं।

आरसी वसूली में लापरवाही पर एडीएम ने जताई नाराजगी

संभल/बहजोई, अमृत विचार : अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में कर-करेत्तर, न्यायालय राजस्व, चकबंदी वाद एवं चकबंदी विभाग के कार्यों सहित राजस्व संबंधी सीएम डैशबोर्ड और प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने व्यापार कर, स्टाम्प देय, खनन आदि की कम आरसी वसूली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए। कहा कि शत-प्रतिशत नीलामी की जाए, जिससे आरसी वसूली में तेजी लाई जा सके। आबकारी विभाग को शत-प्रतिशत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जीएसटी विभाग को ईंट भट्टों से संबंधित दिशा-निर्देश दिए गए। परिवहन विभाग से ओवरलोड वाहनों पर की जा रही कार्रवाई की जानकारी ली, वहीं श्रम विभाग को प्रवर्तन और आरसी वसूली में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। औषधि निरीक्षक से लाइसेंस से संबंधित जानकारी लेते हुए एडीएम ने कहा कि कार्रवाई पारदर्शी और नियमानुसार होनी चाहिए। मंडी आवक, खाद्य सुरक्षा विभाग और जिला औषधि विभाग को निर्देश दिया कि लाइसेंस लंबित न रहें और विभागों के आसपास किसी भी प्रकार के बिचौलिये न पनपने पाएं। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पांडेय, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, उप जिलाधिकारी संभल रामानुज एवं अन्य उपस्थित रहे।

हिंदू सम्मेलन: एकजुट होकर संस्कृति का करें संरक्षण

संभल/कैला देवी, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर संभल के कैला देवी धाम में बुधवार को हिंदू महासम्मेलन का आयोजन किया गया। संघ प्रचारक अनिल ने कहा कि भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के साथ हिंदुओं को आपसी मतभेद और जातिगत भेदभाव छोड़कर एकजुट रहना चाहिए। आश्रम के महंत एवं अंतर्राष्ट्रीय हरिहर सेना के संरक्षक ऋषिराज गिरी महाराज ने कहा कि संभल में हिंदुओं की संख्या 15 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को ऐसे धोखेबाज तत्वों से दूर रहना चाहिए, जिन्होंने हमारे अस्तित्व को मिटाने का प्रयास किया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी से भी कोई सामान खरीदने से पहले उसकी नीयत और गतिविधियों के प्रति सजग रहें। उन्होंने लोगों से अपनी बहन-बेटियों को संस्कार देने और ऐसे तत्वों से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की भी अपील की। संचालन नेकपाल सिंह ने जबकि अध्यक्षता गोकुल वाल्मीकि ने की। संघ चालक अरविंद अरोड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह रिंकू, विभाग प्रचारक शरद कुमार, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी, ब्लॉक प्रमुख पति हृदेश यादव, भाजपा नेता राजेश सिंघल, पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी, भुवनेश राघव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

एसआईआर नोटिस का जवाब देने को ब्लॉक में जुटे लोग

संभल/ओबरी, अमृत विचार : असमोली ब्लॉक क्षेत्र के गांवों में एसआईआर के दौरान आवेदनों में त्रुटियां पाए जाने पर करीब डेढ़ सौ लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। इन नोटिसों के जवाब के लिए बुधवार को ब्लॉक कार्यालय में दिन भर भीड़ जुटी रही। बुधवार को खंड विकास अधिकारी प्रेमपाल सिंह ने बतौर एआरओ नोटिस धारकों की उपस्थिति दर्ज कराई और उनसे संबंधित दस्तावेज जमा कराए। इस दौरान ब्लॉक परिसर में सुबह से ही ग्रामीणों का आना-जाना लगा रहा, जिससे वहां भीड़भाड़ की स्थिति बनी रही। बीडीओ ने बताया कि जो लोग इस बार भी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे, उन्हें एक बार फिर मौका दिया जाएगा।

चोरों ने 80 हजार रुपये व जेवरात पर किया हाथ साफ

संभल, अमृत विचार : थाना धनारी क्षेत्र के गांव वहीपुर निवासी अमर सिंह पुत्र नत्थू सिंह ने बताया कि रात में चोर घर में घुस आए और अलमारी में रखी नकदी व जेवरात समेट ले गए। बुधवार दोपहर पीड़ित ने थाना धनारी पहुंचकर चोरी की तहरीर दी। पीड़ित के अनुसार अलमारी में रखे 80 हजार रुपये नकद के अलावा करीब 400 ग्राम चांदी के आभूषण, पाजेब, कुंडल और नथ चोरी हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

इल्म से ही इंसान बनता है बादशाह

सिरसी, अमृत विचार: मदरसा इस्लामिया हनाफिया इस्ला-हुल-कौम के तत्वावधान में सालाना तालीमी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जलसे का आगाज कुरान की तिलावत से किया गया। इसके बाद नाते पाक मोहम्मद ओवैस और कारी साजिद रज़ा ने पेश की। गुलाम गौस ने नबी-ए-करीम का पूरा शजरा पढ़ा।

मौलाना गुलाम रब्बानी ने कहा कि इस्लाम अमन और शांति का पैगाम देता है। नबी-ए-करीम ने फरमाया था कि इल्म के लिए चीन तक जाना पड़े तो भी जाओ। मुख्य अतिथि सैयद समदानी मियां किछोछा शरीफ ने कहा कि इल्म के बगैर इंसान अंधा है। इल्म इंसान को बादशाह बनाता है, जबकि जहालत इंसान को गुलाम बनाती है। अपनी नस्लों को आबाद करना है तो ज्यादा से ज्यादा इल्म हासिल करना होगा। जलसे के दौरान 28 हाफिज और कारियों की दस्तारबंदी की गई। संचालन मौलाना शमशाद बदायूं ने किया, जबकि सदारत मुफ्ती आलम नूरी ने की। हाजी अब्दुल सत्तार, सिरसी जामा मस्जिद के इमाम कारी नूरानी, शमीम मेंबर, कारी अब्दुल शकूर, हाफिज अली हुसैन, हाफिज शमशाद, मौलाना शान-ए-आलम, हाफिज कामिल, कारी यशदानी, हाफिज गुलाम रब्बानी, मास्टर शान-ए-आलम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

- तालीमी कॉन्फ्रेंस में 28 हाफिज कारियों की हुई दस्तारबंदी
- समदानी मियां किछोछा शरीफ ने इल्म हासिल करने पर दिया जोर

सिरसी में जलसे को खिताब फरमाते उलेमा। ● अमृत विचार

बीकानेर रेस्टोरेंट और पार्टनरों के घर जीएसटी की छापेमारी

कार्यालय संवाददाता, संभल

- तीन टीमों की कार्रवाई देर रात तक जारी

अमृत विचार: जीएसटी की टीम ने बुधवार को बीकानेर रेस्टोरेंट व उसके दो पार्टनरों के आवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जीएसटी विभाग की तीन टीमों ने एक साथ पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। टीमों की कार्रवाई देर रात तक जारी रही।

बुधवार दोपहर को राज्यकर विभाग की टीम ने आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर गांव मझावली के निकट बीकानेर रेस्टोरेंट पर कार्रवाई शुरु की। विभाग की दूसरी टीमों ने रेस्टोरेंट मालिक संचित अग्रवाल और उनके पार्टनर रौनक अग्रवाल के आवासों पर जाकर कार्रवाई की। एक साथ तीन स्थानों पर हुई इस कार्रवाई से चंदौसी शहर और आसपास के इलाके में बड़े कारोबारियों में हड़कंप मच गया। छानबीन में जीएसटी विभाग को कुछ अहम कागजात हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर रेस्टोरेंट मालिकों से पूछताछ की जा रही है। घरों से भी कुछ दस्तावेज मिलने की जानकारी है, हालांकि विभाग के किसी अधिकारी ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। मुरादाबाद के डिप्टी कमिश्नर मिलन राज के नेतृत्व में आई तीन टीमें पुलिस बल की मौजूदगी में देर रात तक कार्रवाई करती रहीं। बताया गया कि बीकानेर रेस्टोरेंट के मालिक और उनके पार्टनर का प्रॉपर्टी डीलिंग में भी बड़ा कारोबार है। ऐसे में टीमें रेस्टोरेंट के साथ ही प्रॉपर्टी कारोबार के भी कागजात खंगाल रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

हर न्याय पंचायत में शिक्षा चौपाल 24 को

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में एक साथ 'शिक्षा चौपाल' का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समितियों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से बच्चों की बुनियादी भाषा और गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ करना है। यह जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने बताया कि सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को बालवाटिका के प्रभावी संचालन, बच्चों के नामांकन व नियमित उपस्थिति, और शिक्षा के दीर्घकालिक महत्व को लेकर निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, विद्यालयों में उपलब्ध प्रिंट-रिच सामग्री, गणित किट, क्रियाशील पुस्तकालय, खेल सामग्री और डिजिटल संसाधनों (स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, दीक्षा, खान अकादमी, टीचर्स ऐप) की जानकारी साझा की जाएगी। प्रत्येक न्याय पंचायत के लिए 10 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

आगरा-अलीगढ़ में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। आगरा और अलीगढ़ मंडलों में सर्जिकल प्रैक्टिस के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। यह निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। आगरा मंडलायुक्त कार्यालय से बुधवार को आयोजित वर्चुअल बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि एस.एन. मेडिकल कॉलेज के सहयोग से दोनों मंडलों में एक-एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जाएगा, जिससे सर्जिकल प्रशिक्षण एवं उपचार की गुणवत्ता में सुधार होगा। बैठक में एनएचएम की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने कहा कि गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन की दक्षता और जवाबदेही जरूरी है। बैठक में स्वास्थ्य महानिदेशक समेत वरिष्ठ अधिकारी, दोनों मंडलों के मंडलीय अपर निदेशक, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण आजीविका में बनाया रिकॉर्ड

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए 23 लाख से अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। ग्रामीण रोजगार गारंटी व्यवस्था के तहत महिलाओं की भागीदारी अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। मानव दिवस सृजन में महिलाओं की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो यह दर्शाता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अब महिलाएं केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं सिर्फ श्रमिक नहीं, बल्कि मेट के रूप में निगरानी, प्रबंधन और नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 32 हजार से अधिक महिला मेट्स को कार्य सौंपा गया है। ये महिलाएं कार्यस्थलों पर श्रमिकों की हाजिरी, काम की गुणवत्ता और प्रबंधन का दायित्व निभा रही हैं। सरकार ने इन महिला मेट्स को 111 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे बैंक खातों में अंतरित की है, जिससे पारदर्शिता और भरोसे की भावना मजबूत हुई है।

अटल विद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और आने वाले वर्षों में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे। यह बात बुधवार को मिशन निदेशक पुलकित खरे ने समीक्षा बैठक में कहीं। बैठक में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (बीओसीडब्ल्यू) योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लाभार्थियों के सत्यापन तथा प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जाने पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। प्रशिक्षण के लिए स्वास्थ्य सेवा, ब्यूटी एवं वेलनेस, फूड प्रोसेसिंग, आईटी एवं आईटीईएस तथा परिधान जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। बैठक में पूजा यादव (सचिव, यूपीबीओसीडब्ल्यू), अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाएगा यूपी दिवस : मुख्यमंत्री

योगी ने की कार्यक्रमों की तैयारी की समीक्षा, सजेंगी संस्कृति-लोककलाएं व शिल्प, 'एक जनपद-एक व्यंजन' मुख्य आकर्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. दिवस प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, विकास यात्रा और जनसहभागिता का भव्य उत्सव बनेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि यह प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। सांस्कृतिक उत्सव, लोककलाएं और शिल्प मेले सजेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि हर जिले की भागीदारी और प्रदेश की आत्मा स्पष्ट रूप से झलके। 'एक जनपद-एक व्यंजन' आयोजन का मुख्य आकर्षण होगा, जहां हर जिले का स्वाद मिलेगा।

तैयारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं गरिमा, अनुशासन और समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं। राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में किया जाएगा। इसके साथ ही सभी जिलों में स्थानीय स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे, ताकि उत्तर प्रदेश दिवस का उत्सव एक साथ पूरे प्रदेश में मनाया जा सके।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला लगाया जाएगा। इसमें प्रदेश की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। हर जिले के पारंपरिक और विशिष्ट व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे।

संस्कृति उत्सव से जुड़ेगा यूपी दिवस

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश दिवस से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए। उन्होंने कलाकारों और आगंतुकों के लिए समुचित सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारी को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

संस्कृति उत्सव के लिए 1.75 करोड़ की मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उत्तर प्रदेश दिवस को संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्रभावी रूप से जोड़ने के निर्देश के बाद सभी 75 जिलों के लिए 1.75 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। प्रति तहसील 50 हजार की धनराशि कार्यक्रमों पर खर्च होगी। संस्कृति विभाग के संयुक्त निदेशक उमा द्विवेदी की ओर से निदेशालय को भेजे गए शासनादेश के अनुसार, संस्कृति उत्सव के तहत लोकनृत्य, लोकगीत, शास्त्रीय व लोक संगीत, नाटक, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति, सांस्कृतिक मेले और क्षेत्रीय कला रूपों को मंच प्रदान किया जाएगा। स्थानीय कलाकारों को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि मानदेय और आवागमन भत्ता भी प्रदान किया जाएगा।

दो ग्राम पंचायतों से आधार सेवाएं शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायती राज विभाग ने लखनऊ में ग्राम पंचायत स्तर पर आधार केंद्रों की शुरुआत कर दी है, जिससे ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाएं अब अपने गांव में ही उपलब्ध हो सकेंगी। ब्लॉक सरोजनीनगर की ग्राम पंचायत भटगवां पांडेय व चिनहट ब्लॉक की सैरपुर ग्राम पंचायत में आधार सेवाएं शुरू की गई हैं। पहले दिन 40 से अधिक ग्रामीणों को आधार से संबंधित सेवाएं प्रदान की गई हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने कहा कि पहले चरण में प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में आधार सेवाएं शुरू की जाएंगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से यह सुविधा प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों तक विस्तारित की जाएगी।

नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर

पीठासीन अधिकारी सम्मेलन : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोगों को किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह में लोकतंत्र को अधिक सशक्त, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने का स्पष्ट संकल्प उभरकर सामने आया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती मिली है। सुशासन, सामाजिक कल्याण, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश के क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जो पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के ऐसे सम्मेलन लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता की अपेक्षाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। इन मंचों पर हुए संवाद केवल विमर्श तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इनके ठोस और सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखने चाहिए। उन्होंने नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं जनता के और निकट आएंगी तथा जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ेगी।

यूपी का विजन डॉक्यूमेंट आदर्श- हरिवंश : समापन सत्र में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उत्तर प्रदेश के "विजन-2047" डॉक्यूमेंट की सराहना करते हुए इसे सभी राज्यों के लिए आदर्श बताया। **बदले उत्तर प्रदेश की छाप देश के सामने- सतीश महाना :** उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुशासन, त्याग और जनता के साथ निरंतर संवाद के जरिए बदले हुए उत्तर प्रदेश की मजबूत प्रशासनिक छाप देश के सामने रखी है।

लखनऊ में आयोजित सम्मेलन के समापन समारोह में पीठासीन अधिकारियों को संबोधित करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

सम्मेलन में छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित

अमृत विचार, लखनऊ : 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में विधायी कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनकेन्द्रित बनाने को लेकर तीन प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई, जिसके उपरांत छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सम्मेलन के समापन के बाद बुधवार को विधानभवन स्थित तिलक हॉल में पत्रकारों को इसकी जानकारी दी।

विधानभवन में पारित छह प्रमुख संकल्प

1. सभी विधानसभाएं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगी।
2. राज्य विधानमंडलों में वर्ष में कम से कम 30 बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाएं अधिक उत्तरदायी बन सकें।
3. विधायी कार्यों में प्रौद्योगिकी और एआई का उपयोग बढ़ाया जाएगा, लेकिन नैतिकता, जवाबदेही और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जाएगी।
4. पंचायत से लेकर लोकसभा तक सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं में संवाद और समन्वय के लिए आदर्श नेतृत्व को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
5. विधायकों की क्षमता वृद्धि के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग, रिसर्च विंग की मजबूती, डिजिटल लाइब्रेरी और पुरानी बहसों का डिजिटलीकरण किया जाएगा।
6. विधायी निकायों के कार्य संचालन का वस्तुनिष्ठ मानकों पर मूल्यांकन और तुलनात्मक आकलन करने के लिए राष्ट्रीय विधायी सूचकांक बनाया जाएगा, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

कृषि उत्पादन बढ़ाने को 600 करोड़ के बजट को हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कृषि विश्वविद्यालयों में अवस्थापना विकास और किसानों को विद्युत आपूर्ति के लिए मिली वित्तीय स्वीकृतियां**

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कृषि उत्पादन को गति देने, किसानों को रियायती दरों पर विद्युत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की हैं। बजट उपलब्ध होने से किसानों को सिंचाई में राहत मिलेगी और कृषि विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

शासन ने कृषकों के निजी नलकूपों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उप्र. विद्युत निगम को अनुदान योजना के अंतर्गत 60,000 लाख रुपये (600 करोड़ रुपये) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि जनवरी 2026 से मार्च 2026 की अवधि के लिए किसानों को दी जाने वाली विद्युत सब्सिडी की प्रतिपूर्ति हेतु उपयोग की जाएगी। कृषि महाविद्यालय, हरदोई परिसर में 75 कमरों के आधुनिक बालक छात्रावास के निर्माण के लिए 18.32 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कृषि महाविद्यालय, आजमगढ़ को विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा राज्य कृषि विकास योजना अंतर्गत कृषि उत्पादन वृद्धि योजना के लिए 4.30 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति भी जारी की गई है। संबंधित विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि योजनाओं का लाभ सीधे किसानों और विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

साधु-संतों के अपमान का लगाया आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर साधु-संतों और शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य और सभी साधु-संत हमारे समाज की शोभा हैं और जनता उनसे आशीर्वाद लेने आती है। सपा प्रमुख ने बुधवार को राजधानी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर अधिकारी शंकराचार्य से उनके परिचय और प्रमाण पत्र मांग रहे हैं तो यह सनातन धर्म का अपमान है। भाजपा सरकार संविधान, कानून और परंपरा की अवहेलना कर रही है और साधु-संतों, माघ मेले और देश की धार्मिक भावनाओं के साथ असम्मानपूर्ण व्यवहार कर रही है।

महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं अपर्णा यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और भाजपा की नेता अपर्णा यादव लखनऊ में बुधवार को राज्य महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं। जबसे उनके पति व मुलायम सिंह यादव के पुत्र प्रतीक यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट साझा करके तलाक देने का एलान किया है, तबसे वह मीडिया और कार्यक्रमों से दूर हैं। हालांकि बुधवार को उनके एक्स हैंडिल से शाम को 5.30 बजे भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई दी है। 18 जनवरी के बाद यही एक मात्र पोस्ट है।

लखनऊ में बुधवार को उप्र. राज्य महिला आयोग में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक एक कार्यशाला" का आयोजन किया गया था।

सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद

अपर्णा यादव ने सोशल मीडिया पर अपने सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि अपर्णा की सोशल मीडिया टीम ने यह फैसला उनके पति प्रतीक यादव की तलाक वाली पोस्ट के बाद लिया है।

प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र के लिए आवेदन होंगे ऑनलाइन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **10 लाख की आबादी पर बनेगा एक प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र**

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और प्रशिक्षित चालकों को ही स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में नए प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र (एडीटीसी) खोले जाएंगे। आटोमेटेड ड्राइविंग ट्रैक का नए सेंटर शुरू के लिए आवेदन प्रक्रिया को अब ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने दी।

परिवहन मंत्री ने बुधवार को बताया कि वाहन के चालन प्रशिक्षण को वैज्ञानिक, व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में संशोधन किए गए हैं। उक्त क्रम में प्रत्यायन प्राप्त चालन प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं उनके क्रियान्वयन के लिए नए प्रावधान जोड़े गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक केन्द्रों की स्थापना एवं रख-रखाव के लिए आवेदन प्रक्रिया ऑफलाइन थी, लेकिन अब नए विकसित पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। पोर्टल को शीघ्र ही लाइव कर दिया जाएगा।

58 जिलों में बदलेगी प्रक्रिया

मंत्री दया शंकर सिंह ने बताया कि अब तक 58 जिलों (आईडीटीआर एवं डीटीटीआई को छोड़कर) में प्रत्यायन प्रशिक्षण केन्द्रों की कार्रवाई ऑफलाइन माध्यम से की जा रही थी, लेकिन आगे से सभी जिलों में आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 10 लाख की आबादी पर एक प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाने का प्रावधान है। वर्तमान में लगभग 21 जिलों में इन प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

मुलाकात...

जनभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट कर 'मोदी : वैश्विक व्यवस्था के शिल्पकार' पुस्तक भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट के दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट करते मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर।

क्रूरता बनाम मानवीयता — उन्नाव में झोलाछाप ने गोकशी या गलाघोंटू से बचाव का यूट्यूब देख बिगाड़ा केस, बरेली में जटिल सर्जरी कर गाय को दिया गया जीवनदान

सांस व खाने की नली काटकर डाला पाइप, आईवीआरआई ने बचाई जान

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ/महिपाल गंगवार, बरेली

- **अत्यधिक रक्तस्राव होने और सांस में तकलीफ होने की वजह गोवंश के बचने की संभावना थी कम**

अमृत विचार : भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) बरेली के प्रधान वैज्ञानिक अभिजीत पावडे ने निराश्रित गाय की सांस नली काटकर क्रूरता से डाला गया करीब 10 इंच का पाइप निकाल दिया। साथ ही डॉ. अमन तिवारी, डॉ हर्षा, डॉ. बलकरण आदि के साथ ढाई घंटे की जटिल सर्जरी कर काटी गई सांस व खाने की नली दोबारा जोड़ उस गोवंश को नया जीवनदान दिया। 'अमृत विचार' के प्रयास से आखिरकार क्रूरता के शिकार इस गोवंश को राहत मिली।

दरअसल, उन्नाव के दयालखेड़ा में किसी झोलाछाप ने निराश्रित गाय को गलाघोंटू से बचाने या फिर शोध करने के लिए सांस की नली काट दी। सांस लेने के लिए नली के एक हिस्से में करीब 10 इंच का पानी का पाइप डाल दिया। इस अप्रशिक्षित कृत्य से खाने की नली भी कटकर अलग हो गई। अधिक रक्तस्राव व हालत गंभीर होने पर उसे छोड़कर किनारे हो गया। रविवार को उन्नाव की हनुमंत जीव आश्रय संस्था ने गाय का रेस्क्यू किया। रात को निजी चिकित्सकों को दिखाया तो हाथ खड़े कर दिए। दूसरे दिन सोमवार को नवाबगंज पशु चिकित्सालय के योग्य सर्जन डॉ. राजेश मौर्या के पास ले गए। उन्होंने भी जटिल सर्जरी और बचने की उम्मीद कम बताकर बरेली ले जाने की सलाह दी। आठ घंटे का सफर तय करने के लिए जरूरी उपचार दिया।

इधर, संस्था के कुछ लोगों ने आईवीआरआई के निदेशक डॉ. त्रिवेदी दत्त को अवगत कराते हुए सहयोग मांगा। उन्होंने तत्काल डॉ. किरनजीत सिंह विभागाध्यक्ष और पीआरओ सतीश जोशी को सर्जरी के लिए निर्देशित किया। साथ ही प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अभिजीत पावडे के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम गठित कर मंगलवार सुबह जटिल सर्जरी कराई। निदेशक निराश्रित गाय और उसकी यह स्थिति देख स्वयं ओटी देखने पहुंच गए। सब कुछ ठीक होने पर उन्नाव वापस भेज दिया। वहां, डिप्टी सीवीओ सदर डॉ. संजय चतुर्वेदी की निगरानी में आगे का उपचार किया गया।

गाय के गले में पड़ा पाइप।

आईवीआरआई बरेली में सर्जरी के बाद गाय।

एक नली थी गायब, अनास्टोमोसिस विधि से ढूंढकर जोड़ी

सर्जरी के दौरान सांस की नली का एक हिस्सा गायब था। जिसे ऊतक संधि या अनास्टोमोसिस विधि द्वारा एसेल्यूलर ग्राफ्ट यानी कोशिकाविहीन प्रत्यारोप की मदद से ढूंढकर जोड़ा गया। इसके बाद खाने की नली को भी इसी विधि से खोजकर जोड़ा। चूंकि पाइप के निकलते ही बहुत रक्तस्राव भी हुआ। एक्सरे में साफ दिख रहा कि पाइप के लचीले पन की वजह से अंदर डालने के बाद वह मुड़ गया। पाइप मुड़ा होने की वजह से सांस ठीक से आ जा नहीं पा रही थी। अतिउत्साहित झोलाछाप के इस कार्य से पशु की जान पर बन आई।

गोकशी की आशंका यह 5वां केस

डॉ. अभिजीत ने बताया कि गाय की श्वास नली यानी ट्रेकिया और खाने की नली यानी इसोफैगस दोनों कटी थी। प्रथमदृष्टया गोकशी का केस है। इस तरह के यूपी के चार जटिल केस की वह सर्जरी कर चुके हैं। ऐसा ही यह पांचवां केस है। किसी व्यक्ति द्वारा बचाव करके झोलाछाप को दिखाया गया। उसने अपूर्ण ज्ञान जो की यूट्यूब वीडियो के माध्यम से देखकर श्वास नली में एक घरेलू पानी का पाइप 10 इंच तक का ट्रेकिया में डाल दिया और एक इंच पाइप बाहर सांस लेने के लिए बाहर लटका दिया। इससे खून और गंदगी भी सांस के द्वारा फेफड़ों में जाती रही। झोलाछाप की यह प्रैक्टिस जानलेवा हो गई।

अमृत विचार

गुरुवार, 22 जनवरी 2026

भाजपा में नवीन युग

पार्टी के पैदा होने के बाद जन्म लेने वाले 45 साल के नितिन नवीन भाजपा यानी दुनिया की सबसे बड़ी और भारत की सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल एक व्यक्ति का उदय नहीं, बल्कि राजनीति की कार्यशैली में संभावित पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है। स्वाभाविक है कि इसका असर अन्य दलों पर भी पड़ेगा और वहां भी युवा नेतृत्व को आगे लाने का दबाव बनेगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल या अन्य तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह सवाल उठ सकता है कि क्या वे भी नेतृत्व की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने का साहस कर सकते हैं। यदि वास्तव में युवाओं को निर्णायक जिम्मेदारी मिलती है, तो पार्टी व राजनीति दोनों में कुछ सकारात्मक बदलाव दिख सकते हैं। युवाओं की सोच अपेक्षाकृत अधिक तकनीक-संवेदी, डेटा-आधारित और परिणामोन्मुख होती है। संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही, सोशल मीडिया व जमीनी नेटवर्क का बेहतर तालमेल और जाति-गणित से आगे बढ़कर विकास व अवसर की राजनीति को प्राथमिकता मिलने की संभावना बढ़ेगी। हालांकि अनुभव की कमी एक चुनौती रहेगी, लेकिन सही मार्गदर्शन के साथ यह कमजोरी ताकत में बदली जा सकती है। संभव है संसदीय बोर्ड और राष्ट्रीय महासचिव जैसे शीर्ष निकायों में भी युवा बदलाव आए। कार्यकारिणी में 60-70 प्रतिशत युवाओं को शामिल करने का वादा कठिन जरूर है, पर असंभव नहीं। इसके लिए संगठन को वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा के संतुलन का मॉडल अपनाना होगा। नए अध्यक्ष के सामने तात्कालिक चुनौती संगठनात्मक अनुशासन यथावत रखने और आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदर्शन सुधारने की होगी, जबकि दीर्घकालिक चुनौती 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी है, जो परिसीमन के बाद होंगे। सरकार, संघ और संगठन के बीच तालमेल बैठाना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

यूपी की राजनीति नितिन नवीन के लिए निर्णायक साबित होगी। 2027 में सत्ता की हैट्रिक का लक्ष्य संगठन पर भारी दबाव डालेगा। लोकसभा चुनाव में पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक समीकरण का असर दिख चुका है, जिसकी काट के लिए सामाजिक प्रतिनिधित्व, स्थानीय नेतृत्व और कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी डिलीवरी पर जोर देना होगा। दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में भी परीक्षा कम नहीं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी के चुनाव भाजपा के लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियां पेश करते हैं। असम में वापसी और बंगाल में जीत संभव है, लेकिन तमिलनाडु व केरल में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना दीर्घकालिक रणनीति मांगता है। महिला आरक्षण लागू होने की स्थिति में 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों का चयन संगठनात्मक ढांचे को नए सिरे से गढ़ने की मांग करेगा। परिसीमन के बाद उत्तर-दक्षिण संतुलन और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर सहमति बनाना भी नवीन के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौतियां होंगी। साथ ही 2029 तक नरेंद्र मोदी के बाद के नेतृत्व को लेकर चलने वाली अटकलों के बीच उन्हें आलाकमान के फैसलों और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। नए पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे युवा ऊर्जा को संस्थागत अनुशासन और वैचारिक निरंतरता के साथ कितनी कुशलता से जोड़ पाते हैं।

प्रसंगवश

संघ का सतत सेवा कार्य

भारतीय समाज अपनी सहनशीलता और समन्वय की क्षमता के लिए विश्वविख्यात है। इस विशाल समाज के बीच यदि कोई संस्था अपने ध्येय, अनुशासन और सात्विक सेवा के कारण जनमानस के हृदय में स्थान बनाए हुए है, तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा मात्र एक शाखा से रोपित यह बीज आज विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के रूप में वटवृक्ष बन चुका है। संघ का लक्ष्य राजनीतिक लाभ या प्रचार नहीं, बल्कि एक संगठित, सशक्त और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है, जिसे वह चरित्र निर्माण और सतत सेवा के जरिए पूरा करता है। संघ की सेवा-परंपरा "सबका हित, सबका उन्नयन" के मूल चिंतन का विस्तार है। संघ मानता है कि समाज तभी प्रगति कर सकता है, जब प्रत्येक नागरिक एक-दूसरे के प्रति उत्तरदायी बने। यही कारण है कि शाखा-व्यवस्था में शारीरिक और बौद्धिक संस्कारों के साथ-साथ 'सेवा' को प्रमुख स्थान दिया गया। आज संघ और उसके प्रेरित संगठनों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामविकास और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हजारों प्रकल्प सक्रिय हैं, जो किसी प्रचार के बिना मौन तपस्या की तरह कार्य कर रहे हैं। संघ के सेवा-कार्य का आधार उसका स्वयंसेवक है, जो किसी वेतन या पुरस्कार की अपेक्षा के बिना राष्ट्र-समर्पण के भाव से कार्य करता है। शाखाओं में यह भाव जागृत किया जाता है कि "समाज की पीड़ा मेरी पीड़ा है।" इसीलिए संघ का कार्य राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना निरंतर और आत्मनिष्ठा पर आधारित रहता है। आज सुदूर ग्रामीण इलाकों, जनजातीय क्षेत्रों और शहरी मलिन बस्तियों तक सेवा भारती, विद्या भारती, वनवासी कल्याण आश्रम और राष्ट्रीय सेवा भारती जैसे संगठन सक्रिय हैं।

प्रो. विवेकानंद तिवारी

अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

शिक्षा और स्वास्थ्यः शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती और एकल विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि उसे भारतीय मूल्यों और सामाजिक समरसता से जोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा भारती के चल चिकित्सा केंद्र, निःशुल्क अस्पताल और रक्तदान शिविर समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंच रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान स्वयंसेवकों ने भोजन वितरण से लेकर अंतिम संस्कार तक के कार्यों को जिस निष्ठा से संपन्न किया, उसने इस सेवा-तंत्र की सक्षमता को सिद्ध कर दिया। ग्रामविकास और आपदा प्रबंधनः दीनदयाल शोध संस्थान जैसे प्रकल्पों ने 'समग्र ग्राम विकास' का मॉडल प्रस्तुत किया है, जो आत्मनिर्भर ग्रामों का निर्माण करता है। इसी प्रकार वनवासी कल्याण आश्रम जनजातीय समाज के उत्थान और संस्कृति-संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आपदा प्रबंधन में भी संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वाली टोली होते हैं। भूकंप, बाढ़ या महामारी हर संकट में स्वयंसेवकों ने बिना किसी भेदभाव के राहत और पुनर्वास के कार्य किए हैं।

संघ के सेवा-कार्य का सबसे अद्भुत पक्ष यह है कि ये कार्य किसी एक केंद्रीय आदेश से नियंत्रित नहीं होते। प्रत्येक स्वयंसेवक, प्रत्येक शाखा, प्रत्येक विभाग और प्रत्येक आनुषंगिक संगठन सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए स्वयं ही प्रकल्प प्रारंभ करता है। संघ की रचना लोकतांत्रिक, विकेंद्रित और आत्मनिर्भर है। इसीलिए यह सेवा-कार्य लंबी अवधि तक स्थिर, प्रभावी और सतत बना रहता है। संघ अपने स्वयंसेवकों को केवल सेवा का नहीं, बल्कि सहअस्तित्व, समरसता, स्वावलंबन और संस्कारयुक्त समाज के निर्माण का मार्ग दिखाता है। संघ का सेवा-कार्य किसी एक व्यक्ति, संगठन या नेतृत्व पर आधारित नहीं है, यह समाज की अपनी शक्ति, समाज की अपनी संवेदना और समाज की अपनी रचनात्मकता का विस्तार है। सेवा केवल सहायता नहीं, बल्कि परिवर्तन का माध्यम है और यही परिवर्तन संघ के कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

जिस तरह से विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न धाराएं अपना जल समुद्र में मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य द्वारा चुना हर मार्ग, चाहे अच्छा हो या बुरा भगवान तक जाता है।

–स्वामी विवेकानंद

आरएसएस के पंच परिवर्तन से समाज में आएगा बदलाव

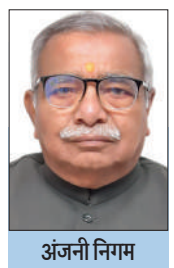

अंजनी निगम

वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश ही नहीं विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी स्वयंसेवी सामाजिक संगठन है, जो कहीं से भी अनुदान नहीं लेता, बल्कि अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से देश के लोगों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना बीते सौ सालों से जगा रहा है। विक्रम संवत 1982 में विजयादशमी अर्थात 27 सितंबर 1925 को नागपुर में संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से इस कार्य की शुरुआत हुई थी और अपनी शाखाओं के माध्यम से और समाज की सहभागिता से संगठन सौ वर्षों से निरंतर इस कार्य को कर रहा है।

संघ की स्थापना डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार ने की थी। वर्ष प्रतिपदा अर्थात पहली अप्रैल 1889 को जन्मे केशव बचपन में एक स्कूल में पढ़ते थे, जहां निरीक्षण के लिए अंग्रेज इंस्पेक्टर आया, तो उसके स्वागत में अपने साथियों के साथ वंदेमातरम् का गायन किया और परिणामस्वरूप उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। डॉक्टरी की पढ़ाई करने कोलकाता गए, तो वहां क्रांतिकारियों के संगठन से जुड़ गए और 1921 में महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरु हुए असहयोग आंदोलन में सत्याग्रह कर जेल गए जहां एक साल रहे। कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना होने के बाद वे जीवनपर्यंत इसी कार्य में लगे रहे। उनकी ध्येय निष्ठा और लगन का ही परिणाम है कि इस समय देश के 924 जिलों में से 98 फीसद से अधिक में संघ की शाखाएं चल रही हैं।

इन सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है। अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में संघ ने संगठन को समाज व्यापी बनाने के लिए कई कार्यों का प्रारंभ किया है, जिनमें सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कार्य है पंच परिवर्तन। संघ मानता है कि राजनीतिक सत्ता पर आश्रित न रहकर समाज आधारित रचनाएं खड़ी करने के आग्रह के कारण परिवर्तन शास्वत परिणाम में परिवर्तित होता है। संघ की शाखाओं में इस बात को लेकर एक गीत "केवल सत्ता से मत करना परिवर्तन की आस, जागृत जनता के केन्द्रों से होगा अमर समाज" गाया जाता है। बस इसी गीत को चरितार्थ करने और समाज के स्वभाव में समरस करने के भाव से संघ ने पांच विशिष्ट कार्य अपने हाथ में लिए हैं, जिनमें सबसे पहला है "सामाजिक समरसता"।

देश की स्वतंत्रता के बाद बने संविधान में राजनीतिक समानता और सामाजिक समरसता को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। सामाजिक समानता बंधुता के बिना नहीं आ सकती है, भेदभाव की भावना से मुक्त हुए बिना समानता बहुत ही कठिन कार्य है। सामाजिक समरसता हिंदू समाज की स्वाभाविक विशेषता है, लेकिन विभिन्न कारणों से सामाजिक भेदभाव और कुरीतियों का लंबे समय तक प्रचलन रहा, जिसके परिणामस्वरूप समाज के कुछ अंगों को लगातार प्रताड़ना झेलनी पड़ी। इस सामाजिक बुराई को समाप्त करना अति आवश्यक है। भगवान श्रीकृष्ण भी गीता में कहते हैं कि चारो वर्ण गुण और कर्म पर आधारित हैं, न कि जन्म पर।

किसी भी धर्मग्रंथ में भी जन्म आधारित भेदभाव का जिक्र नहीं है और कोई भी कार्य ऊंचा या नीचा नहीं होता है। धर्म के अनुरूप समाज के हित में किया गया हर कार्य सत्कर्म होता है। शारीरिक कार्य भी उतना ही अधिक महत्व रखता है जितना बौद्धिक कार्य, लेकिन बीच के काल में हमारे समाज में यह बुराई आ गई कि जो जिस परिवार में जन्मा उसे उसी कार्य को करने का अधिकार है। संघ कहता है "हिन्दवः सोदरा सर्वे, न हिन्दु पतितो भवेत" अर्थात सारे हिन्दू भाई हैं और कोई भी पतित नहीं है। समरसता के भाव से ही समाज में समानता आती है। मंदिर में प्रवेश, जल के स्रोत, श्मशान व सार्वजनिक क्षेत्र सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हों, यह कार्य सभी को मिलकर सुनिश्चित करना होगा। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा आयाम पर्यावरण संरक्षण है। पर्यावरण असंतुलन आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। पर्यावरणीय असंतुलन के परिणाम स्वरूप "ग्लोबल वार्मिंग" का खतरा हर ओर मंडरा रहा है, जिसे ठीक करने के लिए सबको मिलकर आगे आना होगा। जंगलों के महत्व को समझने के साथ ही पानी का संतुलित उपयोग करना होगा।

पंच परिवर्तन में तीसरा कार्य कुटुंब प्रबोधन का है। भारतीय दर्शन में परिवार को समाज की सबसे छोटी इकाई माना गया है। हमें अपने परिवारों में पुत्र-पुत्रियों, नाती-पोतों के साथ आनंद के संग रहना चाहिए। घर में यदि रोज न संभव हो, तो सप्ताह में एक दिन सब मिलकर मोबाइल और टीवी से दूरकर साथ भोजन और भजन करें। एक दूसरे के साथ मधुर संवाद करते हुए मातृशक्ति का सम्मान करें और समाज के सामने आदर्श हिंदू परिवार का उदाहरण प्रस्तुत करें।

स्व की भावना का संचार करना चौथा परिवर्तन है। आर्थिक हों या सांस्कृतिक हर क्षेत्र में हमें स्व की भावना को सर्वोपरि रखते हुए अपने पैरों पर खड़े होना है। स्वदेशी जीवनशैली न केवल आर्थिक, बल्कि व्यापक और व्यावहारिक बदलाव लाएगी। स्वभाषा, स्वभूषा और स्वसंस्कृति को समझने के साथ ही उसे अपनाते हुए गर्वानुभूति होना चाहिए। पांचवां और अंतिम परिवर्तन नागरिक कर्तव्यबोध और शिष्टाचार है। प्रत्येक नागरिक में यह बोध जगाना होगा कि वे अपने देश के संविधान, प्रतीकों और राष्ट्रीयता का सम्मान करें। चुनावों को देशहित में मानते हुए मतदान अवश्य करें। सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें। व्यक्तिगत रूप से नागरिक कर्तव्यों का पालन करने से ही जागृत समाज का निर्माण हो सकेगा।

> सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है।

आमने

नई भाजपा के अंदर अब मजबूत व्यक्तित्व वाले और अपनी ख़ुद की राजनैतिक जमीन वाले नेताओं के लिए क्या बचा है? नितिन को बॉस कहकर वो अपने अहम को आश्वस्त कर रहे हैं कि उनको "संजय जोशी" या "नितिन गडकरी" को बॉस कहने में कितनी तकलीफ होती। मोदी ने अपने पीएम बनने के बाद किसी भी महत्वपूर्ण पद पर किसी मजबूत व्यक्तित्व को नहीं बैठने दिया। – **सौरभ भारद्वाज**

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, आप

सामने

जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है और जो केवल एक व्यक्ति के इशारों पर चलती है, उसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। आप चार लोगों का गैंग है, उन्हें राजनीतिक पार्टी कोई मानता नहीं है और उनसे ये आशा करना कि पीएम मोदी के बयान की गरिमा समझ आएगी ऐसी हम उनसे आशा भी नहीं करते हैं।

– **कपिल मिश्रा**, बीजेपी उपाध्यक्ष, दिल्ली

नारी शक्तिः भारत @2047 की आधार स्तंभ

डॉ सुनिधि मिश्रा

स्वतंत्र लेखिका

भारत @2047 का विजन केवल तेज आर्थिक वृद्धि, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर या वैश्विक शक्ति बनने तक सीमित नहीं है। यह सपना एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानव-केंद्रित विकास की कल्पना करता है, जिसमें महिलाओं की भूमिका केंद्रीय हो। आज की भारतीय महिलाएं अब केवल बदलाव की प्रतीक नहीं रहीं, वे बदलाव की दिशा और गति दोनों तय कर रही हैं। हाल के वर्षों के सर्वे, रिपोर्ट और आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि महिला शक्ति भारत के भविष्य की सबसे मजबूत नींव बन सकती है। शिक्षा इस परिवर्तन की पहली और सबसे मजबूत कड़ी है।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (2021-22) के अनुसार, उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन लगभग 49–50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह अपने आप में ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि कुछ दशक पहले तक उच्च शिक्षा पर पुरुषों का वर्चस्व माना जाता था। आज महिलाएं न केवल कला और सामाजिक विज्ञान, बल्कि विज्ञान, चिकित्सा, प्रबंधन और तकनीकी विषयों में भी आगे बढ़ रही हैं। यह बदलाव केवल डिग्रियों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि आने वाले वर्षों में एक कुशल, आत्मनिर्भर और जागरूक महिला कार्यबल की नींव रख रहा है, जो किसी भी विकसित राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है।

शिक्षा के बाद अगला महत्वपूर्ण चरण आर्थिक भागीदारी का है। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (2023-24) बताता है कि भारत में महिलाओं की श्रमबल भागीदारी दर बढ़कर लगभग 37 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 2017-18 के मुकाबले एक उल्लेखनीय वृद्धि है। यह दर्शाता है कि महिलाएं धीरे-धीरे कार्यबल में अपनी जगह बना रही हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि अधिक दिखाई देती है, जहां महिलाएं कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग और स्वयं सहायता समूहों के जरिये आर्थिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। हालांकि यह भी सच है कि अभी बड़ी संख्या में महिलाएं अनौपचारिक और असुरक्षित कामों में लगी हैं, लेकिन यह बढ़ती भागीदारी भविष्य के औपचारिक व गुणवत्तापूर्ण रोजगार की दिशा में पहला कदम है।

स्वयं सहायता समूह आंदोलन भारत में महिला सशक्तिकरण की सबसे सफल कहानियों में से एक बन चुका है। विश्व बैंक और ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि करोड़ों महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़कर माइक्रो-क्रेडिट, उद्यमिता और सामुदायिक नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इन समूहों ने महिलाओं को केवल आय का साधन नहीं दिया, बल्कि निर्णय लेने की शक्ति और सामाजिक सम्मान भी दिया है। यह नीचे से ऊपर आने वाला विकास मॉडल भारत @2047 के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह विकास को केवल शहरों तक सीमित नहीं रखता।

डिजिटल इंडिया ने महिला शक्ति को एक नया आयाम दिया है। आईएमएआई और अन्य डिजिटल सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी अब लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है और यह लगातार बढ़ रही है। डिजिटल भुगतान, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शिक्षा ने महिलाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। आज एक ग्रामीण महिला भी मोबाइल फोन के जरिए बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकती है, ऑनलाइन प्रशिक्षण ले सकती है और अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचा सकती है। यह डिजिटल सशक्तिकरण भारत @2047 के उस सपने को मजबूत करता है, जहां विकास समावेशी और तकनीक-आधारित हो। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में महिलाएं विकसित भारत की आधारशिला हैं। एनएफएचएस-5 के अनुसार, भारत में अभी भी लगभग 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं-यह एक बड़ी चुनौती है, लेकिन साथ ही यह भी सच है कि मातृ स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। महिलाएं अब केवल परिवार की देखभाल करने वाली नहीं, बल्कि अपने स्वास्थ्य को लेकर निर्णय लेने वाली बन रही हैं। स्वस्थ महिला का अर्थ है स्वस्थ परिवार और स्वस्थ भविष्य की पीढ़ी, जो भारत @2047 के मानव संसाधन को मजबूत बनाएगा।

नेतृत्व और शासन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका भी भारत के विकास की दिशा बदल रही है। पंचायत स्तर पर महिला प्रतिनिधित्व कई राज्यों में लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे शिक्षा, जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को स्थानीय स्तर पर प्राथमिकता मिली है। शोध बताते हैं कि महिला नेतृत्व वाले क्षेत्रों में सामाजिक सूचकांक बेहतर होते हैं।

नई पीढ़ी की महिलाएं भारत @2047 की सबसे बड़ी शक्ति हैं। वे परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रही हैं। वे करियर, परिवार, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान सबको एक साथ महत्व देना चाहती हैं। यह सोच भारत के विकास को अधिक मानवीय और टिकाऊ बना सकती है। चुनौतियां अब भी मौजूद हैं- समान वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, डिजिटल सुरक्षा और सामाजिक सोच में बदलाव,लेकिन सकारात्मक संकेत यह है कि दिशा स्पष्ट है और गति भी।

विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा, क्योंकि महिलाओं पर किया गया हर निवेश शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता के रूप में कई गुना लौटता है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो केवल वे ही नहीं बढ़तीं, पूरा देश आगे बढ़ता है।

> विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा, जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा।

सोशल फोरम

किताबों की ड्रॉइंग नहीं सड़कें

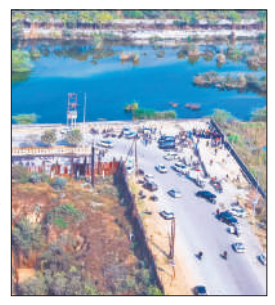

इस इंजीनियरिंग मार्वल को देखिए, नब्बे डिग्री का सीधा मोड़। यह नोएडा की वही जगह, वही सड़क, जहां बीते दिनों कोहरे भरी रात में इंजीनियर युवराज इस मोड़ को देख नहीं पाए। सच कहें तो सिर्फ कोहरा ही वजह नहीं था। साफ रात में भी यहां हादसा होना तय था। इतनी तीखी मोड़ वाली सड़क और सामने गड्ढा, यह किसी दुर्घटना का इंतजार नहीं, उसका न्योता है। पिछले कई सालों से इंटरनेट पर इन "इंजीनियरिंग चमत्कारों" पर बहस होती रही है। हर बार लोक निर्माण विभाग के तेज-तर्रार इंजीनियर पूरी आत्मविश्वास से समझाते रहे कि ऐसे नब्बे डिग्री मोड़ क्यों जरूरी हैं। तर्क इतने तकनीकी होते हैं कि आम आदमी चुप हो जाए। इसी सड़क की तस्वीरें अमेरिका के सोशल मीडिया पर मीम बनकर भारत और उसकी तकनीक का मजाक उड़ाते हुए घूमती रहीं हैं। भारतीय होने के नाते खून खौलता है, लेकिन उससे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब अपने ही लोग इन्हें गर्व से "इंजीनियरिंग" कहते हैं। इसी जगह कुछ दिन पहले एक ट्रक ड्राइवर भी कोहरे में यह मोड़ नहीं देख पाया। कोहरा हो या न हो- ऐसी सड़क बनाना ही अपराध है। ट्रक अस्थायी बैरिकेड तोड़ते हुए नीचे गड्ढे में जा गिरा। किस्मत अच्छी थी, लोगों ने बचा लिया, वह जिंदा निकल गया। प्रशासन ने क्या किया? कुछ नहीं। वही टूटा बैरिकेड, वही अंधेरा, वही गंदा पानी।

नितिन त्रिपाठी

लेखक, लखनऊ

कुछ दिन बाद उसी जगह युवराज पहुंचा, लेकिन तब तक अस्थायी बैरिकेड पहले ही टूट चुका था। इस बार किस्मत ने साथ नहीं दिया। हमारे यहां सिस्टम को जगाने के लिए हमेशा एक मानव बलि चाहिए। इस बार वह बलि एक युवा इंजीनियर युवराज के रूप में मिली। अब देखिए, वही विभाग हरकत में आ गया है। गड्ढा भरेगा, सीवेज साफ होगा, पानी निकलेगा, स्थायी बैरिकेड लगेंगे, तेज रोशनी होगी, चेतावनी बोर्ड लगेंगे। सब कुछ होगा, क्योंकि अब एक जान जा चुकी है, लेकिन यह भी स्थायी समाधान नहीं है। स्थायी समाधान यह नहीं कि हादसे के बाद मरम्मत की जाए। स्थायी समाधान यह है कि ऐसी सड़कें बनाई ही न जाएं और अगर किसी मजबूरी में बनानी ही हों, तो मोड़ से बहुत पहले स्पीड कंट्रोल की व्यवस्था हो, रोड डिजाइन ऐसा हो कि गाड़ी की रफ्तार अपने आप 30-35 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा न हो। सड़कें किताबों की ड्रॉइंग नहीं होतीं। उन पर इंसान चलते हैं, जब इंजीनियरिंग संवेदनहीन हो जाती है, तब हर मोड़ पर कोई न कोई युवराज इंतजार कर रहा होता है, सिस्टम को जगाने के लिए।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

नवीन की वरिष्ठों संग समन्वय बिठाने की रहेगी चुनौती

नितिन नवीन को पार्टी की कमान सौंपकर भारतीय जनता पार्टी ने सियासी पटल पर एक नई इबारत लिखी है। पार्टी में वरिष्ठों और अनुभवी नेताओं की लंबी कतार होने के बावजूद एक युवा नेता को अध्यक्ष बनाने का सीधा-सीधा मतलब है कि भारतीय राजनीति में नई संस्कृति को बढ़ावा देना। दरअसल, ये ऐसा सियासी संदेश है, जिसे दूसरे दलो को भी सीखना चाहिए। देश में तमाम दल ऐसे हैं, जो परिवार से घिरे हैं। उनके यहां अध्यक्ष पार्टी से किसी सामान्य कार्यकर्ताओं को बनाने की रत्ती भर भी परंपरा नहीं है। कोई सोच भी नहीं सकता कि टीएमसी, शिवसेना, सपा, बसपा, टीडीपी जैसी पार्टियों में कोई सामान्य पार्टी का कार्यकर्ता अध्यक्ष भी बने, लेकिन भाजपा ने नितिन नवीन को अपना अध्यक्ष बनाकर ऐसे दलों को सोचने पर विवश कर दिया है। इस परंपरा को कोई अपनाए या नहीं? लेकिन दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं में चेतनाएं जरूर जग गई हैं। वह भी अपने दल में ऐसे उच्च पदों पर आसीन होने की कल्पनाएं करेंगे। हालांकि ऐसा दूसरे दलों में भी होगा, संभव नहीं?

डॉ .रमेश ठाकुर

वरिष्ठ पत्रकार

नवीन की ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं? देशवासी भाजपा के इस कदम को राजनीति में बदलती हुई नई तस्वीर के रूप में देख रहे हैं। बीते 14 दिसंबर को उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया और 20 जनवरी को पूर्णकालिक औहदे पर बिठा दिया गया। वह भी निर्विरोध? ये अकल्पनीय है और चमत्कारी फैसले जैसा है। नवीन का कार्यकारी अध्यक्ष का प्रोबेशन समय एक महीना ही रहा। हालांकि तमाम राजनीतिक पंडित नवीन के सामने पार्टी की लय को बरकरार रखने की चुनौती देख रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा देखा जाएगा, कयास भी लगाए जाएंगे, लेकिन संगठन बड़ा है, टीम वर्क बेहतरीन है, साथ ही उन्हें वरिष्ठों की सपोर्ट मिलेगी। इसलिए हो सकता है वह प्रेसर न लें। वैसे, नितिन नवीन की संगठनात्मक क्षमता का आकलन पार्टी अगले एकाध साल में ही कर लेगी, जिसमें बंगाल विधानसभा चुनाव पहली परीक्षा होगी। बंगाल को जीतना पार्टी का न सिर्फ सपना है, बल्कि मोदी-शाह के लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी बन हुआ है। नवीन के समक्ष एक सबसे बड़ी चुनौती तो 2014 से भारतीय जनता पार्टी ने जो विस्तार किया है, उसे यथावत रखने की रहेगी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के आगमन के बाद पार्टी में सदस्यों की संख्या पिछले सालों के मुकाबले आधे से ज्यादा बढ़ी। दक्षिण भारत को भेदना अब भाजपा के लिए अंतिम लक्ष्य हो गया है। वह हिस्सा उनसे अभी भी अभेद है। कर्नाटक में पार्टी सरकार बना चुकी है। आंध्र प्रदेश में टीडीपी के गठबंधन में है, लेकिन तेलंगाना, तमिलनाडु में सफलता नहीं मिली है। हालांकि केरल में पहली बार भाजपा का एक इकलौता सांसद बना और तिरुवनंतपुरम में मेयर बनाने में सफल हो चुकी है, पर पूर्णरूपी कब्जा करने की कसक अभी बाकी है। नवीन को इन्हीं चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। भाजपा नवीन में संगठनात्मक मजबूती पहले देख चुकी है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत को नितिन नवीन के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्णमोड़ माना जाता है। तब, उनकी बड़े नेताओं ने प्रशंसाएं भी की थी। नवीन तभी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के चहेते बनें। पद को संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं नवीन, लेकिन उनके करियर को असली रफ्तार साल 2019 में मिली थी, जब उन्हें सिक्किम विधानसभा चुनाव में भाजपा के अभियान की कमान सौंपी गई थी। फिलहाल, भाजपा के नए बॉस अब नितिन नवीन बनें हैं। कैसे होंगे अगले कुछ महीने उनके लिए, पहले से गठित टीम में बदलाव होगा या फिर पुरानी टीम के साथ ही आगे बढ़ेंगे। आगे लगातार चुनाव हैं, किन रणनीतियों पर करेंगे काम, इसका अंदाजा कुछ समय बाद लग जाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

करियर के नए विकल्प

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी

पिछले दो दशकों में भारतीय रोजगार व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आया है। एक समय स्थायी नौकरी को ही सामाजिक सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक माना जाता था, लेकिन वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और तकनीकी नवाचार ने करियर की पारंपरिक अवधारणा को चुनौती दी है। भारतीय जेन-जी यानी 18 से 27 वर्ष की उम्र के युवाओं का करियर को लेकर नजरिया तेजी से बदल रहा है। लिंक्डइन और रैंडस्टैड के संयुक्त अध्ययन पर आधारित हालिया रिपोर्ट बताती है कि आज का युवा वर्ग पारंपरिक नौकरियों से ज्यादा साइड इनकम और फ्रीलांसिंग को प्राथमिकता दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन-जी अब केवल स्थिर नौकरी या तयशुदा करियर पाथ पर भरोसा नहीं कर रही, बल्कि वह अपनी स्किल, आजादी और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ताकत पर दांव लगा रही है। आज स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी केवल वैकल्पिक रोजगार नहीं, बल्कि मुख्यधारा के करियर विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। सफलता उसी युवा को मिलेगी, जो इन विकल्पों को ट्रेंड नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुना गया रास्ता माने। हालांकि इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। आइए आज इसके पहलुओं पर विस्तृत विश्लेषण करते हैं।

सत्यदत्त शुक्ला
चार्टर्ड अकाउंटेंट, लखनऊ

अवसरों का विस्तार

भारत आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में गिना जाता है। सरकारी और निजी रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो सीधे और परोक्ष रूप से लाखों युवाओं को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। स्टार्टअप संस्कृति युवाओं को पारंपरिक पदानुक्रम से अलग, नवाचार और जिम्मेदारी का अवसर देती है। यहां कार्यक्षेत्र सीमित नहीं होता। एक कर्मचारी को कई भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं, जिससे सीखने की गति तेज होती है। इसके साथ ही स्टार्टअप संस्कृति अपने आसपास के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करती है।

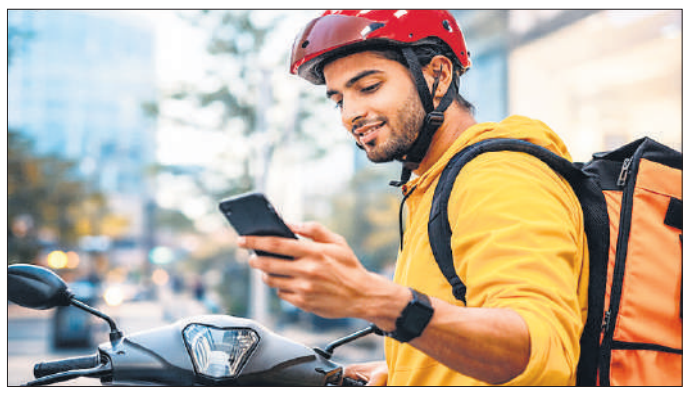

फ्रीलांस अर्थव्यवस्था: कौशल का बाजार

डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ फ्रीलांसिंग तेजी से बढ़ी है। विभिन्न आकलनों के अनुसार भारत में दो करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार से फ्रीलांस काम से जुड़े हैं। कंटेंट लेखन, डिजाइन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन शिक्षण इस क्षेत्र के प्रमुख हिस्से बनकर उभरे हैं। फ्रीलांसिंग में डिग्री से ज्यादा महत्व कौशल और अनुभव का है। यही कारण है कि पारंपरिक शिक्षा से बाहर रह गए युवा भी इस मॉडल के जरिए आय अर्जित कर पा रहे हैं।

गिग इकोनॉमी: त्वरित आय

गिग इकोनॉमी का दायरा अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों तक तेजी से फैल चुका है। कैब सेवाएं, फूड और ई-कॉमर्स डिलीवरी प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन ट्यूटरिंग, डिजिटल मार्केटिंग और कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आज करोड़ों युवा अल्पकालिक अनुबंधों पर काम कर रहे हैं। विभिन्न आकलनों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत की गिग वर्कफोर्स कुल श्रम शक्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन सकती है। यह मॉडल बेरोजगारी के दबाव को कुछ हद तक कम करने के साथ-साथ युवाओं को वैकल्पिक आय के अवसर भी प्रदान कर रहा है।

क्या संकेत देते हैं आंकड़े

आर्थिक सर्वेक्षण और श्रम अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भविष्य में रोजगार सृजन का बड़ा हिस्सा पारंपरिक उद्योगों के बजाय सेवा, तकनीक और प्लेटफॉर्म आधारित कार्यों से आएगा। वहीं यह भी सच है कि इन क्षेत्रों में काम करने वाले युवाओं की औसत आय और कार्य-स्थिरता में भारी अंतर है। यानी नए करियर विकल्प अवसर तो दे रहे हैं, लेकिन समानता और सुरक्षा की गारंटी नहीं।

शिक्षा व्यवस्था और कौशल अंतर

विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच की खाई इन नए मॉडलों में और स्पष्ट हो गई है। स्कूल और कॉलेज आज भी छात्रों को स्थायी नौकरी की तैयारी कराते हैं, जबकि बाजार लचीले, बहु-कौशल वाले और तकनीक-सक्षम युवाओं की मांग कर रहा है। इसका परिणाम यह है कि बड़ी संख्या में डिग्रीधारी युवा या तो बेरोजगार हैं या अपनी योग्यता से कम काम करने को मजबूर हैं।

मानसिक और सामाजिक प्रभाव

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी में काम करने वाले युवाओं में तनाव और असुरक्षा की भावना अधिक देखी जा रही है। आय की अनिश्चितता, सामाजिक दबाव और भविष्य की चिंता मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। यह पहलू अक्सर करियर चर्चा में उपेक्षित रह जाता है।

संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता

यह स्पष्ट है कि नए करियर विकल्प न तो पूरी तरह समाधान हैं और न ही पूरी तरह संकट। वे अवसर भी हैं और चुनौती भी। आवश्यकता इस बात की है कि युवा इन क्षेत्रों में प्रवेश से पहले कौशल, वित्तीय योजना और मानसिक तैयारी करें। साथ ही नीति-निर्माताओं और शिक्षा संस्थानों को भी चाहिए कि वे करियर गाइडेंस, कौशल प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा के नए मॉडल विकसित करें।

जॉब अलर्ट

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित

- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा), सोसायटी मैनेजर, ऑफिसर
- कुल रिक्तियां-(1763 क्लर्क + 313 ऑफिसर) 2076 पद
- वेतन/पे स्केल-क्लर्क: लेवल-4 (रु. 19,500-62,000) 7 वां वेतनमान / लेवल-7 (रु. 28,700-91,300) / 6 वां वेतनमान (रु. 5,200-20,200 + 1900 GP)
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा-18 से 35 वर्ष (छूट के साथ 40 वर्ष) कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा): 18 से 55 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-05/02/2026
- वेबसाइट-www.apexbankmp.bank.in

नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD)

- पद का नाम-डेवलपमेंट असिस्टेंट / डेवलपमेंट असिस्टेंट (हिंदी)
- पदों की संख्या-162 (159 DA + 3 DA हिंदी)
- वेतन-20,700 - 55,700 (लगभग 46,500/- सकल शुरुआती वेतन)
- योग्यता-50% अंकों के साथ बैचलर डिग्री + कंप्यूटर का ज्ञान
- आयु सीमा-21 से 35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-03/02/2026
- वेबसाइट-www.nabard.org

यूको बैंक

- पद का नाम-जर्नलिस्ट और स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- पदों की संख्या-173
- वेतन- 48480-93960
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट / बी.ई./बी.टेक./एम.सी.ए./एम.एससी. कंप्यूटर साइंस / चार्टर्ड अकाउंटेंट सर्टिफिकेशन / फुल टाइम दो साल का एमबीए या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- आयु सीमा-20 से 35 वर्ष
- आवेदन अंतिम तारीख-02-02-2026
- वेबसाइट-https://uco.bank.in

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया

- पद का नाम-लॉ क्लर्क कम-रिसर्च एसोसिएट
- पदों की संख्या-लगभग 90
- वेतन-1,00,000/- प्रति माह (समेकित पारिश्रमिक)
- योग्यता कानून में स्नातक डिग्री (कानून में इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स सहित)
- आयु सीमा-20 से 32 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-07/02/2026
- वेबसाइट-www.sci.gov.in

करंट अफेयर्स

- हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की जनवरी 2026 में भारत यात्रा के दौरान भारत और UAE के बीच एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक ऊर्जा समझौता संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत UAE भारत को हर वर्ष 0.5 मिलियन मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) की आपूर्ति करेगा। इस करार के बाद UAE, कतर के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा LNG आपूर्तिकर्ता बन गया है, जिससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने वर्ष 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 200 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर सहमति व्यक्त की।
- हाल ही में जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन एक गहराते जनसांख्यिकीय संकट का सामना कर रहा है। वर्ष 2025 में चीन की जनसंख्या में लगातार चौथे वर्ष गिरावट दर्ज की गई, जबकि सरकार परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और नीतिगत उपाय लागू कर रही है।
- बीती 17 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ किया है, जो कोलकाता (हावड़ा) को गुवाहाटी (कामाख्या) से जोड़ती है। इस ट्रेन को पश्चिम बंगाल के मालदा से हरी झंडी दिखाई गई। यह ओवरनाइट सेमी-हाई-स्पीड सेवा आधुनिक रेल यात्रा के एक नए चरण की शुरुआत है और पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत के बीच लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी।
- भारत ने अपनी विदेश नीति को सशक्त करने की दिशा में हाल ही में दो महत्वपूर्ण राजनयिक नियुक्तियों की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय ने वरिष्ठ भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारियों मुआनपुई सायावी और अमित कुमार मिश्रा को क्रमशः न्यूजीलैंड में भारत का अगला उच्चायुक्त और जॉर्जिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है। ये नियुक्तियां विभिन्न क्षेत्रों में भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों को दर्शाती हैं।

नोटिस बोर्ड

- रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार 23 जनवरी को वसंत पंचमी के अवसर पर अवकाश घोषित होने के चलते विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में बीए पंचम सेमेस्टर (मुख्य एवं बैक) की अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा की तिथि में संशोधन किया गया है। 23 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षा अब 2 फरवरी को आयोजित की जाएगी। शेष परीक्षा कार्यक्रम पूर्व निर्धारित तिथियों के अनुसार ही रहेगा।
- उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा सहारनपुर की गिल कॉलोनी में 28 जनवरी को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले के अंतर्गत संविदा के आधार पर परिचालकों की भर्ती की जाएगी। उक्त रोजगार मेले में संविदा पर चालकों के आबद्धीकरण हेतु आर्हताएं पूर्वत: (न्यूनतम कक्षा 8 पास लंबाई न्यूनतम 5 फुट 3 इंच, भारी वाहन चलाने का लाइसेंस अवधि न्यूनतम 02 वर्ष पुराना, न्यूनतम 23 वर्ष 06 माह और कार्य करने की अधिकतम आयु 60 वर्ष) ही रहेगी।

कॉलेज जाना भी किसी मोर्चे पर जाने जैसा लगा

कैंपस में पहला दिन

वर्ष 1999 का जुलाई महीना था। देश ऑपरेशन विजय के दौर से गुजर रहा था। कारगिल युद्ध की खबरें सुबह-शाम टीवी पर छाई रहती थीं। सड़कों पर सेना के ट्रक, रेलवे स्टेशनों पर जवानों से भरी रेलगाड़ियां और हर घर में युद्ध की चर्चाएं, पूरा माहौल रोमांच और तनाव से भरा हुआ था। उसी समय मुझे लखनऊ के IET में जून की काउंसलिंग के लगभग एक महीने बाद झांसी स्थित बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (BIET) की मैकेनिकल ब्रांच में प्रवेश लेना था।

शिव मोहन
मुख्य इंटीग्रेशन अधिकारी, रेलवे परिवहन व्यवसाय, लार्सन एंड टुब्रो, यूएई

इंजीनियरिंग में दाखिले की खुशी थी, लेकिन फर्स्ट ईयर में होने वाली रैगिंग की कहानियों ने मन में डर भी भर रखा था। एक तरफ नए जीवन की शुरुआत का उत्साह था, तो दूसरी तरफ अनजाने माहौल का भय। ऊपर से पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ भी सिर पर महसूस हो रहा था। IIT में चयन न होने का मलाल था, लेकिन उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिलने का गर्व भी कम नहीं था। जैसे-जैसे 9 जुलाई नजदीक आ रहा था, घर में तैयारियां तेज हो गईं। कुछ कपड़े, बिस्तर और रोजमर्रा का जरूरी सामान समेटकर बड़े भाई के साथ कानपुर से होते हुए झांसी की यात्रा शुरू हुई। जुलाई का महीना और उत्तर भारत की बारिश, उस दिन भी मूसलाधार वर्षा हो रही थी। रास्ते में पहली बार छोटे-छोटे पथरीले पहाड़ दिखे। भले ही वे सिर्फ पठार थे, लेकिन मेरे लिए वे शोले फिल्म के पहाड़ों जैसे ही रोमांचक थे, क्योंकि इससे पहले पहाड़ मैंने कभी नहीं देखे थे।

BIET का कैंपस अपने आप में एक दुनिया था। पूरे उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में सबसे बड़ा IIT कानपुर को छोड़कर। कानपुर रोड से कॉलेज के मुख्य प्रशासनिक भवन तक लगभग एक किलोमीटर का रास्ता, चारों तरफ खुले मैदान और बारिश से नहाई हरियाली। मन प्रसन्न हो गया। ऐसा लग रहा था, जैसे कुछ-कुछ होता है फिल्म के कॉलेज कैंपस में प्रवेश कर रहा हूं। संयोग से वह फिल्म भी उसी दौर में रिलीज हुई थी। पहले वृंदावन हॉस्टल में सामान रखा और फिर प्रवेश प्रक्रिया के लिए सिविल डिपार्टमेंट पहुंचे, जहां पूरे फर्स्ट ईयर की काउंसलिंग और एडमिशन हो रहे थे। सीनियर्स अभिभावकों के सामने बेहद विनम्र और सहयोगी थे, लेकिन हमें देखकर उनकी आंखों में एक अलग ही संदेश झलक रहा था- मानो कह रहे हों, "अब आ गए हो, अब यहीं के तौर-तरीके सीखने होंगे।" अभिभावक भी अपने-अपने जिले या आसपास के इलाके के सीनियर्स खोज रहे थे, ताकि आगे बच्चों का ख्याल रखा जा सके। कन्नौज से कोई सीनियर नहीं मिला, लेकिन फर्रुखाबाद के एक सीनियर से भाई ने बात की। उन्होंने न सिर्फ भरोसा दिया, बल्कि पूरे चार साल सचमुच अभिभावक की तरह ध्यान भी रखा। सच ही कहा गया है, घर से दूर अपने जिले का कोई मिल जाए, तो वह परिवार जैसा हो जाता है।

शाम तक सभी छात्रों को कमरे आवंटित कर दिए गए। हॉस्टल वार्डन और शिक्षकों ने ध्यान रखा कि कोई क्षेत्रीय गुट न बने। हमारे कमरे में तीन तखत थे, लेकिन उस शाम सिर्फ दो ही छात्र आए। मैं और फैजाबाद से आया मेरा एक सहपाठी, जिसे बाद में सब प्यार से "पप्पू" कहने लगे। पूरे बैच में लगभग 180 छात्र थे और हर किसी का कोई न कोई उपनाम उसकी आदत, बोली या स्वभाव के आधार पर रख दिया गया था, जो पहचान आज भी सिर्फ बैच के लोगों के बीच जीवित है।

शाम ढलते ही सीनियर्स की पूरी फौज हॉस्टल पहुंच गई। परिचय का पहला दिन था। अलग-अलग वर्षों के सीनियर्स के लिए अलग-अलग तरह से अभिवादन करना होता था। कहीं 90 डिग्री, कहीं 120 डिग्री और फाइनल ईयर के लिए पूरा साष्टांग प्रणाम। कॉलेज का परिचय गीत, बोलने का तरीका सब कुछ नया और रोमांचक था। राहत इस बात की थी कि यह सब मौज-मस्ती तक सीमित रहा, कोई प्रताड़ना जैसी घटना नहीं हुई। इन्हीं सीनियर्स में से कुछ से ऐसे गहरे रिश्ते बने, जो 27 साल बाद भी कायम हैं। इंजीनियरिंग के चार सालों में हमने सिर्फ तकनीकी शिक्षा ही नहीं सीखी, बल्कि लोगों से जुड़ना, परिस्थितियों के अनुसार ढलना, नेतृत्व करना और खुद को समझना भी सीखा। कॉलेज के पहले दिन जीवन का जो मूलमंत्र मिला, वह आज भी हर मोड़ पर काम आता है।

ड्रोन प्रोग्रामिंग : टेक्नोलॉजी में रोजगार का नया रास्ता

तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में आज ड्रोन केवल उड़ने वाली मशीन नहीं रह गए हैं। इन्हें प्रोग्राम करना, ऑटोमेट करना और अलग-अलग कामों के लिए तैयार करना एक नई और अहम स्किल बन चुकी है। यही वजह है कि 12 वीं के बाद टेक्नोलॉजी में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स एक उभरता हुआ विकल्प बनकर सामने आया है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या है ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स में यह सिखाया जाता है कि ड्रोन को कोड के जरिए कैसे नियंत्रित किया जाए? ड्रोन किस दिशा में उड़ान भरे, कितनी ऊंचाई पर जाए, कैमरा कब एक्टिव हो और सेंसर से मिलने वाला डेटा कैसे इस्तेमाल किया जाए। ये सभी काम प्रोग्रामिंग से तय होते हैं। इस कोर्स में Python, C++, ROS और मिशन प्लानर जैसे सॉफ्टवेयर और टूल्स की ट्रेनिंग दी जाती है। आसान शब्दों में कहें, तो यह कोर्स ड्रोन उड़ाने से ज्यादा, उसे सोचने और निर्देश समझने की क्षमता देता है।

कौन कर सकता है यह कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे 12 वीं पास छात्र भी कर सकते हैं। साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई करने वालों को इसमें थोड़ी बढ़त मिलती है, लेकिन आर्ट्स और कॉमर्स के छात्र भी बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान के साथ इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिन युवाओं को टेक्नोलॉजी, मशीनों और नई चीजें सीखने में रुचि हैं, उनके लिए यह कोर्स खास तौर पर उपयुक्त माना जाता है।

क्या-क्या सिखाया जाता है कोर्स में

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स पूरी तरह प्रैक्टिकल आधारित होता है। इसमें ड्रोन हार्डवेयर की बुनियादी जानकारी, फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम, ऑटोमेटेड मिशन प्लानिंग, GPS और सेंसर प्रोग्रामिंग, कैमरा और डेटा प्रोसेसिंग, लाइव प्रोजेक्ट और फील्ड ट्रेनिंग जैसी स्किल्स पर फोकस किया जाता है, जिससे छात्र इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सकें।

जॉब और कमाई के अवसर

इस कोर्स के बाद रोजगार के कई विकल्प खुलते हैं। युवा ड्रोन प्रोग्रामर, ड्रोन ऑपरेटर, UAV इंजीनियर, ड्रोन मैपिंग स्पेशलिस्ट, सर्वे इंजीनियर या ड्रोन टेक्नीशियन के रूप में काम कर सकते हैं। शुरुआत में 25 से 50 हजार रुपये तक मासिक आय संभव है। अनुभव बढ़ने पर यही कमाई से 2 लाख रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है। फ्रीलांस और प्रोजेक्ट आधारित काम में इससे भी अधिक कमाई के अवसर मिलते हैं।

भविष्य के लिहाज से अहम

ड्रोन टेक्नोलॉजी को खेती, पुलिस, सर्वे, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिल्म इंडस्ट्री, डिलीवरी और स्मार्ट सिटी जैसे कई क्षेत्रों में तेजी से अपनाया जा रहा है। आने वाले समय में ड्रोन एक्सपर्ट्स की मांग और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स युवाओं के लिए न केवल नई तकनीक सीखने का अवसर है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और आधुनिक करियर की नींव भी रखता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,909.63	25,157.50
गिरावट	270.84	75.00
प्रतिशत में	0.33	0.30

सोना 1,57,697 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,33,900 प्रति किलो

अमृत विचार
मुरादाबाद, गुरुवार, 22 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

अटल पेंशन योजना 2030-31 तक जारी रखने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सरकार की प्रमुख अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने को बुधवार को मंजूरी दे दी। इसके साथ प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और गैप फंडिंग के लिए वित्तीय सहायता के विस्तार को भी स्वीकृति दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, असंगठित क्षेत्र के कामगारों के बीच पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता एवं क्षमता निर्माण जैसी गतिविधियों को सरकारी समर्थन मिलता रहेगा।

दीपिंदर गोयल छोड़ेंगे इटर्नल के समूह सीईओ-एमडी के पद

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकिट का संचालन करने वाली इटर्नल ने बुधवार को कहा कि दीपिंदर गोयल समूह के सीईओ और एमडी का पद छोड़ेंगे। उनकी जगह ब्लिंकिट के सीईओ अलबिंदर ढींडसा एक फरवरी से समूह के नए सीईओ के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में गोयल ने कहा कि वह नए विचारों पर काम करने के लिए अपने वर्तमान पद से हट रहे हैं और अब वाइस-चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे। इटर्नल ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि बोर्ड में वाइस चेयरमैन और निदेशक के रूप में गोयल की नियुक्ति पांच साल के कार्यकाल के लिए होगी।

नवी मुंबई हवाई अड्डे पर नेटवर्क स्थापना की ट्राई कर रहा जांच

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई अदाणी समूह-समर्थित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास दूरसंचार नेटवर्क तैनात करने के लिए दूरसंचार कंपनियों को पेश आ रही मूल्य-निर्धारण संबंधी समस्या की जांच कर रहा है। एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों के निकाय सीओएआई ने इस मुद्दे पर नियामक से हस्तक्षेप की मांग की है।

अदाणी समूह ने दावोस में पेश की भारत के लिए 66 अरब डॉलर के निवेश की योजना

विमानन, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी अवसंरचना, डिजिटल मंचों और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश का लक्ष्य

दावोस, एजेंसी

अदाणी समूह ने विमानन, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी अवसंरचना, डिजिटल मंचों और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में 66 अरब डॉलर के निवेश की रूपरेखा पेश की है जो भारत की वृद्धि प्राथमिकताओं के अनुरूप निजी पूंजी के बड़े पैमाने पर निवेश के नए चरण का संकेत है। अपनी योजनाएं प्रस्तुत करते हुए समूह ने कहा कि यह निवेश महाराष्ट्र, असम और झारखंड में किया जाएगा।

दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक में समूह ने असम में गुवाहाटी के लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को केंद्र में रखते हुए विमानन एवं वैमानिकी परिवेश के विस्तार की जानकारी दी। इसका परिचालन अगले महीने शुरू होने की उम्मीद है। योजनाओं में आतिथ्य एवं खुदरा अवसंरचना, ''लेवल-डी फुल-फ्लाइट सिमुलेटर'' के साथ विमानन प्रशिक्षण अकादमी तथा चौड़े व संकीर्ण विमानों के लिए रखरखाव, मरम्मत (एमआरओ) सुविधाएं शामिल हैं। इससे गुवाहाटी को पूर्वोत्तर के लिए क्षेत्रीय विमानन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। समूह ने असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की भी घोषणा की जिनसे 2,700 मेगावाट से अधिक सौर क्षमता जुड़ेगी। इसके पूरक निवेशों में सीमेंट विनिर्माण एवं 'ग्राइंडिंग' इकाइयां शामिल हैं जिनका उद्देश्य पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत में निर्माण आपूर्ति शृंखला को मजबूत करना है।

महाराष्ट्र में अदाणी समूह के प्रस्तावित निवेश शहरी पुनर्विकास, डिजिटल अवसंरचना और अगली पीढ़ी की ऊर्जा प्रणालियों पर केंद्रित हैं। इनमें मुंबई की धारावी पुनर्विकास परियोजना, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा इससे जुड़े लॉजिस्टिक्स, वाणिज्यिक एवं आतिथ्य परिवेश शामिल है।

भारत के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दावोस में जमाया डेरा

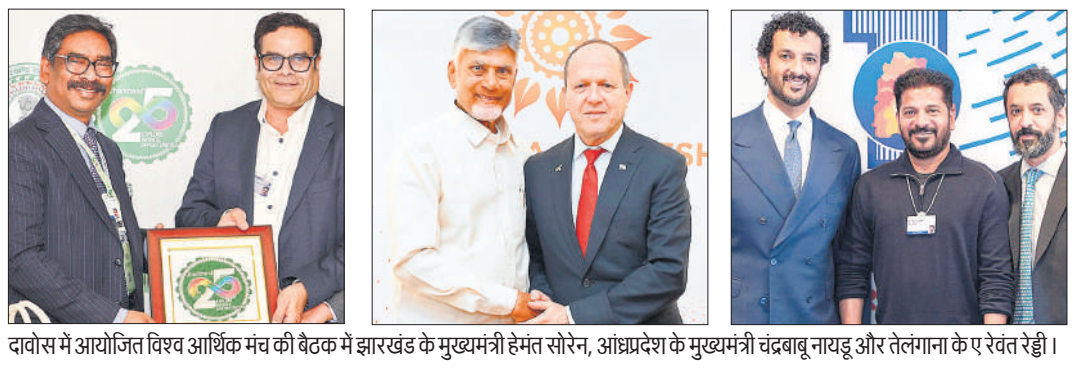

दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी।

तेलंगाना ने रखा 25 अरब डॉलर निवेश का लक्ष्य

तेलंगाना सरकार ने अपनी जीवन विज्ञान के लिए अगली पीढ़ी की नीति 2026-30 के तहत वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में 25 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने और पांच लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। दावोस में जारी डब्ल्यूईएफ की बैठक के दौरान बुधवार को अलग से इस नीति को पेश किया गया। इस नीति के माध्यम से तेलंगाना का लक्ष्य दुनिया के शीर्ष तीन जीवन विज्ञान केंद्रों में शामिल होना है। दुनिया भर के कुल टीके का एक-तिहाई हिस्सा अकेले तेलंगाना में बनाया जाता है जहां 2,000 से अधिक जीवन विज्ञान से जुड़ी कंपनियां काम कर रही हैं। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए इस नीति के तहत निवेशकों को कई रियायतें दी गई हैं। इनमें बिक्री और पट्टे पर स्टांप शुल्क तथा हस्तांतरण शुल्क की शत-प्रतिशत वापसी, बिजली सब्सिडी और औद्योगिक पार्क में जमीन की लागत पर 25 प्रतिशत छूट शामिल है। इसके अलावा, वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच साल तक शुद्ध एसजीएसटी की पूरी वापसी का भी प्रावधान है।

फडणवीस ने 15 लाख करोड़ के समझौतों पर किए साइन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावोस में राज्य के लिए 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनके जरिए 13 लाख लोगों को रोजगार का दावा किया गया है। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा के मीडिया सेल प्रमुख नवनाथ बान ने कहा कि विदेशी निवेश लाने के लिए कौशल की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री ने दावोस दौरे के दौरान विदेशी निवेश को महाराष्ट्र में लाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा

मुंबई, एजेंसी

इस महीने अब तक 1.5% की गिरावट

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बुधवार को 67 पैसे लुढ़ककर अब तक के सबसे निचले स्तर 91.64 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों के जोखिम लेने से बचने के कारण लगातार पूंजी निकासी की गई, जिससे रुपया और धराशायी हो गया।

- वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता ने भारतीय मुद्रा को अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचाया

इससे पहले रुपया 16 दिसंबर 2025 को 91.14 के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा था। इस महीने अब तक रुपये में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई है जिसका कारण बढ़ती भूराजनीतिक अनिश्चितता को बताया जा रहा है। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.05 पर खुला और डॉलर के मुकाबले 91.74 के कारोबार के निचले स्तर पर आ गया। कारोबार के अंत में रुपया 91.64 के सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 67 पैसे कम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार के मुताबिक 21 नवंबर 2025 के बाद यह एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है।

शेयर बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स 82,000 के नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 271 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 75 अंक की गिरावट रही। डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी और वित्तीय, बैंकिंग एवं उपभोग से जुड़े शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक भारी उतार-चढ़ाव के बाद 270.84 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,056.02 अंक टूटकर 81,124.45 तक आ गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 75 अंक यानी 0.30 प्रतिशत फिसलकर 25,157.50 अंक पर बंद हुआ।

आईएलएंडएफएस के निदेशकों पर अभी कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने कर्ज में डूबे समूह आईएलएंडएफएस के नए निदेशक मंडल में शामिल पेशेवर निदेशकों को बैंकों द्वारा इरादतन चूककर्ता घोषित किए जाने से दी गई संरक्षण अवधि को आगे बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने एक फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि बैंक नए बोर्ड के पेशेवर निदेशकों के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई से पहले एनसीएलएटी से अनुमति लेंगे।

- एनसीएलएटी ने बढ़ाया संरक्षण बैंकों को किसी भी कार्रवाई से पहले पूर्वानुमति लेने का आदेश

अपीलीय न्यायाधिकरण के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा, चार अप्रैल, 2025 को पारित आदेश अब भी प्रभावी है और 15 अक्टूबर, 2018 के आदेश के तहत दिए गए निर्देश नए बोर्ड में पुनर्नियुक्त पेशेवर निदेशकों पर भी लागू होंगे। चार अप्रैल 2025 के आदेश में सरकार द्वारा गठित नए बोर्ड के निदेशकों को बैंकों की ओर से अभियोजन से संरक्षण दिया गया था। हालांकि उस आदेश में केनरा बैंक और इंडियन बैंक को आईएलएंडएफएस के पूर्व निदेशकों के खिलाफ इरादतन चूककर्ता घोषित करने की कार्यवाही आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई थी, जो नए बोर्ड का हिस्सा नहीं हैं।

कीटनाशकों के ई-कॉमर्स के लिए कड़े कानून बनें

नई दिल्ली, एजेंसी

कीटनाशक बनाने वाली 17 बड़ी कंपनियों के संगठन 'क्रॉपलाइफ इंडिया' ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इनकी बिक्री के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की है ताकि घटिया या नकली उत्पादों से किसानों को संभावित नुकसान की स्थिति में जवाबदेही तय की जा सके।

- नकली उत्पादों से किसानों को बचाने के लिए क्रॉपलाइफ की मांग

क्रॉपलाइफ इंडिया के अध्यक्ष और क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के कार्यकारी अध्यक्ष एवं एमडी अंकुर अग्रवाल ने बुधवार को यहां ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर फसलों की सुरक्षा संबंधी उत्पादों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन से इतर कहा कि मौजूदा समय में कीटनाशकों का विनियमन इनसेक्टिसाइड्स एक्ट, 1968 के तहत होता है। सरकार ने साल 2022 में इसमें संशोधन कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आम उत्पादों की तरह कीटनाशकों की बिक्री के लिए भी अनुमति दी थी। अब सरकार पेस्टिसाइड मैनेजमेंट विधेयक लाने की तैयारी कर रही है जिसका प्रारूप तैयार हो चुका है। सरकार ने संगठन से 4 फरवरी तक अपने सुझाव सौंपने के लिए कहा है।

अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह विक्रेता को लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के लिए भी लाइसेंस अनिवार्य किया जानी चाहिए। वर्तमान में यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं है कि ऑनलाइन बिक रहा पेस्टिसाइड असली है या नकली। उन्होंने कहा कि यदि कोई कंपनी बिना लाइसेंस के कीटनाशक बेच रही है तो उस पर भी नकली उत्पाद की तरह ही कार्रवाई होनी चाहिए।

राष्ट्रीय

कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण

तमिलनाडु-केरल के बाद कर्नाटक की राजनीति भी गर्म, सरकार करेगी राज्यपाल से बात

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 22 जनवरी को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इन्कार कर दिया है। गहलोत के इस फैसले के बाद सरकार ने उनसे मुलाकात करने का निर्णय लिया है। इस इन्कार का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, बताया जा रहा है कि अभिभाषण में केंद्र सरकार के संदर्भ के कारण गहलोत ने संबोधन करने से इन्कार किया है। एक दिन पहले कर्नाटक की तरह गैर भाजपा शासित केरल और तमिलनाडु के राज्यपालों के विधानसभा में दिए गए अभिभाषणों पर विवाद खड़ा हो गया था।

राज्य के विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में राज्यपाल से मुलाकात करने के लिए लोक भवन जाएगा। विधि मंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा, कल राज्यपाल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इन्कार करने के बाद विधि मंत्री की अगुवाई में शाम 5:45 बजे एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल राज भवन जाएगा। मंगलवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि वर्ष के पहले सत्र के पहले दिन यह कहते हुए विधानसभा में अपना पारंपरिक अभिभाषण दिए बिना सदन से बाहर चले गए थे कि अभिभाषण के पाठ में गलतियां थीं। इसी तरह, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने अपने भाषण के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया था, हालांकि लोक भवन का दावा है कि राज्यपाल के सुझावों को अभिभाषण के मूल मसौदे से हटा दिया गया था। कर्नाटक विधानसभा का संयुक्त सत्र 22 जनवरी को शुरू होगा। 31 जनवरी तक चलने वाले इस सत्र की शुरुआत बृहस्पतिवार को राज्यपाल गहलोत के परंपरागत अभिभाषण से होनी थी।

मनरेगा को रद्द करने पर केंद्र के खिलाफ प्रस्ताव लाने की योजना बनी रही है कर्नाटक सरकार

केंद्र की ओर से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने समेत कई मुद्दों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा-जद (एस) गठबंधन के बीच टकराव की संभावना के चलते सत्र के हंगामेदार रहने की आशंका है। सत्तारूढ़ कांग्रेस केंद्र में भाजपा-नीत राजग सरकार के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करने की योजना बना रही है, जिसमें मनरेगा को रद्द करने पर आपत्ति जताते हुए इसे बहाल करने की मांग की जाएगी। साथ ही नए विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को रद्द करने की भी मांग की जाएगी।

- सरकार ने अभिभाषण में शामिल किए हैं केंद्र से संबंधित संदर्भ

सुखना को और कितना सुखाएंगे बिल्डर, माफिया और नौकरशाह

नई दिल्ली, एजेंसी

सीजेआई सूर्यकांत ने बिल्डर, माफिया और नौकरशाहों के गठजोड़ के कारण चंडीगढ़ की प्रसिद्ध झील के सूखने पर चिंता जताते हुए बुधवार को टिप्पणी की कि सुखना झील को और कितना सुखाओगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ 1995 में लंबित जनहित याचिका 'इन रे: टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद' में दायर अंतरिम आवेदनों की सुनवाई कर रही थी।

सीजेआई सूर्यकांत ने एक अधिवक्ता की ओर से झील से संबंधित याचिका का उल्लेख करने पर मौखिक टिप्पणी की, पंजाब में राजनीतिक दलों के समर्थन और नौकरशाहों की मिलीभगत से अवैध निर्माण हो रहे हैं, जिसके कारण झील पूरी तरह नष्ट हो रही है। वहां सभी बिल्डर माफिया सक्रिय हैं। इससे पहले शीर्ष अदालत ने आश्चर्य जताया था कि जंगलों और झीलों से संबंधित सभी मामले उच्च न्यायालयों को दरकिनार करते हुए उच्चतम न्यायालय में क्यों आ रहे हैं, वह भी 1995 की लंबित जनहित याचिका में अंतरिम आवेदनों के रूप में।

सीजेआई ने सुखना झील मामले से संबंधित एक आवेदन का जिक्र करते हुए कहा था कि जाहिर तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ निजी डेवलपर्स और अन्य लोगों के इशारे पर दोस्ताना मुकाबला चल रहा है। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और वन मामले में न्यायमित्र की भूमिका निभा रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर से उन स्थानीय मुद्दों के बारे में जानकारी देने को कहा था, जिनसे उच्च न्यायालय स्वयं निपट सकते हैं। चंडीगढ़ की सुखना झील से संबंधित मुकदमा मुख्य रूप से उच्च न्यायालय द्वारा इसके जलग्रहण क्षेत्र को अतिक्रमण से बचाने के प्रयासों से जुड़ा है, जिसमें 2020 में संरक्षित क्षेत्र में बनी संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था।

- सीजेआई ने चंडीगढ़ की झील की हालत चिंता जताते हुए की टिप्पणी

कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री पर समाज में अंधविश्वास फैलाने का आरोप, पुलिस से शिकायत

भोपाल। दलित पिछड़ा समाज संगठन ने कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। आरोप लगाया है कि धीरेंद्र शास्त्री अंधविश्वास फैलाकर लोगों को मेडिकल साइंस से दूर कर रहे हैं। उनके झूठे इलाज के प्रचार के कारण कई लोगों की जान खतरे में आ रही है।

दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव ने बताया कि संगठन ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और भोपाल पुलिस कमिश्नर को वीडियो सबूत के साथ लिखित शिकायत सौंपी है। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री सांप्रदायिकता और छुआछूत को बढ़ावा दे रहे हैं और समाज में भय और हिंसा फैलाने वाले बयान दे रहे हैं। यादव ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस दो दिन के भीतर कार्रवाई नहीं करती है तो संगठन हाईकोर्ट जबलपुर के माध्यम से धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ कार्रवाई कराने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि संगठन की मांग है कि धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच हो, ताकि समाज में फैल रहे अंधविश्वास, हिंसा और भय पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

जांच में फेल हुए रेबीहांस हर्बल के सभी कफ सिरप, एफआईआर

इंदौर। छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद सामने आए सिरप कांड का असर अब इंदौर जिले तक पहुंच गया है। इंदौर के सांवेर क्षेत्र में सील की गई आयुर्वेदिक ड्रग कंपनी के सभी आयुर्वेदिक सिरप सैंपल जांच में फेल हो गए हैं। जिला प्रशासन ने फैक्ट्री मालिक पर सांवेर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

यह मामला सांवेर क्षेत्र के ग्राम धरमपुरी स्थित मेसर्स रेबीहांस हर्बल प्राइवेट लिमिटेड का है। छिंदवाड़ा सिरप कांड के बाद 18 दिसंबर 2025 को इंदौर जिला प्रशासन ने आयुष विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई की थी। आयुष विभाग प्रभारी डॉ. हंसा बारिया के निर्देशन में की गई जांच के दौरान फैक्ट्री से आयुर्वेदिक सिरप के आठ उत्पादों के सैंपल लेकर शासकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला आमखो ग्वालियर भेजे गए थे। रिपोर्ट में सभी सैंपल निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच में यह भी सामने आया कि फैक्ट्री में सिरप निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का गंभीर रूप से उल्लंघन किया जा रहा था। मौके पर न तो कोई प्रयोगशाला पाई गई और न ही दवा निर्माण से जुड़े आवश्यक कंपोनेंट्स और दस्तावेज उपलब्ध थे।

सड़क हादसे में मृत युवक के माता पिता को 23.45 लाख का मुआवजा

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2021 में तेज रफ्तार ट्रक से हुई सड़क दुर्घटना में मारे गए 18 वर्षीय एक सेल्समैन के माता-पिता को 23.45 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

एमएसीटी की अध्यक्ष सदस्य रूपाली वी. मोहिते ने अपने आदेश में कहा कि ट्रक चालक के पास दुर्घटना को टालने का अंतिम अवसर था, लेकिन वह वाहन की गति नियंत्रित नहीं कर सका जिसके कारण टक्कर हुई। टक्कर के बाद चालक मौके से फरार हो गया था। न्यायाधिकरण ने पाया कि हादसे के समय ट्रक चालक के पास वैध परिवहन लाइसेंस नहीं था, जो बीमा शर्तों का जानबूझकर उल्लंघन है।

डिप्टी सीएम की टिप्पणियां हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाली

मदुरै, एजेंसी

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने भाजपा के नेता अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज उस प्राथमिकी को रद्द कर दिया है जिसमें उन पर 'सनातन धर्म' को लेकर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति एस. श्रीमती ने कहा कि उदयनिधि की टिप्पणियां नफरत फैलाने वाले भाषण के समान थीं और इस पर सवाल उठाना एक प्रतिक्रिया थी।

- मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए की टिप्पणी, अमित मालवीय के खिलाफ प्राथमिकी रद्द

फैसले में न्यायमूर्ति श्रीमती ने कहा, समग्र रूप से विचार करने पर मंत्री का भाषण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यह पूरी तरह से 80 प्रतिशत हिंदुओं के खिलाफ है, जो नफरत फैलाने वाले भाषण की श्रेणी में आता है। फैसले में कहा गया है, यह न्यायालय दुख के साथ इस व्यापक स्थिति को दर्ज करता है कि नफरत फैलाने वाले भाषण देने की शुरुआत करने वाले व्यक्ति को बिना किसी सजा के छोड़ दिया जाता है, लेकिन नफरत फैलाने वाले भाषण पर प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्ति को कानून का सामना करना पड़ता है। न्यायालय प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्तियों से भी पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन नफरत फैलाने वाले भाषण देने की शुरुआत करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानून को लागू नहीं कर रहे हैं। नफरत फैलाने वाले भाषण के लिए मंत्री के खिलाफ राज्य में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन अन्य राज्यों में कुछ मामले दर्ज किए गए हैं।

राजग में लौटी दिनाकरन की पार्टी एएमएमके

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) बुधवार को फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई। एएमएमके कुछ महीने पहले अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन पर धोखेबाजी का आरोप लगाकर गठबंधन से बाहर निकल गई थी।

अन्नाद्रमुक में काफी समय से जारी कई विवादों के बाद अब इस विवाद के शांत होने के संकेत दिख रहे हैं। इसी के तहत पार्टी प्रमुख ईके पलानीस्वामी ने दिनाकरन का राजग में स्वागत किया। एएमएमके के संस्थापक ने भी दिल से धन्यवाद कहा, लेकिन यह भी स्वीकार किया कि अन्नाद्रमुक और उनके बीच भाइयों के जैसी लड़ाई थी। दिनाकरन पहले अन्नाद्रमुक में भी रह चुके हैं।

कर्नाटक : भगवा झंडा उठाने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

उडुपी। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने यहां धार्मिक कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त टी के स्वरूपा के भगवा झंडा उठाने पर आपत्ति जताते हुए उन पर कार्रवाई की मांग की है। स्वरूपा ने कहा है कि वह आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुई थीं और उनकी भागीदारी किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं थी।

जिला कांग्रेस कमेटी के कानूनी और मानवाधिकार प्रकोष्ठ ने 18 जनवरी को पर्याय यात्रा की शुरुआत के दौरान भगवा झंडा उठाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखकर स्वरूपा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। सोमवार को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उडुपी जिला कांग्रेस कमेटी के कानूनी और मानवाधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हरीश शेट्टी ने कहा था कि 18 जनवरी की सुबह जोदु कट्टे से कृष्णा मठ तक यात्रा की शुरुआत से पहले उडुपी भाजपा विधायक यशपाल सुवर्णा ने आरएसएस का झंडा डीसी को दिया, जिसे उन्होंने सार्वजनिक रूप से उठाया और लहराया। उन्होंने कहा कि अधिकारी के सेवा नियमों के खिलाफ उपायुक्त का यह व्यवहार अस्वीकार्य है, संविधान में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के भी विरुद्ध है।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली समेत कई शहरों में हाई अलर्ट

● आतंकी हमलों के मद्देनजर खुफिया एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

गणतंत्र दिवस से पहले देश की खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों और बांग्लादेश स्थित आतंकवादी समूहों से संभावित खतरों के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी किया है।

अलर्ट के मुताबिक दिल्ली और देश में कई अन्य प्रमुख शहर संभावित निशाने पर हो सकते हैं। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी तेज कर दी गई है। खुफिया सूत्रों से पता चला है कि पंजाब के कुछ गैंगस्टर कथित तौर पर खालिस्तानी और अन्य कट्टरपंथी विदेशी आकाओं के लिए 'फुट सोल्जर' के रूप में काम कर रहे हैं। आरोप है कि विदेश में बैठे ये आका देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने और अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए इन आपराधिक नेटवर्कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में सक्रिय हैं।

सूत्रों का कहना है कि इन नेटवर्कों का उपयोग हथियारों की तस्करी, धन और रसद सहायता उपलब्ध कराने जैसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली और अन्य महानगरों में सुरक्षा सख्त की जा रही है।

शेख हसीना के खिलाफ नौ फरवरी को होगी सुनवाई

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने के लिए अगली सुनवाई की तारीख नौ फरवरी निर्धारित की। यह मामला उन आरोपों से जुड़ा है कि दिसंबर 2024 में हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक समूह की ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया था, जहां मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गिराने की कथित तौर पर साजिश रची गई। ढाका की विशेष अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुस सलाम ने इस संबंध में बचाव पक्ष की याचिकाओं में आदेश पारित किया।

व्यवस्था की डूबती संवेदनशीलता

नोएडा जैसे आधुनिक शहर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से हुई मौत केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि शहरी नियोजन और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की विफलता का प्रतीक है। इंजीनियर की जान बचाने के लिए फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचती हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव का हवाला देकर किनारे खड़ी रहती हैं, आधुनिकता के दावों पर यह गहरा तमाचा है। यह घटना दर्शाती है कि हमारे सुरक्षा बल आज भी बुनियादी उपकरणों, जैसे कि डाइविंग सूट, अंडरवाटर लाइट और त्वरित बचाव नौकाओं के लिए तरस रहे हैं। सेक्टर-स्तर पर तैनात फायरकर्मियों को अक्सर केवल आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि शहरी बाढ़ या गहरे गड्ढों में बचाव के लिए उनके पास न तो विशेषज्ञता है और न ही उपकरण।

नोएडा हादसा

केवल टैक्स लेने तक जिम्मेदारी नहीं

● राज्य की जिम्मेदारी केवल टैक्स वसूलने और कंक्रीट के जंगल खड़े करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका प्राथमिक दायित्व है। इस मामले में जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन इकाइयों के बीच समन्वय की भारी कमी दिखी। यदि समय रहते गड्ढे की घेराबंदी की गई होती या बचाव दल के पास एक साधारण लाइफ-जैकेट और ऑक्सीजन सिलेंडर होता, तो शायद आज एक नागरिक और होनहार इंजीनियर जीवित होता। यह घटना पूरी व्यवस्था की खामियों को उजागर करती है। ऐसा नहीं है कि यह देश या प्रदेश की इस तरह की पहली घटना है लेकिन सरकारों या जिम्मेदारों ने इन घटनाओं से निपटने की कोईसीख नहीं ली।

कहां हुई चूक

● प्रशासनिक लापरवाही : निर्माणाधीन क्षेत्र या खुले गड्ढों को ढकने और वहां चेतावनी बोर्ड लगाने में प्राधिकरण विफल रहा।

● संसाधनों का अभाव : फायरकर्मी और स्थानीय पुलिस सबसे पहले पहुँचते हैं, लेकिन उनके पास पानी में उतरने के लिए आवश्यक वेट सूट या स्कूबा गियर नहीं थे।

● प्रतिक्रिया समय : एसडीआरएफ की टीम को पहुंचने में घंटों लग गए, शुरुआती गोल्डन ऑवर में स्थानीय बल मूकदर्शक बने रहे।

संसाधन-प्रशिक्षण

● फायर ब्रिगेड : वर्तमान में अधिकांश फायर स्टेशनों के पास केवल आग बुझाने की गाड़ियां, सीढ़ियां और कुछ मात्रा में रस्सियां होती हैं। जल बचाव के लिए इन्फ्लेटेबल बोट्स या सोनार डिवाइस जिला स्तर पर बहुत कम हैं।

● प्रशिक्षण : इनका मुख्य प्रशिक्षण फायर फाइटिंग पर केंद्रित है। गोताखोरी इनके नियमित प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं है।

राज्य की जवाबदेही

● सुरक्षा मानक : नगर निकायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी गड्ढा खुला न रहे। नोएडा प्राधिकरण जैसे संस्थानों पर भारी जुर्माना और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

● बजट आवंटन : आपदा प्रबंधन बलों को आधुनिक उपकरणों (जैसे ड्रोन, थर्मल सेंसर और अंडरवाटर कैमरा) से लैस करने के लिए पर्याप्त फंड देना।

● जवाबदेही : लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा चलना चाहिए।

जब तंत्र फेल हुआ

● मुंबई (2017) : प्रसिद्ध डॉक्टर दीपक अमरापुरकर की खुले मैनहोल में गिरने से मौत।

● गुरुग्राम (2023) : बारिश के पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौतें।

● दिल्ली (2024) : कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से छात्रों की मौत।

वर्ल्ड ब्रीफ

जापान में परमाणु संयंत्र फिर चालू होगा

तोक्यो। जापान में 2011 में हुएफुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद दुनिया के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र का संचालन बुधवार को फिर से शुरू हो जाएगा। जापान बिजली की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। काशीवाजाकी-कारिवा परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर में ऊर्जा उत्पादन की शुरुआती प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका संचालन तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स (टीईपीसीओ) कर रही है। यह वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी संचालन करती है।

आईएस के बड़े शिविर पर नियंत्रण किया

अल-होल। सीरिया की सरकारी सेना ने बुधवार को उत्तर-पूर्वी सीरिया में एक बड़े शिविर पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया जिसमें इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े हजारों लोग रह रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार और कुर्द लड़ाकों के बीच समझौता हो गया है। सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच दो हफ्ते तक चली झड़पों के बाद, बुधवार को सरकारी सैनिकों को ले जा रहीं बख्तरबंद गाड़ियों का एक काफिला अल-होल शिविर में पहुंचा। कुर्द लड़ाके उस जमीन का एक बड़ा हिस्सा खो चुके थे जिस पर उनका सालों से नियंत्रण था।

37 तस्करों को अमेरिका को सौंपा

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनके देश ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोहों के 37 और सदस्यों को अमेरिका को सौंप दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले आपराधिक नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए सरकारों पर दबाव बढ़ा रहा है। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री उमर गार्सिया हारफुच ने एक्स पर कहा कि जिन लोगों को भेजा गया है, वे शातिर अपराधी थे और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे।

श्रीनिवास राय का 83 वर्ष की उम्र में निधन

सिंगापुर। सिंगापुर में हिंदी सोसाइटी के संस्थापक सदस्य और गांधीवादी मूल्यों के पैरोकार श्रीनिवास राय का रविवार को उनके घर पर निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। संसद के पूर्व मनोनीत सदस्य राय 10 साल की उम्र में सिंगापुर आए थे और यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में कानून की पढ़ाई करने के बाद पांच दशक से ज्यादा समय तक विधिक क्षेत्र में काम किया।

संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती

राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत-संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है नवगठित बोर्ड ऑफ पीस

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र ने कभी भी अपनी क्षमता के अनुसार काम नहीं किया और यदि उसने प्रभावी भूमिका निभायी होती तो गाजा के लिए गठित बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही ना पड़ती। ट्रंप ने संकेत दिए कि नवगठित बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है जिसका उद्देश्य गाजा के पुनर्निर्माण में सहायता करना है।

ट्रंप से जब सवाल किया गया कि क्या वह चाहते हैं कि बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले तो ट्रंप ने कहा कि यह हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र बहुत मददगार साबित नहीं हुआ है। मैं संयुक्त राष्ट्र की क्षमताओं का बड़ा समर्थक हूं, लेकिन यह कभी अपनी पूरी क्षमता के अनुसार काम नहीं कर पाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर मंगलवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से रूबरू हुए और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। यह प्रेसवार्ता करीब 105 मिनट तक चली। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है और मुझे लगता है कि यह वाकई शानदार साबित होने जा रहा है। अगर संयुक्त राष्ट्र ने अधिक कदम उठाए होते तो शायद इसकी जरूरत नहीं होती। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में आठ युद्धों को सुलझाया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने किसी भी युद्ध में उनकी मदद नहीं की। ट्रंप ने कहा कि मैं उन्हें दोष नहीं दे रहा हूं। मैंने उन्हें मदद के लिए फोन नहीं किया, लेकिन मैंने राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को एक साथ बैठाया, हमने सख्ती से बात की, आपसी सहमति बनाई और वे मुझे पसंद करने लगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उन सभी युद्धों को सुलझाना चाहिए था, जिन्हें मैंने सुलझाया। मैं उसका मदद के लिए कभी आह्वान नहीं किया। उन्हें वे प्रत्येक युद्ध सुलझाने चाहिए थे जो मैंने सुलझाया लेकिन उन्होंने वह नहीं किया। मेरा मानना है कि संयुक्त राष्ट्र को जारी रहने देना चाहिए, क्योंकि इसकी क्षमता बहुत अधिक है।

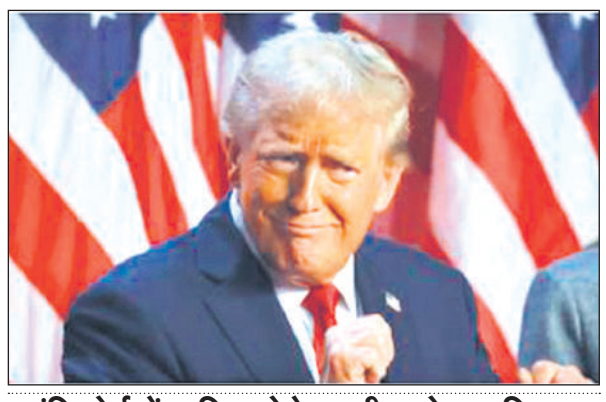

शांति बोर्ड में शामिल होने पर चीन को आपत्ति

बीजिंग। चीन ने गाजा के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित शांति बोर्ड में शामिल होने पर बुधवार को अपनी आपत्ति प्रकट की है और संयुक्त राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां कहा कि चीन हमेशा सच्चे बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध रहा है, और संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की मजबूती से रक्षा करेगा। गुओ ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हालात कैसे भी हों, चीन संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करेगा।

कई संगठनों से रहे हैं संयुक्त राष्ट्र के संबंध

वहीं इस पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र हमेशा कई संगठनों के साथ सह-अस्तित्व में रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने सोमवार को कहा कि दुनिया भर में क्षेत्रीय संगठन, उप-क्षेत्रीय संगठन और विभिन्न रक्षा गठबंधन मौजूद हैं। इनमें से कुछ के साथ हमारे संबंध भी हैं। हक ने कहा कि कुछ संगठनों के साथ हमारे ऐसे संबंध नहीं हैं। बोर्ड ऑफ पीस वास्तव में किस रूप में स्थापित होता है और उसका स्वरूप क्या होता है, यह देखने के बाद ही यह तय किया जा सकेगा कि उसके साथ हमारा किस तरह का संबंध होगा।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री आबे के हत्यारे को उम्रकैद

तोक्यो। जापान की एक अदालत ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने का अपराध कबूल करने वाले एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और दक्षिण कोरिया के एक विवादास्पद चर्च के बीच दशकों पुराने करीबी संबंधों को उजागर किया। तेत्सुया यामागामी (45) ने पश्चिमी शहर नारा में जुलाई 2022 में चुनाव प्रचार के दौरान भाषण दे रहे आबे की हत्या किए जाने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। नारा जिला अदालत ने फैसले की पुष्टि की और अभियोजन पक्ष के अनुरोध के अनुसार यामागामी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

जापान के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल रहे आबे की 2022 में पश्चिमी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान हत्या की गई थी। उस समय वह प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद एक नियमित सांसद के रूप में काम कर रहे थे। कड़े बंदूक नियंत्रण वाले देश को इस घटना ने झकझोर दिया। यामागामी ने कहा कि उसने यूनिफिकेशन चर्च से संबद्ध एक समूह को भेजा गया आबे का वीडियो संदेश देखने के बाद उनकी हत्या की।

ऐसा हल निकालेंगे जिससे नाटो भी खुश और हम भी

● ग्रीनलैंड पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर पड़े नरम

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर मंगलवार को अपेक्षाकृत संयमित रुख अपनाया जो उनके एक दिन पहले दिए गए आक्रामक बयानों से अलग था। ट्रंप व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत की पहली वर्षगांठ के अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियों से बात कर रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि डेनमार्क के अधीन आर्कटिक क्षेत्र ग्रीनलैंड को हासिल करने की उनकी कोशिश क्या विभाजन के जोखिम जैसी है, तो ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि हम ऐसा कोई समाधान निकाल लेंगे जिससे नाटो भी खुश होगा और हम भी खुश होंगे।

यह बयान सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री को भेजे गए ट्रंप के उस संदेश से अलग था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अब केवल शांति के दृष्टिकोण से सोचने के लिए बाध्य महसूस नहीं करते। हालांकि ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में ग्रीनलैंड पर नियंत्रण आवश्यक है। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस सप्ताह पेरिस में यूरोपीय नेताओं की एक आपात बैठक बुलाने का आह्वान किया है, जिसमें ग्रीनलैंड को हासिल करने की ट्रंप की कोशिशों और शुल्क को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव पर चर्चा की जानी है। ट्रंप ने कहा कि वह इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। इसका एक कारण यह बताया कि मैक्रों अधिक समय तक अपने देश का नेतृत्व नहीं करेंगे। इस सप्ताह ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मैक्रों और नाटो महासचिव मार्क रुटे के निजी संदेश भी साझा किए थे।

डब्ल्यूईएफ के लिए दावोस रवाना हुए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड तनाव के बीच विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस रवाना हो गए हैं। इससे पहले उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद एयरफोर्स वन विमान में मामूली खराबी का पता चलने के बाद दूसरे विमान से एयर फ़ोर्स वन को जॉइंट बेस एंड्रयूज पर वापस लौटना पड़ा। व्हाइट हाउस रैपिड रिस्पांस टीम ने एक्स पर बताया कि उड़ान भरने के बाद एयर फ़ोर्स वन के चालक दल ने एक मामूली बिजली संबंधी समस्या की पहचान की। सावधानी बरतते हुए एयर फ़ोर्स वन को जॉइंट बेस एंड्रयूज वापस लौटना पड़ा। राष्ट्रपति और उनकी टीम दूसरे विमान से स्विट्जरलैंड की यात्रा जारी रखेंगे।

नेपाल चुनाव में चार पूर्व पीएम भी आजमाएंगे अपनी किस्मत

● पड़ोसी देश में इस साल पांच मार्च को होने वाले हैं आम चुनाव

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों के महीनों बाद पांच मार्च को कराए जा रहे आम चुनाव में चार पूर्व प्रधानमंत्री भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष और जेन-जी आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ने को मजबूर हुए के पी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव के लिए झापा-5 सीट से नामांकन दाखिल किया है।

वहीं, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहाल 'प्रचंड' रुकुम पूर्व से किस्मत आजमा रहे हैं। दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल और प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया है। हालांकि, दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्री नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता झाला नाथ खनाल इस दौड़ में शामिल नहीं हैं।

नेपाल में जेन-जी युवाओं के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद ओली ने नौ सितंबर को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद देश में आम चुनाव आवश्यक हो गए थे।

चार मंत्रियों ने चुनाव लड़ने को पद त्यागा

नेपाल में सुशीला कार्की सरकार के चार मंत्रियों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा देकर पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया है। विज्ञान एवं शिक्षा मंत्री महाबीर पुन ने मंगलवार को पद छोड़ने के बाद म्याग्दी जिले से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। इससे पहले संचार मंत्री जगदीश खरेल और खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने मंत्री पदों से इस्तीफा दे दिया था। खरेल ने ललितपुर-2 क्षेत्र से जबकि गुप्ता ने सिराहा-1 निर्वाचन क्षेत्र से पर्चा भरा है। कुछ सप्ताह पहले ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्री कुलमान घीसिंग ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर उज्यालो नेपाल पार्टी के अध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभाने का फैसला किया था।

द. कोरिया के पूर्व प्रधानमंत्री हान को 23 वर्ष की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया कि तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा 2024 में लागू किया गया मार्शल लॉ विद्रोह की श्रेणी में आता है। अदालत ने इस मामले में संलिप्तता के लिए यून के समय देश के प्रधानमंत्री रहे हान डक-सू को 23 साल की कारावास की सजा सुनाई। पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू, यून सरकार के पहले अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति यून द्वारा लगाए गए मार्शल लॉ से जुड़े विद्रोह के आरोपों में दोषी ठहराया गया। इस फैसले से राष्ट्रपति यून और उनके अन्य सहयोगियों के खिलाफ आने वाले फैसलों की दिशा तय होने की उम्मीद है।

अमेरिका को ईरान ने दी चेतावनी हमला हुआ तो देंगे कड़ा जवाब

● बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेशमंत्री अराघची ने चेताया

दुबई, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका के खिलाफ अब तक की सबसे सीधी और कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यदि इस्लामिक गणराज्य पर दोबारा हमला हुआ तो वह अपने पास मौजूद हर ताकत से जवाब देगा। तेहरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के निर्ममतापूर्वक दमन के बाद बढ़ते तनाव के बीच अराघची ने यह बात कही है।

इस दमन के चलते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में उन्हें दिया गया निमंत्रण रद्द कर दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका के लड़ाकू विमान उपकरणों के साथ एशिया से पश्चिम एशिया की दिशा में बढ़ रहे हैं। वहीं, कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिका की एक बड़ी सैन्य तैनाती के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने के बीच, पश्चिम एशिया में अमेरिकी लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों की गतिविधियां भी बढ़ती दिख रही हैं।

अराघची ने यह चेतावनी द वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक लेख में दी। लेख में उन्होंने दावा किया कि अशांति का हिंसक चरण 72 घंटे से भी कम समय तक चला। उन्होंने हिंसा के लिए सशस्त्र प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

...तो ईरान का नामो निशान मिटा देंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या कराई तो अमेरिका ईरान का नामोनिशान मिटा देगा। ट्रंप ने न्यूजनेशन के कार्यक्रम केटी पॉवलिच टुनाइट को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मेरे बहुत सख्त निर्देश हैं कि अगर कुछ होता है, तो वे उन्हें नक्शे से मिटा देंगे। इससे पहले ईरान ने ट्रंप को देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई करने पर चेतावनी दी थी। ट्रंप ने खामेनेई के लगभग 40 वर्षों के शासन को समाप्त करने का आह्वान किया था जिसके कुछ दिनों बाद ईरान ने ट्रंप को यह चेतावनी दी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 23 जनवरी 02 .28 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

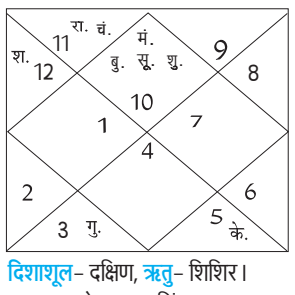

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 14 .27 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपने मित्रों पर अविश्वास न करें। नींद पूरी न लेने के कारण अपच की समस्या हो सकती है। मन की बातें दूसरों से शेयर न करें।

वृष — आज पैतृक व्यवसाय में उत्तम धन-लाभ होगा। परिवार के सदस्यों से राय लेना आपके लिए हितकर रहेगा। आय के नए स्रोत निर्मित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन — आज मार्केटिंग संबंधी गतिविधियों से धन लाभ हो सकता है। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। आप अपने सभी काम समय पर पूरे कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। आयात-निर्यात से आपको लाभ प्राप्त होगा।

कर्क — आज सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। कोई रुकी हुई डील आपके सामने आ सकती है, लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी परेशानी होगी। धन की कमी के कारण जरूरी काम रुक सकते हैं। अधिकारियों के साथ तनाव दूर होगा।

सिंह — आज अपनी बातों को दूसरों पर न थोपें। व्यापार में नए साथी जुड़ सकते हैं। सिर्फ अपने काम पर ही फोकस बनाए रखें। दूसरे कार्यों में दिमाग न लगाएं। कानूनी मामलों को लेकर सावधानी रखें। वरिष्ठों का भरोसा जीतेंगे।

कन्या — आज आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। किसी मांगलिक उत्सव की योजना बनाएंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। दांपत्य संबंधों में ताजगी आएगी। परिवार का बेहतरीन सहयोग मिलेगा। घर में मित्रों का आगमन हो सकता है।

तुला — आज उच्च अधिकारी आपसे संतुष्ट रहेंगे। अपने काम को लेकर फोकस करेंगे। संतान की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। प्रेम संबंधों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

वृश्चिक — आज का काम कल पर न टालें। निवेश में सोच-समझकर कदम उठाएं। मित्रों के साथ खास विषय पर चर्चा कर सकते हैं। आपको नई-नई बातें जानने को मिलेंगी। संतान को लेकर तनाव दूर होगा। खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

धनु — आज करियर को लेकर दिन काफी अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। घर की आवश्यकताओं के बोझ में दबे रहेंगे। लोग आपके साथ होने का दिखावा कर सकते हैं। इसीलिए अपना मत प्रकट करने में सावधानी रखें।

मकर — आज कारोबार में बड़ा धन लाभ होगा। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। संपत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। भाई-बंधुओं के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पलों का आनंद लेंगे।

कुंभ — आज का दिन थोड़ा तनावग्रस्त होगा। कुछ जरूरी कार्य अटक सकते हैं। कारोबार में अनुबंध होने की संभावना है। दांपत्य संबंधों में खर्चों के कारण थोड़ी खिट-पिट हो सकती है। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपका अपमान हो।

मीन — आज चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। छात्रों को मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। आपकी जीवनशैली अत्यंत व्यवस्थित रहेगी। विदेश में नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

सुडोकू-39

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3	2			6			9
7				2				
	1		9				5	
8					2		1	
4			7			9		
	2			5			6	
		8		6				1
2					3		8	
	4			7				5

सुडोकू - 38 का हल

6	1	3	5	4	8	2	7	9
5	9	7	6	1	2	3	4	8
2	4	8	9	3	7	6	5	1
3	7	2	4	9	5	8	1	6
9	6	4	8	7	1	5	3	2
1	8	5	3	2	6	7	9	4
4	5	9	2	8	3	1	6	7
7	2	6	1	5	9	4	8	3
8	3	1	7	6	4	9	2	5

हार्दिक पंड्या के बिना भारतीय टीम अधूरी है। वह बल्ले और गेंद से जो कर दिखाते हैं, वह कोई नहीं कर सकता। भारत अंतिम एकादश में वरुण या कुलदीप जैसे स्पिनर को शामिल करे, लेकिन नंबर आठ पर एक बल्लेबाज की जरूरत होगी।

आकाश चोपड़ा, पूर्व बल्लेबाज

स्टेडियम

मुरादाबाद, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मुंबई इंडियंस की ली पर लगा जुर्माना

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स की विकेटकीपर लिजेले ली पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए बुधवार को मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक लगाया गया। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि ली ने आचार संहिता की धारा 2.2 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के अनादर को लेकर है। इसके लिए मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। यह घटना दिल्ली की पारी के 11वें ओवर की थी जब ली को तीसरे अंपायर के रिव्यू के बाद 46 के स्कोर पर स्टम्प आउट करार दिया गया। फैसले से नाखुश ली ने बाद में पुरस्कार समारोह में कहा कि विकेटकीपर ने अच्छा काम किया लेकिन मुझे इसके बारे में इतना ही कहना है। दिल्ली ने मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया।

केकेआर ने दिशांत को फील्डिंग कोच बनाया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 के सत्र से पहले पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिशांत याग्निक को बुधवार को टीम का फील्डिंग कोच बनाया है। केकेआर ने कहा कि याग्निक अपने साथ भरपूर अनुभव और फील्डिंग में उत्कृष्टता की गहरी समझ लेकर केकेआर में शामिल होंगे। फ्रेंचाइजी आईपीएल में नए सहायक स्टाफ के साथ उतरेगी, जिसमें अभिषेक नायर (मुख्य कोच) के अलावा डेरेन ब्रावो (मेंटोर-मार्गदर्शक), शेन वॉटसन (सहायक कोच), टिम साउदी (गेंदबाजी कोच) और आंद्रे रसेल (पावर कोच) शामिल हैं। आईपीएल से पहले याग्निक का केकेआर में शामिल होना पूर्व क्रिकेटर के कोचिंग करियर में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

निशानेबाजी में सेन शीर्ष पर, मनु-ऐश्वर्य भी जीते

नई दिल्ली। तिलोत्तमा सेन ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) में दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के टी1 फाइनल में दमदार जीत दर्ज की। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में टी1 में तीसरे स्थान पर रहने वाले ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित टी2 में पहला स्थान हासिल किया। तिलोत्तमा ने बुधवार को फाइनल में फिर संयमित प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3पी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आयुषी दूसरे स्थान पर रहीं। सुरभि भारद्वाज रापोले 348.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 ग्वालियर में

नई दिल्ली। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से ग्वालियर स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) शुक्रवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 की मेजबानी करेगा, जिसमें प्रशासक, कोच और शिक्षाविद् भारत में खेल शिक्षा और ट्रेनिंग के भविष्य पर मंथन करने के लिए एकत्र होंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अनुसार, यह कॉन्क्लेव देशभर के नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, खेल प्रशासकों, कोच, खेल वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक मंच पर लाने को आयोजित हो रहा है।

अभिषेक का विस्फोटक पचासा भारत ने दिया 239 रनों का लक्ष्य

सूर्यकुमार यादव ने 20 और रिंकू सिंह ने भी खेली 44 रनों की पारी

अभिषेक शर्मा

नागपुर, एजेंसी

भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 35 गेंदों पर 84 रनों की धमाकेदार पारी से बुधवार को यहां पांच मैच की शृंखला के पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट पर 238 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज अभिषेक ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर कोई रहम नहीं दिखाया और उनकी खूब धुनाई करते हुए अपनी पारी में आठ छक्के और पांच चौके लगाए। उन्होंने और कप्तान सूर्यकुमार यादव (32 रन, 22 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 99 रन की साझेदारी की। हालांकि सूर्यकुमार अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे। लेकिन इस युवा बल्लेबाज की बेफिक्र बल्लेबाजी से कप्तान को भी कुछ देर क्रीज पर जमने का मौका दिया।

अंत में रिंकू सिंह को भी लंबे समय बाद अच्छी पारी खेलने का मौका मिला। उन्होंने 20 गेंद में चार चौके और तीन छक्के से नाबाद 44 रन की तेज पारी खेली। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने संजू सैमसन (10 रन) और ईशान किशन (08) के तौर पर जल्दी विकेट गंवा दिए। अभिषेक ने जैकब डफी (चार ओवर में 27 रन देकर दो विकेट)

रिंकू सिंह

पर अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा जो यह साइट स्क्रीन पर गया था। पंजाब के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने दो विकेट गिरने का असर खुद पर नहीं पड़ने दिया और उनकी बल्लेबाजी की खासियत उनकी बल्ले की तेज स्पीड है। न्यूजीलैंड का कोई भी गेंदबाज उन्हें चुनौती नहीं दे सका।

क्रिस्टियन क्लार्क और काइल जैमीसन की गेंदें सपाट पिच पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही थीं और बाउंड्री के पार जा रही थीं। अभिषेक ने अपनी पारी के चार छक्के जड़ने के बाद पहले तीन चौके स्पिनर ग्लेन फिलिप्स की गेंदबाजी पर लगाए।

वहीं दूसरे छोर पर सूर्यकुमार थोड़े संघर्ष करते दिखे। लेकिन डफी की गेंद पर बैक-फुट पर चौका और क्लार्क की गेंद पर स्क्वायर के पीछे एक जोरदार छक्का लगाने के दौरान भारतीय कप्तान में पुरानी झलक दिखाई दी। लेकिन वह अब भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से काफी दूर है। कप्तान मिचेल सैंटनर (तीन ओवर में 37 रन देकर एक विकेट) ने लगाम लगाने की कोशिश की और उन्हें सफलता जब मिली तब सूर्यकुमार लॉग-ऑन पर कैच आउट हो गए। अभिषेक ने अपना कहर जारी रखा। हालांकि वह अगले ही ओवर में आउट हो गए जब लेग-स्पिनर ईश सोढ़ी ने अपनी लेग-ब्रेक की लेंथ थोड़ी कम की और जैमीसन ने उनका कैच लपक लिया।

आखिर में रिंकू को प्रभाव डालने के लिए काफी गेंदें मिलीं और उन्होंने डेरिल मिचेल के पहले और पारी के अंतिम ओवर में 21 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया।

शीर्ष से फिसले कोहली मिचेल ने बनाई जगह

दुबई, एजेंसी

आईसीसी वनडे रैंकिंग

- मिचेल ने ताजा शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में तेज नौ वनडे शतक पूरा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने

न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने हाल में संपन्न शृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान से हटा दिया। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ यह शृंखला 2-1 से अपने नाम की थी। इस तरह उसने भारतीय सरजमीं पर पहली बार वनडे शृंखला जीतकर 37 साल का इंतजार खत्म किया था।

मिचेल ने शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में सबसे तेज नौ वनडे शतक पूरे करने वाले चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गए। केवल इमाम-उल-हक (48), हाशिम अमला (52) और क्विंटन डिकॉक (53) ही उनसे आगे हैं। हैमिल्टन में जन्मे मिचेल अपने करियर की शीर्ष फॉर्म में हैं। उन्होंने तीन मैच की शृंखला में 352 रन बनाए। किसी तीन मैच की वनडे शृंखला में यह न्यूजीलैंड के खिलाड़ी द्वारा बनाए सर्वाधिक रन हैं और यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनसे आगे केवल पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 360 रन) और भारत के शुभमन गिल (2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 360 रन) हैं।

आईसीसी ने कहा कि 845 रैंकिंग अंक के साथ मिचेल ने कोहली (795 अंक) की जगह ली है जो अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दोनों बल्लेबाजों के बाद इब्राहिम जदरान, रोहित शर्मा, शुभमन गिल और बाबर आजम मौजूद हैं। यह दूसरी बार है जब मिचेल ने वनडे क्रिकेट में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले वह पिछले साल नवंबर में सिर्फ तीन दिन के लिए शीर्ष पर रहे थे जिसके बाद रोहित शर्मा ने उन्हें पछाड़ दिया था।

भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेले गए वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स (पांच शतक) के बाद मिचेल (चार शतक) दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। मिचेल वनडे में 54 पारियों में अब तक एक भी बार शून्य पर आउट नहीं हुए हैं।

टी20 विश्व कप : बीसीबी को झटका बांग्लादेश के मैच भारत में ही होंगे

- आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया निर्णय
- मैचों को बांग्लादेश ने श्रीलंका में कराने का किया था अनुरोध

दुबई, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के टी20 विश्व कप के अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को खारिज कर दिया। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे क्योंकि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई विश्वसनीय खतरा नहीं है।

यह निर्णय आईसीसी बोर्ड की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित बैठक में लिया गया, जो बीसीबी द्वारा भारत में खेलने को लेकर चिंता जताने और आयोजन स्थलों में बदलाव की मांग के बाद स्थिति पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। आईसीसी के अनुसार, बोर्ड ने स्वतंत्र मूल्यांकनों सहित कई सुरक्षा आकलन की समीक्षा की, जिनमें से सभी ने निष्कर्ष निकाला कि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडियाकर्मियों या प्रशंसकों की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं था। आईसीसी ने कहा कि अब इतने कम समय में कार्यक्रम में बदलाव करना संभव नहीं है और सुरक्षा जोखिम की पुष्टि न होने पर मैचों में बदलाव करना भविष्य के वैश्विक आयोजनों के लिए एक अवांछनीय मिसाल कायम कर सकता है।

आईसीसी ने कहा कि बोर्ड ने गौर किया कि मौजूदा परिस्थितियों में मैचों को स्थानांतरित करने से आईसीसी प्रतियोगिताओं की पवित्रता खतरे में पड़ सकती है और वैश्विक शासी निकाय के रूप में संगठन की निष्पक्षता कमजोर हो सकती है। उसके प्रबंधन ने कुछ सप्ताह में बीसीबी के साथ कई बैठकें और पत्राचार किए हैं, जिसमें टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। इनमें आयोजन स्थल से जुड़ी विशिष्ट योजनाएं और संघीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को शामिल करते हुए स्तरीय सुरक्षा का आश्वासन शामिल था।

पीसीबी ने किया बांग्लादेश का समर्थन

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप खेलने से बांग्लादेश के इन्कार का समर्थन किया है और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भेजे पत्र में बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी की पेशकश की। बांग्लादेश को ग्रुप चरण के चारों मैच भारत में खेलने हैं, जिनमें से पहले तीन कोलकाता में और एक मुंबई में होना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपनी सरकार के समर्थन से भारत जाने से इन्कार किया और उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि पीसीबी ने ईमेल में कहा है कि बीसीबी की मांग जायज है और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए और अगर बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में करने में समस्या है तो पाकिस्तान उसके सभी मैचों की मेजबानी को तैयार है। पीसीबी ने इस मसले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है लेकिन बोर्ड के सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने आईसीसी में सहयोग के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया था। पाकिस्तान के सारे मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत श्रीलंका में होंगे।

खेल मंत्रालय ने साई से एसओपी तैयार करने के लिए कहा

नई दिल्ली। ओलंपिक की मेजबानी की चाहत रखने वाले भारत पर बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय निगरानी को ध्यान में रखते हुए खेल मंत्रालय ने साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) से मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने को कहा है ताकि हाल में यहां हुए बैडमिंटन इंडिया ओपन में हुई चूक दोबारा नहीं हों। इंडियन ओपन में कोर्ट पर पक्षियों की बीट, दर्शक दीर्घा में बंदर और ट्रेनिंग सुविधाओं में अस्वच्छता ने टूर्नामेंट की छवि को नुकसान पहुंचाया।

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश ने प्रज्ञानानंद से ड्रॉ खेला

विज्क आन जी (नीदरलैंड), एजेंसी

- अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके, अरविंद चिदंबरम को भी मिली हार

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हमवतन आर प्रज्ञानानंद के साथ अंक बांटकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में लगातार चौथी बाजी ड्रॉ खेली जबकि अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके।

प्रज्ञानानंद का इस टूर्नामेंट में सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा है। उन्हें दो बाजियों में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बाजी ड्रॉ खेली। वह गिरी के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। भारत के एक अन्य खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम को अमेरिकी खिलाड़ी हैंस मोके नीमन के हाथों अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चेक गणराज्य के खिलाड़ी दाई वान गुयेन को पराजित किया। अब्दुसत्तोरोव और नीमन चार में से तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जबकि अर्जुन एरिगैसी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव और नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट उनके ठीक पीछे हैं। सिंदारोव ने जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम को हराया।

गुजरात के खिलाफ मैच में यूपी का पलड़ा भारी

वडोदरा, एजेंसी

- सीनियर बल्लेबाजों के खराब फॉर्म ने गुजरात की मुश्किलें बढ़ाई

खराब फॉर्म से जूझ रही गुजरात जाइंट्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग के मैच में गुरुवार को यूपी वारियर्स का पलड़ा भारी होगा जबकि प्लेआफ के बाकी दो स्थानों के लिए मुकाबला कड़ा हो गया है। पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पांचों मैच जीतकर क्वालीफाई कर चुकी है जबकि दिल्ली ने मंगलवार को मुंबई को 7 विकेट से हराकर सभी के लिए रास्ते खुले रखे हैं।

मुंबई, यूपी, दिल्ली और गुजरात के चार अंक हैं लेकिन नेट रनरेट के आधार पर यूपी गुजरात से ऊपर हैं। गुजरात तीन हार के बाद सबसे नीचे है लेकिन पहले चरण में उसने यूपी को हराया था। इसके बाद दिल्ली को चार रन से हराया। मुंबई के खिलाफ पांच विकेट पर 192 रन बनाने के बावजूद गुजरात को हार मिली। आरसीबी के खिलाफ 183 रन के लक्ष्य के जवाब में टीम 150 रन ही बना सकी और पिछले मैच में इसी टीम के खिलाफ 179 रन के लक्ष्य के जवाब में आठ विकेट पर 117 रन ही बना पाई।

रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में शुभमन गिल पर होगी नजर

राजकोट, एजेंसी

- सिराज भी हैदराबाद के कप्तान के रूप में पहला मैच खेलने को तैयार

भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल गुरुवार से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे चरण में आकर्षण का केंद्र होंगे। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे शृंखला के बाद विश्राम लेने के बजाय पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ होने वाले ग्रुप बी के मैच में खेलने का फैसला किया।

न्यूजीलैंड के हाथों वनडे शृंखला में भारत की 1-2 से हार के बाद गिल सीधे राजकोट पहुंच गए थे जहां उनका राष्ट्रीय टीम के साथी और सौराष्ट्र के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा से मुकाबला हो सकती है। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण है। सौराष्ट्र 13 अंकों के साथ चौथे जबकि पंजाब छठे स्थान पर है। इस ग्रुप में कर्नाटक 21 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि महाराष्ट्र उससे तीन अंक पीछे है। वहीं, मोहम्मद सिराज पर भी सबकी निगाहें होंगी जो अपने घरेलू मैदान पर हैदराबाद के कप्तान के रूप में पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | सबालेंका ने चीन की झोउशुआन को और गॉफ ने डानिलोविच को दी मात

एरिना सबालेंका और कोको गॉफ तीसरे दौर में पहुंचीं

- अल्काराज ने हंफमैन को हराकर तीसरे दौर में जगह की पक्की

मेलबर्न, एजेंसी

दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो एरिना सबालेंका और कोको गाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई। वहीं पुरुष वर्ग में कार्लोस अल्काराज भी तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार की विजेता सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त गाफ ने ओल्गा डानिलोविच को 6-2, 6-2 से मात दी । अल्काराज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को 7-6, 6-3, 6-2 से हराया। सबालेंका का सामना अब अनास्तासिया पोपापोवा से होगा, जिन्होंने 28वीं वरीयता प्राप्त और पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडूकानू को 7-6, 6-2 से हराया। महिला वर्ग के एक अन्य मैच में 12वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने पोलैंड की लिंडा क्लिमोविकोवा को 7-5, 6-1 से मात दी। तुर्की की जेनेप सोंमेज ने अन्ना बोंडर को 6-2, 6-4 से हराया। पुरूष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त और 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव ने क्वेंटिन हालिस को 6-7, 6-3, 6-4, 6-2 से हराया जबकि 13वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने जैमी फारिया को 6-4, 6-3, 4-6, 7-5 से मात दी। 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने थियागो आगस्टिन को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया।

भांबरी और गोरानसन पुरुष युगल के दूसरे दौर में

भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भांबरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार आंद्रे गोरानसन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और गोरानसन की दसवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कोर्ट नंबर 13 पर चले मुकाबले में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ और क्रूज़ हेविट को 6-3 6-4 से हराया। अगर प्रतिशत के आंकड़ों पर गौर करें तो भांबरी और गोरानसन ने पहली सर्विस पर 97 प्रतिशत अंक जीते। दूसरी पर उन्होंने 91 प्रतिशत अंक जीते। भांबरी और गोरानसन ने प्रतिद्वंद्वियों की सर्विस को दो बार तोड़ा और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया, जिससे वे पूरे समय नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहे। निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार से सीधे सेटों में हारकर पुरुष युगल से बाहर हो गए थे।

पीवी सिंधु व श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

जकार्ता, एजेंसी

- किरण जार्ज और आकर्षि कश्यप को पहले ही दौर में हार का करना पड़ा सामना, मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती समाप्त

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत अपने अपने मुकाबले जीतकर इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने जापान की मनामी सुइजू को 53 मिनट में 22-20, 21-18 से हराया। वहीं विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने एक घंटे 12 मिनट तक चले मैच में दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे को 21-15, 21-23, 24-22 से शिकस्त दी।

श्रीकांत का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन से होगा, जिन्होंने आयरलैंड के एन एंगुयेन को 21-14, 21-15 से हराया। किरण जार्ज को पहले दौर में इंडोनेशिया के एक जाकी उबेदिल्लाह के हाथों 17-21, 14-21 से पराजय का सामना करना पड़ा। महिला एकल में आकर्षि कश्यप भी पहले दौर में जूली डावाल जाकोबसेन से 21-8, 20-22, 17-21 से हार गई।

मिश्रित युगल में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब रोहन कपूर और रूत्विका गाडे के अलावा ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी भी पहले दौर में हार गई। कपूर और गाड्डे को चौथी वरीयता प्राप्त फ्रांस के थॉम गिकुल और डेल्फाइन डेलरू ने 21-9, 22-20 से हराया जबकि कपिला और क्रास्टो को फ्रांस के ही जूलियन मेइयो और ली पालेरमो ने 21-23, 22-20, 21-6 से मात दी।